मंगलवार
14 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

हाजीपुर में गरजे मोदी, बोले- पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

हमार काशी-हमार मोदी संग' आनंद, उमंग और उत्साह से लबरेज रही महादेव की काशी

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन की पूर्व संध्या पर सोमवार को दिव्य-भव्य रोड शो निकाला। महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू हुआ वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का रोड शो विकास रथ पर निकला, जिस पर मोदी संग योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सवार रहे। मोदी-योगी की जोड़ी का मैजिक समूची वाराणसी में दिखा। हर हर महादेव और जय श्रीराम की जयकार के बीच स्थानीय लोगों ने अविस्मरणीय स्वागत कर यह बता दिया कि उनके बीच 56 इंच के सीने वाला दमदार व्यक्तित्व फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने आया है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रोड शो प्रारंभ किया। लगभग ढाई घण्टे से अधिक का रोड शो काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर समाप्त हुआ। पूरे रोड शो के दौरान उनके रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सवार रहे। एक तरफ रोड शो में जहां लघु भारत और उत्तर प्रदेश की संस्कृतियों की झलक दिखी, वहीं पांच किलोमीटर लंबे इस रोड शो में शंखनाद, डमरू का निनाद, रास्ते में बने मंचों पर राम दरबार, शिव परिवार का स्वरूप दिखाते कलाकारों ने अपने-अपने रंग से अपने मोदी का स्वागत किया। लगभग 100 के आसपास बने मंचों पर कलाकारों का नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मन मोह रही थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो अभूतपूर्व रहा। रोड शो के शुरूआत में ही पाणिनी कन्या महाविद्यालय की वेद पाठी छात्राओं ने मंत्रोच्चार किया। विकास रथ के आगे मातृशक्ति का समूह चल रहा था। पूरे रास्ते तिल रखने तक की जगह नहीं थी। बहुसंख्यक समाज हो या अल्पसंख्यक, हर कोई विकास पुरुष नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आतुर दिखा।

यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री अपनी मां के साक्षात आशीर्वाद के बिना नामांकन करेंगे। रोड शो में मोदी की भावनाओं का सम्मान करते हुए हजारों लोग मोदी का परिवार लिखा वस्त्र पहने दिखे तो हमार काशी-हमार मोदी के जरिए भी प्रधानमंत्री से अपना लगाव प्रकट किया। सड़क के दोनों तरफ, घरों की छतों से बच्चे, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग सभी ने पुष्पवर्षा कर मोदी का स्वागत किया। छतों से लोग मोदी की आरती भी उतारते दिखे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में पूरी काशी भगवामय रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं केसरिया रंग का कुर्ता पहने रहे तो उनके बगल में योगी आदित्यनाथ भगवा कपड़े में दिखे। केसरिया वाहन पर दोनों नेता सवार रहे तो पीले गेंदे की माला इसमें चार चांद लगा रही थी। पूरे रास्ते जहां महिलाएं भगवा रंग में रहीं तो केसरिया साफा, टोपी और केसरिया गमछा डाले लोग भी काशी की सड़कों पर दिखा। जहां तक नजर गई, सड़कें भगवा और भाजपा के झंडे से सजी दिखीं।

लोकसभा चुनाव: लाख प्रयास के बाद भी नहीं बढ़ रहा वोटिंग परसेंटेज

96 सीटों पर शाम 5 बजे तक 63 फीसदी वोटिंग, पिछली बार से 6% की गिरावट

- सबसे ज्यादा प. बंगाल में 75.66 प्रतिशत, वहीं जम्मू-कश्मीर में सबसे कम 35.75 प्रतिशत मतदान

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 96 लोकसभा सीट पर सोमवार शाम को 5 बजे तक 62 फीसदी से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुछ मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन में गड़बड़ी की भी खबरें सामने आई। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 62.70 फीसदी मतदान हुआ। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 75.66 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले, वहीं, जम्मू-कश्मीर में सबसे कम 35.75 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट किया है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में 68.04 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 68.01 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं झारखंड में 63.14, ओडिशा में 62.96, तेलंगाना में 61.16, उत्तर प्रदेश में 56.35, बिहार में 56.63, महाराष्ट्र में 52.49 और जम्मू कश्मीर में 35.75 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट दिए। इस चरण में 1717 प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी जैसे कई प्रमुख उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है।

लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों में मतदान प्रतिशत क्रमशः 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत और 65.68 प्रतिशत रहा था। देश में अगले तीन चरणों के लिए मतदान 20 मई, 25 मई और एक जून को होगा। मतगणना चार जून को होगी। 543 लोकसभा सीटों में तीसरे फेज तक 283 सीटों पर मतदान हो गया है। पहले चरण में 102, दूसरे में 88, तीसरे में 93 संसदीय क्षेत्रों में चुनाव कराए गए। सोमवार तक कुल 379 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 3 चरणों में 163 सीटों पर वोटिंग होगी।

वर्ष 2019 में 96 सीटों पर 69.12 फीसदी हुआ था मतदान

चौथे दौर में जिन 96 सीटों पर मतदान हुआ उनमें 2019 में 69.12% मतदान दर्ज किया गया था। राज्यवार आंकड़े देखें तो 2019 में पश्चिम बंगाल की आठ सीटों पर कुल 82.88% वोटिंग हुई थी। वहीं जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर महज 14.43% लोगों ने वोट किया था। सीटवार आंकड़े देखें तो आंध्र प्रदेश की बापतला सीट पर सबसे ज्यादा 86.47% वोटिंग हुई थी। वहीं जम्मू कश्मीर की श्रीनगर सीट पर मात्र 14.43% लोगों ने मतदान किया था।

बिहार में पांचों सीटों पर कुल 56.63 फीसदी वोटिंग

बिहार में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में पांच सीटों पर मतदान समाप्त हो गया। चुनाव आयोग द्वारा जारी शाम 6 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक पांचों सीटों पर कुल 56.63 फीसदी वोटिंग हुई। बेगूसराय में सबसे ज्यादा 58.40 प्रतिशत वोट गिरे। वहीं, समस्तीपुर में 58.10, दरभंगा में 56.63और उजियारपुर में 56 फीसदी मतदान हुआ। सबसे कम मुंगेर में 55 फीसदी लोगों ने वोट दिया। एडीजी मुख्यालय जीएस गंगवार ने बताया कि मतदान के दौरान कुल 47 उपद्रवी तत्वों को गिरफ्तार किया गया। चौथे चरण में दिग्गजों नेताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं मुंगेर में चुनाव ड्यूटी के दौरान पीठासीन अधिकारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। चौथे चरण में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, सांसद गोपाल जी ठाकुर, विधायक ललित यादव, शांभवी चौधरी, सनी हजारी, पूर्व मंत्री तथा विधायक आलोक मेहता सहित 55 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला है। इनमें चार महिलाएं जबकि 51 पुरुष शामिल हैं।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट घोषित, बेटियां फिर निकलीं बेटों से आगे

- 10वीं की परीक्षा में 94.75% लड़कियां जबकि 92.71% लड़के पास हुए हैं
- 12वीं की परीक्षा में 91.52% लड़कियां पास हुई हैं, जबकि लड़कों का रिजल्ट 85.12% रहा है
- सीबीएसई बोर्ड ने इस साल 10वीं व 12वीं के टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की है

एजेंसी/नई दिल्ली

सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट सोमवार को जारी कर दिया गया। दोनों कक्षाओं में लड़कियां अव्वल रही हैं। 10वीं की परीक्षा में 94.75% लड़कियां पास हुई हैं, जबकि लड़के 92.71% पास हुए हैं। वहीं 12वीं की परीक्षा में 91.52% लड़कियां पास हुई हैं, जबकि लड़कों का रिजल्ट 85.12% रहा है। इस साल 12वीं में लड़कों के मुकाबले लड़कियां 6.40% अधिक पास हुई हैं। सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में त्रिवेंद्रम (तिरुअनंतपुरम) का रिजल्ट सबसे अच्छा रहा है। 10वीं में त्रिवेंद्रम का रिजल्ट 99.75% बच्चे पास हुए हैं. विजयवाड़ा 99.60% के साथ दूसरे नंबर पर है. वहीं, चेन्नई 99.30% रिजल्ट के साथ तीसरे नंबर पर है. सीबीएसई बोर्ड 12वीं में भी त्रिवेंद्रम नंबर-1 है. यहां 99.91% बच्चे पास हुए हैं, जबकि दिल्ली ईस्ट का रिजल्ट 94.51 फीसदी रहा है। सीबीएसई बोर्ड ने इस साल 10वीं और 12वीं के टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की है. बोर्ड ने इसका ऐलान पहले ही कर दिया था। टॉपर्स की लिस्ट जारी न करने का मकसद बच्चों को अनहेल्दी कॉम्पिटिशन से बचाना है।

10वीं टॉपर रीजन

रीजन	पास %
त्रिवेंद्रम	99.75
विजयवाड़ा	99.60
चेन्नई	99.30
बेंगलुरू	99.26
अजमेर	97.10
पुणे	96.46
दिल्ली ईस्ट	94.45
दिल्ली वेस्ट	94.18
चंडीगढ़	94.14
पटना	92.91
प्रयागराज	92.72
पंचकूला	92.16
भुवनेश्वर	92.03
देहरादून	90.97
भोपाल	90.58
नोएडा	90.46
गुवाहाटी	77.94

12वीं टॉपर रीजन

रीजन	पास %
त्रिवेंद्रम	99.91
विजयवाड़ा	99.04
चेन्नई	98.47
बेंगलुरू	96.95
दिल्ली वेस्ट	95.64
दिल्ली ईस्ट	94.51
चंडीगढ़	91.09
पंचकूला	90.26
पुणे	89.78
अजमेर	89.53
देहरादून	83.82
पटना	83.59
भुवनेश्वर	83.54
भोपाल	82.46
गुवाहाटी	82.05
नोएडा	80.27
प्रयागराज	78.25

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, अपने युवा मित्रों को मैं हार्दिक बधाई देता हूं। आप सफलता का आनंद लें, इस समय का उपयोग उच्च अध्ययन के लिए एक प्रभावी योजना बनाने में भी करें।

भरी सभा में तेजप्रताप को आया गुस्सा, मंच पर ही कार्यकर्ता को धक्का देकर जड़ दिया चाटा

केटी न्यूज/पटना

लालू प्रसाद यादव के बड़े लाल यानी तेज प्रताप यादव का गुस्सा एक बार फिर से सार्वजनिक तौर पर देखने को मिला है। तेज प्रताप यादव मंच पर ही भड़क गए। उन्होंने मंच पर खड़े कार्यकताओं को धक्का दे दिया। उनके साथ हाथापाई करने की कोशिश की। इस बीच मीसा भारती को उन्हें संभालना पड़ा, स्थिति इतनी गंभीर होती नजर आई कि इस हाथापाई और धक्का मुक्की के बीच मां राबड़ी देवी को भी बीच में पड़ना पड़ा। इसी मंच पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी मौजूद थे।

भरे मंच पर अपनी ही पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के एक कार्यकर्ता को धक्का देने की वजह से पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव बीजेपी के निशाने पर आ गए हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने वीडियो जारी कर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, परिवारवादियों का अहंकार चरम पर है। भरे मंच पर तेजप्रताप यादव द्वारा कार्यकर्ता को धक्का मारना जंगलराज का प्रतीक है। चुनाव से पहले ही इनके ये तेवर हैं। अगर सत्ता में आ गए, तो कैसा जंगलराज लाएंगे। इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी का निधन, शोक की लहर

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी का निधन हो गया। बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेताओं में सुशील मोदी एक थे। वह 72 वर्ष के थे और कैंसर से पीड़ित थे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद श्री सुशील कुमार मोदी जी के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। यह बिहार भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भी उनके निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी जी अब हमारे बीच नहीं रहे। पूरे भाजपा संगठन परिवार के साथ-साथ मेरे जैसे असंख्य कार्यकताओं के लिए यह एक अपूरणीय क्षति है।

सीजन की पहली बारिश ने घाटकोपर में मचाई तबाही, सरकार ने दिए जांच के आदेश

मुंबई में आयी आंधी से गिरा होर्डिंग, चार लोगों की मौत, 59 घायल

एजेंसी/मुंबई

मुंबई में इस सीजन की पहली बारिश के साथ तेज धूल भरी आंधी चली है। इस आंधी-तूफान की वजह से मुंबई के घाटकोपर में एक 100 फुट लंबी होर्डिंग उखड़ गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 59 लोग घायल हो गए। एक अधिकारी का कहना है कि यह हादसा जिमखाना के पास शाम साढ़े बजे के करीब हुआ। मौके पर तुरंत राहत पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दमकल और पुलिस की टीम को भेजा गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान क्रेन और गैस कटर का इस्तेमाल किया गया है। घाटकोपर में हुए हादसे के बाद महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने मुंबई के मुलुंद क्षेत्र में होने वाली अपनी चुनावी रैली को रद्द कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

घाटकोपर में हुए हादसे के मामले में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा रेलवे और विज्ञापन कंपनी इगो मीडिया के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। बीएमसी का कहना है कि रेलवे और विज्ञापन कंपनी के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। उधर सेंट्रल रेलवे के अधिकारी स्वप्निल नीला का कहना है कि जिस जमीन पर होर्डिंग लगाई गई थी, वह जमीन सेंट्रल रेलवे की नहीं बल्कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की है।

मुंबई के घाटकोपर, बांद्रा कुर्ला, धारावी इलाकों में बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं। उधर मुंबई हवाई अड्डे पर हवाई सेवाओं का संचालन अस्थाई रूप से रोका गया। हवाईअड्डा प्राधिकरण ने बताया कि तूफान के दौरान 15 उड़ानों में बदलाव किया गया। इसके बाद शाम 5:03 बजे हवाई सेवाओं का संचालन शुरू हो पाया। दरअसल मुंबई हवाई अड्डे पर बीते सप्ताह प्री-मानसून रनवे के रख-रखाव का काम किया गया था। इस वजह से उड़ानों को समय रहते संचालित किया गया। उधर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई, ठाणे और पालघर में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने और तूफान की संभावना जताई है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान के साथ साथ कई जगह बिजली भी गिर सकती है।

कांग्रेस ने जीतना काम 60 सालों में किया, भाजपा ने 10 साल में उससे अधिक किया

हाजीपुर में गरजे मोदी, बोले- पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे

केटी न्यूज/पटना

पीएम मोदी ने हाजीपुर में सभा को संबोधित करते हुए कहा पाकिस्तान लगातार आंतकवाद को बढ़ावा दे रहा है। लेकिन, अपने आप सुधार नहीं करेगा। तब उसे चूड़िया पहनानी पड़ेगी। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में आरक्षण का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिला। राजपूत और ब्राह्मण समाज में भी गरीब लोग हैं। इसलिए मैंने इन समाज के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया। आप देखिए मैंने किसी का आरक्षण लूटकर इन्हें आरक्षण नहीं दिया। मैंने सबको साथ लेकर सामान्य वर्ग को आरक्षण दिया। किसी दुखी नहीं किया। लेकिन, यह लोग धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी संपत्ति का एक्स-रे करवाना चाहती है। आपकी कमाई, घर और जमीन तक छीन लेंगे। यह लोग विरासत कर लगाकर आपकी संपत्ति छिनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने सारण से भाजपा

प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी के पक्ष में वोट मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने कैसे-कैसे सपने देखे। यह मुंगेरी लाल के हसीन सपना देख रहे हैं इनकी सरकार बनेगी तो हर साल एक प्रधानमंत्री। पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। आप बताइए पांच साल में पांच प्रधानमंत्री से देश का भला होगा क्या। पांच साल पांच प्रधानमंत्री हमारा सिर फोड़ेंगे क्या। अपना वजूद बचाने के राजद और कांग्रेस तुष्टिकरण की जिद पर अड़े हैं। इनलोगों ने आपका आरक्षण छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। आप कल्पना कर सकते हैं जिस राजद को पिछड़ों ने सबकुछ दिया, वही राजद पिछड़ों के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात करने वाली पार्टी बन गई है। इसलिए मैं बिहार के हर पिछड़े दलित और आदिवासी को गारंटी देता हूं कि यह जंगलराज वाले कोशिश कर लें लेकिन मोदी आरक्षण की लूट नहीं होने देगा। वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी बिहार आता हूं तो राजद को कहता हूं कि वह अपने काम पर जनता से वोट मांगे। राजद ने कितने अपहरण कराए। कितने उद्योगों को चौपट किया। कितने तरह के घोटाले कराए। राजद वालों इसी तरह के पोस्टर लगाने चाहिए और इसके आधार पर वोट मांगना चाहिए। बिहार में जंगलराज लाने वालों का यही एक रिपोर्ट कार्ड है। मैं इन जंगलराज वालों से यह भी कहूंगा कि नीतीश कुमार ने नेतृत्व में जो काम हुए, उसके आधार झूठ बोलकर वोट मत मांगिए। आपके पास राजद वाले आए तो एक बार सोच लीजिएगा कि जंगलराज में क्या क्या होता था। पहली बार मतदान कर रहे लोगों से मैं कहता हूं कि आप अपने घर के बुजुर्गों से पूछिए जंगलराज में कैसे-कैसे दिन उन्होंने देखे। शाम को वह घर से नहीं निकल पाते थे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विकास की नई ऊंचाइ को छुए, यह इस चुनाव में तय होने वाला है। आपका यह मोदी, आपका सेवक है। और मामूली सेवक नहीं है। यह 24 घंटे सातों दिन काम करने वाला सेवक है। आपके सपने ही मेरा संकल्प है। आपने मुझे एक जिम्मेदारी दी। मैं इस जिम्मेदारी को बहुत ईमानदारी से निभा रहा है। उतनी ही ईमानदारी से मैं देश के लोगों को अपना रिपोर्ट कार्ड दे रहा हूं। देश देख रहा है कि कि मोदी ने पीएम ने कहा- पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे पीएम ने कहा- पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे है। मोदी ने 10 साल में ज्यादा हाईवे और आधुनिक ट्रेनें चलाईं। हमारे देश में 60 साल में जितने एम्स में खुले थे, उससे दोगुने एम्स हमने 10 साल में खोल दिए। मेडिकल कॉलेज की संख्या डबल कर दिया। छपरा में भी पांच सौ बेड का मेडिकल कॉलेज खुला है। हर राज्य से एक्सप्रेस वे गुजर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हर परिवार की बचत बढ़ाने वाली एक और गारंटी मोदी ने दी है। अब बिहार में जितने भी बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 70 साल से ऊपर है।

राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद ने लगाया आरोप मुंगेर के 64 बूथों पर जेडीयू ने किया कब्जा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में इस दफे राजद ने चुन कर उम्मीदवार खड़ा किया था। कई जघन्य हत्याकांडों के दोषी अशोक महतो ने खरमास में शादी की और लालू प्रसाद यादव ने अशोक महतो की पत्नी को टिकट दे दिया। लेकिन अब वही राजद मुंगेर क्षेत्र में बूथ कब्जे की शिकायत कर रही है। आज मुंगेर में वोटिंग थी और राजद ने शिकायत की है कि वहां 64 बूथों पर जेडीयू ने कब्जा कर लिया है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। इसमें जेडीयू समर्थकों द्वारा मुंगेर क्षेत्र के 64 बूथों पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। जगदानंद सिंह के पत्र में कहा गया है कि जेडीयू समर्थकों ने बड़हिया नगर पंचायत क्षेत्र के सभी बूथों पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही मोकामा विधान सभा के बूथ संख्या 200, 201, 202, 205, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 219, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 232, 233, 234, 235, 236, लखीसराय विधान सभा क्षेत्र के बूथ संख्या 236, 237, 238, 265, 266, 349, 392 और सूर्यगढ़ा विधान सभा के 157, 179 पर जदयू

समर्थकों ने कब्जा कर लिया है और गरीब-कमजोर लोगों को मतदान करने नहीं दिया जा रहा है। राजद ने कहा है कि प्रशासन के आला अधिकारियों से लगातार शिकायत की जा रही थी। परंतु इस पर कोई नहीं सून रहा था। मामलों को टाला गया। वहीं जेडीयू ने अपनी से कार्य किया। जेडीयू के कार्यकर्ताओं को किसी बात का कोई डर नहीं था। राजद प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। लिहाजा, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तत्काल अपने स्तर से इस मामले में कार्रवाई करें और लोगों को मतदान करने का अवसर दिलायें।

छह माह पूर्व हुई थी शादी, मामूली कहासुनी के बाद फंदे पर लटक गये पति-पत्नी, मचा कोहराम

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जहां पति-पत्नी घर के अलग-अलग कमरे में फंदे से झूल गए। जिसमें दोनों की मौत हो गई है। दोनों की शादी 6 माह पहले अक्टूबर में हुई थी। परिजनों के अनुसार रविवार को किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। जिसके बाद पति ने आत्महत्या कर ली। मृतक की मां के अनुसार जब पत्नी ने अपने पति की लाश देखी तो उसने भी खुद को कमरे में बंद कर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले कहा था जब मेरे पति ही इस दुनिया में नहीं रहे तो मैं जी कर क्या करूंगी।

पति-पत्नी के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था ये अभी तक क्लियर नहीं है। मृतकों की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के बाघवा गांव निवासी रिशु कुमार और उसकी पत्नी रंजना उर्फ रंजू देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर मीरगंज थाना की पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। मामले की तहकीकात में जुट गई है। घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के बघवा गांव की है। परिजनों के अनुसार सास ने अपनी

बहू को खाना बनाने के लिए कहा तो वो अपने कमरे में सो गई। हम लोग खेत में चले गए थे। पति-पत्नी घर में अकेले थे। शाम करीब 6 बजे घर लौटे तो बेटे को खोजा। कमरे में सो रही बहू को उठाया और बेटे को कमरे से बुलाने को कहा। बहू ने बंद कमरे की खिड़की से झांक कर देखा तो शव फंदे पर लटका था। मृतक की पत्नी शोर मचाने लगी। जब तक हम लोग दरवाजा तोड़ कमरे में पहुंचे, तक तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद बहू अपने कमरे में चली गई और वह भी फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

वोट देने के बाद बेगूसराय के वोटिंग सेंटर पर ही गई मतदाता की जान

पटना। बिहार की पांच सीटों पर आज सुबह सात बजे से वोटिंग जारी है। इस बीच कुछ जगह से कुछ दुखद घटनाएं भी सामने आ रही हैं। बेगूसराय में वोट देने मतदान केंद्र पहुंचे एक शख्स की अचानक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अधिक गर्मी की वजह से मतदाता रविंद्र यादव बेहोश हो गए थे। आनन-फानन में परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के बरौनी- 2 बूथ संख्या- 136 की है। मतदाता रविंद्र यादव मतदान के बाद जब घर लौट रहे थे, तभी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मतदान केंद्र पर किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं थी। जिसके कारण उनकी जान चली गई।

सिम कार्ड के नाम पर शिक्षक के खाता से उडाये 35 लाख रुपये

मुजफ्फरपुर। साइबर अपराधियों ने रिटायर्ड शिक्षक का सिम अपग्रेड करने के नाम पर साइबर फ्रॉड का शिकार हो गये है। साइबर फ्रॉड ने 35 लाख रुपए उड़ा लिए। पीड़ित रिटायर्ड शिक्षक ने इसको लेकर साइबर थाना में मामला दर्ज कराया है। ऐसे गायब होने लगे रुपये पीड़ित रिटायर्ड शिक्षक मोहन मिश्रा ने बताया कि 29 अप्रैल को मुझे एक अनजान नंबर से व्हाट्सअप्प कॉल आया और कहा कि आपके फोन में लगे सिम कार्ड को अपग्रेड करना है अपग्रेड करने के नाम पर अपराधियों ने 35 लाख रुपये उड़ा लिए।

बीमार शिक्षक की चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत

मुंगेर। मुंगेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चुनाव की ड्यूटी के दौरान पीठासीन अधिकारी की हर्ट अटैक से मौत हो गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह मामला बूथ संख्या 210 मध्य विद्यालय चकासिम इब्राहिम शंकरपुर की है। परिजनों का आरोप है कि ओंकार चौधरी गंभीर रूप से बीमार थे। उन्होंने अपनी बीमारी को लेकर आवेदन भी दिया था लेकिन जिला प्रशासन के द्वारा उन्हें जबरन ड्यूटी दी गई जिस वजह से उनकी मौत हो गई। बीमार शिक्षक ने डीएम को आवेदन भी दिया था।

टल गया बड़ा रेल हादसा : गांधीधाम एक्सप्रेस से टूटा खम्भे का ट्रैक्शन तार, इंजन का पेंटो हुआ डैमेज

केटी न्यूज/पटना

बिहार में सोमवार को एक बड़ा ट्रेन हादसा होते-होते टल गया। गया-कोडरमा रेल सेक्शन के पहाड़पुर स्टेशन के समीप सोमवार की सुबह गांधीधाम एक्सप्रेस के पेंटो में फंसकर 14 खम्भों का ट्रैक्शन तार टूट गया। इसके कारण एक भीषण रेल हादसा होने से बाल-बाल बच गया। गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन का पेंटो भी टूट गया है। ट्रैक्शन तार टूटने से गया-कोडरमा रेलखंड के डाउन लाइन में पांच घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बंद रहा। वहीं, पेंटो के टूट जाने से गांधी धाम एक्सप्रेस करीब तीन घंटे तक घटनास्थल पर ही रुकी रही। पहाड़पुर रेलवे स्टेशन के होम सिग्नल के पहले सुबह करीब 5:55 बजे की यह घटना है।

घटना की सूचना मिलते ही तीन टावर वैगन के साथ रेल अधिकारी व कर्मी घटनास्थल पहुंच गए और टूटे हुए तार को दुरुस्त करने में जुट गए हैं। इस बीच वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बाधित परिचलान को शुरू किया गया है। जबकि, इस दुर्घटना को लेकर धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा अपने विभागीय अधिकारियों की टीम के साथ परख स्पेशल ट्रेन में सवार होकर करीब 9 :30 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। आते ही उनकी टीम ने स्थिति का जायजा लिया। इसी दौरान डीजल इंजन के सहारे गांधी धाम एक्सप्रेस का 9:53 बजे परिचालन शुरू कराया गया। इस दौरान गांधीधाम एक्सप्रेस में सवार यात्री काफी परेशान दिखे। उधर, ट्रैक्शन तार टूटने की घटना के कारण डाउन लाइन से होकर चलने वाली कई ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया है। जनशताब्दी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनो के परिचालन पर इसका बुरा असर पड़ा है।

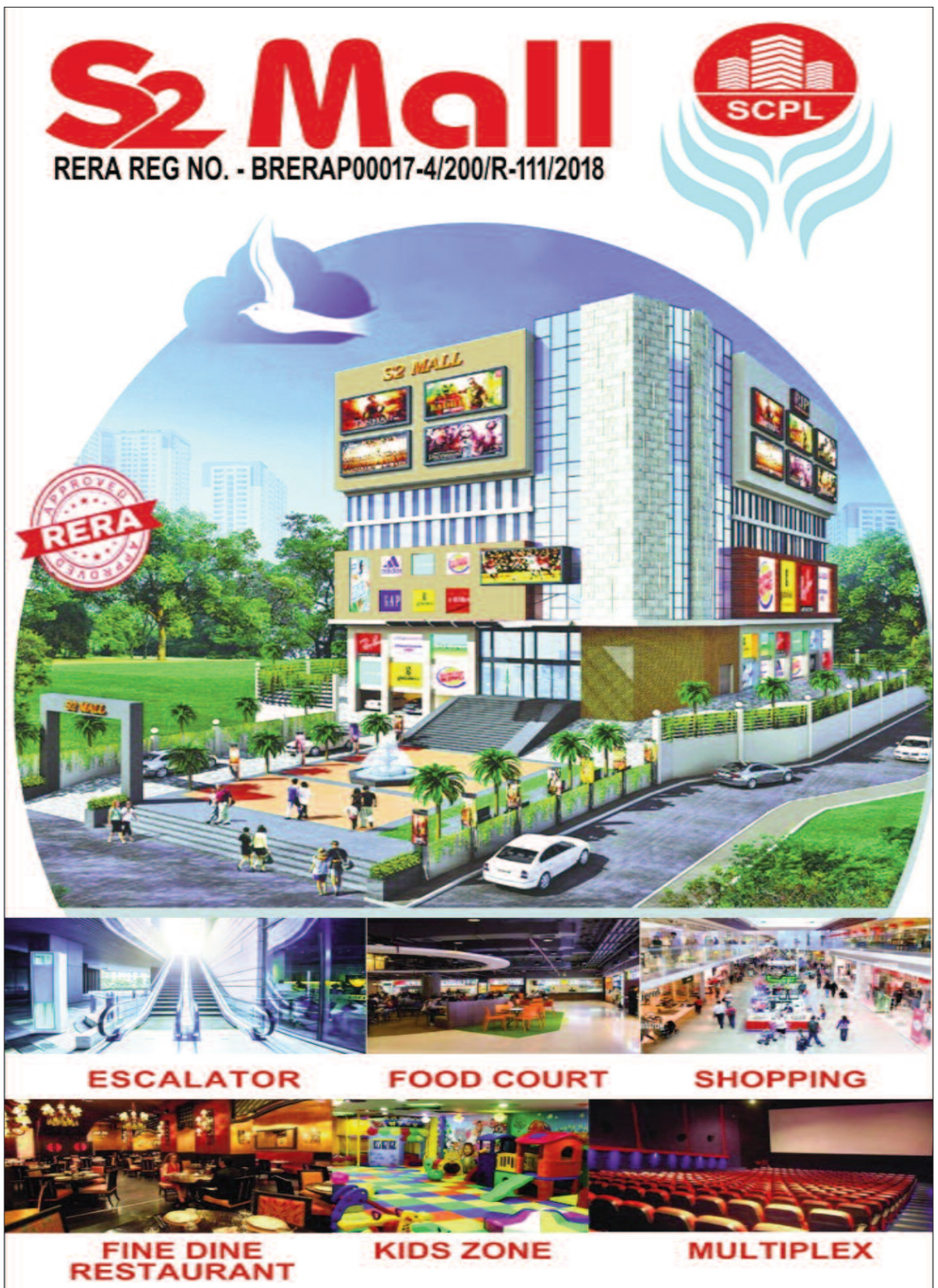

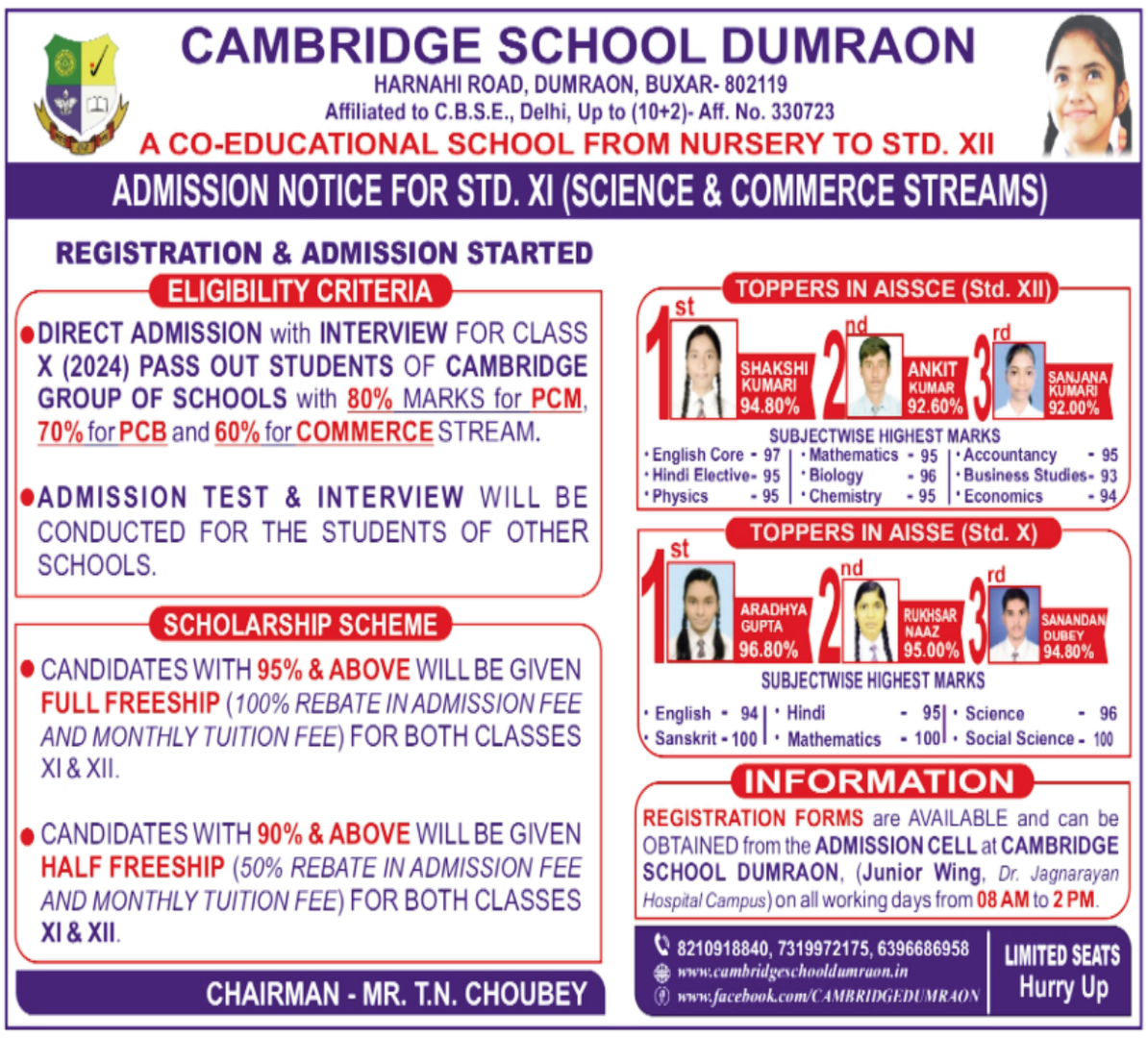

शॉर्ट सर्किट व गैस सिलेंडर के कारण बढ़ रही हैं अगलगी की घटनाएं: डीएम

♦ सभी प्रतिष्ठानों में अगलगी से बचाव के उपाय को मॉक ड्रिल से बताने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल व पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में सोमवार को जिले के व्यवसायिक प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल आदि में अग्निकांड की घटनाओं से बचाव के संबंध में होटल संचालकों, शॉपिंग मॉल, फैक्ट्री, कपड़ा, होलसेलर तथा निजी स्कूलों के प्रबंधकों के साथ समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में बैठक की गई। बैठक में डीएम ने बताया कि बक्सर जिले सहित अन्य जिलों में अग्निकांड की घटनाएं घटित हो रही है। शहरी क्षेत्रों में अग्नि कांड का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट, गैस सिलेंडर का उपयोग मॉनक के अनुरूप नहीं करने के कारण होता है। वही, जिला अग्निशामन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बिहार अग्निशमन सेवा अधिनियम 2014 के अंतर्गत भवन निर्माण के क्रम में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक है। अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि अंकेक्षण के क्रम में नियमानुसार 65 चेक बिंदुओं पर भवन का फायर ऑडिट किया जाता है। जिसमे कमी पाए जाने पर नोटिस दिया जाता है। निर्धारित समय तक अनुपालन किए जाने की स्थिति में ही अंतिम अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत

किया जाता है। होटल, शॉपिंग मॉल, रेस्टुरेंट एवं अन्य प्रतिष्ठानो में घटित अग्नि कांड में यह ज्ञात हुआ है कि सही तरीके से विद्युत लोड जांच नहीं किए जाने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना बढ़ जाती है। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी को बताया गया कि भवन निर्माण के क्रम में विद्युत मैकेनिक से अच्छी तरीके से भवन के विद्युत लोड की जांच कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अगलगी की घटना से बचाव के लिए पूर्व से ही भवनों में अगलगी से बचाव वाले उपकरण लगाने के बारे में बताया गया। ताकि बचाव हो सके।

होटल रेस्टोरेंटो की जांच कर मानक के अनुरूप हो व्यवस्थाएं

बैठक में जिला अग्निशमन पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि अविलंब होटल, रेस्टोरेंट, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों आदि में जांच टीम बनाकर अग्नि से बचाव के लिए मानक के अनुरूप जांच कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल द्वारा बताया गया कि जिला अग्निशमन कार्यालय में प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार को होटल, रेस्टोरेंट को बृहस्पतिवार को कोचिंग एवं निजी अस्पतालों को एवं शनिवार को शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पंप, एवं अन्य संस्थानों को अगलगी से बचाव के लिए प्रशिक्षण, विभागीय निर्देश एवं फायर सेफ्टी का मॉक ड्रिल से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लगातार देखने को मिल रहा है कि शहर के अधिकत्तर होटल, रेस्टूरेंट, स्कूलों में आग से बचाव के उपकरण नहीं लगाये गये। जो कभी भी जानलेवा हो सकता है। इससे बचने के लिए उपकरणों का होना अति आवश्यक है। सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय बक्सर जिला को निर्देश दिया गया कि भवन निर्माण के क्रम में फायर ऑडिट से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र की जांच अपने स्तर से अवश्य कर लें। इस कार्य से संस्थान व इसमें आने वालों की सुरक्षा ही मिलेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सकता है। बैठक में अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी सौरभ आलोक, सदर एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा, ईओ नगर परिषद बक्सर, जिला अग्निशमन पदाधिकारी बक्सर, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक नजर

गडेरी टोला से लैपटॉप चोरी, एफआईआर

डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के गडेरी टोला मोहल्ले से अज्ञात चोरों ने घर मे रखे गये एक लैपटॉप चोरी कर ली। इस मामले में पीड़ित थाना क्षेत्र के करुअज गांव निवासी कन्हैया सिंह ने अज्ञात के खिलाफ स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल में जुट गयी है। बताया जाता है कि पीड़ित की पुत्री गडेरी टोला में एक किराये के मकान में रहती है। वह कमरे में लैपटॉप को चार्ज लगा सो गयी। नींद खुलने के बाद उसने देखा कि रूम का गेट खुला है और लैपटॉप गायब था। उसने लैपटॉप की काफी खोजबीन की लेकिन कही सुराग नही मिला। थक-हारकर पीड़ित ने स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया है। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर लैपटॉप की खोजबीन में जुटी है।

पॉस्को ऐक्ट का आरोपित गिरफ्तार

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के एक गांव से 25 अप्रैल को गायब एक किशोरी को बरामद करने के साथ ही उसके कथित प्रेमी सह अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना पर बक्सर रेलवे स्टेशन से मिली है। मिली जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के सगरांव गांव निवासी युवक प्रमोद राजभर पिता तिलकधारी राजभर का उक्त किशोरी से पिछले कुछ महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जब नजदीकियां बढ़ी तो दोनों शादी के उदेश्य से 25 अप्रैल को घर से फरार हो गए। किशोरी के गायब होने के बाद पुलिस पहले अपने स्तर से पड़ताल की, लेकिन जब सुराग नहीं मिला तो एक मई को इसकी सूचना मुरार पुलिस को दी। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही थी। इसी दौरान सोमवार को सूचना मिली कि दोनों राजस्थान से बक्सर लौट रहे है। इस सूचना पर पुलिस ने बक्सर रेलवे स्टेशन पर जाल बिछा किशोरी को बरामद करने के साथ ही आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया। इस आशय की जानकारी देते हुए मुरार थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय ने कहा कि युवक को जेल भेज दिया गया है, जबकि किशोरी का धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

नावानगर। सोनवर्षा ओपी के रामनगर उजागिर टोला गांव के बधार में बिजली की करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान उक्त गांव के स्व. जगबली पाल का 45 वर्षीय पुत्र श्रीभगवान पाल बताया जाता है। जो अपनी बकरियों को चराने निकला था, उसी दौरान यह घटना हुई। घटना सोमवार की सुबह लगभग 9 बजे की ग्रामीणों ने बताया। ग्रामीणों ने अनुसार कि मृतक अपनी बकरियों को चराने के लिए गांव के बधार में गया था। उसकी एक बकरी गांव के हीं मनोज चौधरी के बागवानी में चली गई। जिसको बाहर निकालने के लिए वह बागवानी की तरफ गया। जहां वह बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार बागवानी की घेराबंदी तार से की गई है। संभवतः उसी तार में बिजली करंट था। इधर पूछे जाने पर सोनवर्षा ओपीध्यक्ष निशा रानी ने बताया कि चौकीदार द्वारा हमे एक युवक की मौत की सूचना मिली थी। पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिजनों ने शव को अंतिम संस्कार कर दिए थे। मौत के संबंध में मृतक के परिजनों द्वारा कुछ स्पष्ट नहीं बताया गया है। साथ ही अभी तक कोई आवेदन परिजनों द्वारा नहीं दी गई है।

लुधियाना से आ रहे मजदूर की ट्रेन से गिरकर मौत

बक्सर। बक्सर-बरुना स्टेशन के बीच अप व डाउन लाइन के बीच एक युवक का शव मिला, जिसकी सूचना किसी ने जीआरपी को दी गई। जहां सूचना पर पहुंची पुलिस शव की पहले शिनाख्त की उसके पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान होने के बाद उसके स्वजनों को सूचना दी गई। फिर शव को उठाकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। पुलिस ने बताया उक्त युवक किसी ट्रेन से गिर गया होगा। जबकि, पहुंचे स्वजनों ने बताया कि उक्त युवक धनसोई थाना के दरियापुर निवासी यतेंद्र प्रसाद साह का 27 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार गुप्ता है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर लुधियाना में किसी निजी कम्पनी में काम करता था। वह शनिवार को लुधियाना से ट्रेन पकड़ बक्सर के लिए आ रहा था। फिर कैसे घटना घटी इसकी हमलोगों को जानकारी नहीं है। हालांकि, उन लोगों ने आशंका जताई कि वही लुधियाना से लौटने के क्रम में सो गया होगा। जिससे वह बक्सर से आगे बढ़ गया। हड़बड़ाहट में जगने के बाद गेट आया होगा जहा नींद में झपकी आ गई होगी, इसी में वह ट्रेन से गिर गया। जीआरपी प्रभारी अरुण पासवान ने बताया कि ट्रैक के बीच शव मिलने की सूचना पर तत्काल पुलिस को भेजा गया। जहा उसके पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई व स्वजनों को सूचित किया गया। स्वजनों के बताने के अनुसार उक्त युवक अजीत कुमार लुधियाना में कार्य करता था। उसका शव पोल संख्या 657/8 के पास दोनो ट्रैक के बीच पड़ी मिली। जहा सर समेत कई जगह कटे फटे हुए थे। जिससे यह साबित हो रहा वह ट्रेन से गिर गया होगा।

डुमरांव पीएचसी में लगा रक्तदान शिविर

डुमरांव। अनुवांशिक बीमारी थैलेसीमिया सप्ताह के अवसर पर डुमरांव पीएचसी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों व समाजिक कार्यकताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। लगभग 24 लोगों ने रक्तदान किया। इस बीमारी के संबंध में बताया गया कि इस बीमारी की दवा खून ही है। खून के सहारे ही बीमार जीवित रह सकता है। इसिलिए थैलेसीमिया सप्ताह मनाते हुए रक्तदान शिविर को लगाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को डुमरांव पीएचसी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उदघाटन सीएस एससी सिन्हा व पीएचसी प्रभारी डॉ. आरबी प्रसाद ने किया। शिविर में मौजूद लोगों को चिकित्सकों ने बताया की जो इस बीमारी के गिरफ्त में आ जाता है, उसकी आयु लंबी नहीं होती है। यह अनुवांशिक बीमारी है, जो माता-पिता से फैलती है। बीमार मरीजों को समय पर रक्त मिल सके इसिलिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। बक्सर जिले इस रोग से 15 मरीज पाए गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इस मौके पर स्वेच्छा लोगों अपना रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में सबसे अधिक स्वास्थ्य कर्मी रहे।

10 वीं सीबीएसई की परीक्षा में राईजिंग सन से आस्था बनी स्कूल टॉपर

12 वीं सीबीएसई की परीक्षा में कैंब्रिज स्कूल से अर्पित, संत जॉन से प्रह्लाद बने स्कूल टॉपर

सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का रहा जलवा

केटी न्यूज/डुमरांव

सीबीएसई दसवीं का रिजल्ट जारी हुआ। इस परीक्षा में इस बार जिले के छात्रों का शानदार प्रदर्शन रहा हैं। वही डुमरांव के राइजिंग सन इंटरनेशल स्कूल के छात्रों का जलवा इस परीक्षा में रहा हैं। विद्यालय के शत प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी से उतीर्ण हुए है। छात्रों ने बेहतर अंक ला अपने प्रतिभा का प्रदर्शन व विद्यालय का नाम रौशन किया है। राइजिंग सन इंटरनेशल स्कूल के डायरेक्टर ब्रह्मा ठाकुर ने बताया कि इस कुल 71 छात्र दसवीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। सभी छात्र प्रथम श्रेणी से उतीर्ण हुए है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की छात्रा आस्था कुमारी 92 प्रतिशत अंक, तमन्ना सिन्हा व आयुष कुमार 91 प्रतिशत अंक, आराध्या ठाकुर 90 प्रतिशत अंक, राज सिंह 89 प्रतिशत, अनामिका कुमारी 88 प्रतिशत, रागिनी कुमारी व आदित्य सिंह ने 86 प्रतिशत तथा शीतल सिखा ने 85 प्रतिशत अंक ला विद्यालय का नाम रौशन किया है। निदेशक ने कहा कि परीक्षा परिणाम छात्रों की मेहनत, लगन तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा से पूर्व छात्र-छात्राओं को लेखन पर विशेष ध्यान दिया गया था। यह लगातार प्रयास किया जा रहा था कि परीक्षा के उन्होंने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

12 वीं में कैंब्रिज स्कूल के अर्पित श्रीवास्तव बना टॉपर

केटी न्यूज/डुमरांव

सीबीएसई 10वीं व 12वीं परीक्षा में इस बार भी डुमरांव के कैंब्रिज स्कूल के सभी परीक्षार्थियों ने बेहतर अंक लाकर सफलता हासिल की है। परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही खुशियों के बीच सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। सफल छात्र-छात्राएं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और अपने अभिभावकों व गुरुजनों से आशीर्वाद लिया। सफल परीक्षार्थियों के साथ स्कूल के शिक्षक भी खुशी में शामिल रहे। 10 वीं में स्कूल में प्रथम स्थान पाने वाले विश्वेश ठाकुर ने 96.8 प्रतिशत, लकी राज 95.2 प्रतिशत, उत्कर्ष राय 95 प्रतिशत व अनुज दुबे 94.4 प्रतिशत अंक पाकर कीर्तिमान स्थापित किया तो 12वीं में अर्पित कुमार श्रीवास्तव ने 93.4 प्रतिशत मार्क्स लाकर टॉपर बना। 10वीं के लकी राज ने मैथेमेटिक्स में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल प्रशासन को गौरवान्वित कराया। स्कूल के चेयरमैन टीएन चौबे ने सभी उतीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस बार कैंब्रिज स्कूल के दसवीं के 27 विद्यार्थियों ने 90 फीसदी से अधिक अंक लाकर पूरे जिलेभर में स्कूल का मान बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं ने शत प्रतिशत सफलता हासिल कर अपने लक्ष्य को बरकरार रखा है। बधाई देने वालो में स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव प्रधान सहित अन्य शिक्षक शामिल है।

शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व छात्र-छात्राओं की मेहनत-लगन की देन है परीक्षा परिणाम : डॉ. रमेश

केटी न्यूज/डुमरांव

सीबीएसई दसवीं व बारहवीं के परीक्षा परिणाम में नगर के काली नगर स्थित संत जॉन सीनियर सेकन्ड्री स्कूल के छात्रों ने बेहतर परिणाम ला स्कूल तथा अपने अभिभावकों का मान बढ़ाया है। छात्रों के अच्छे अंक देख विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद् डॉ. रमेश सिंह ने खुश होते हुए कहा कि यह छात्रों की मेहनत, कुशाग्रता तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है कि इस विद्यालय के दसवी तथा बारहवी के सभी छात्र-छात्राएं अच्छे अंकों से पास हुए है। वही निदेशक टीम के शुभम सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बारहवी की परीक्षा में प्रह्लाद आनंद 96 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय टॉपर बने है। वही निर्भय कुमार 94.2 प्रतिशत, मुराद माही 93.6 प्रतिशत, प्रयाग पाठक 91.8 प्रतिशत तथा आयुष कुमार 90 प्रतिशत अंक लाए है, जबकि दसवी की परीक्षा में रोमित राज, तेजस्वी कुमार, अंशु कुमार, सूरज चौहान, अनिशा कुमारी, नवीन कुमार सिंह समेत कई अन्य छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाए है। इसे स्कूल का मान बढ़ा है। इस मौके पर विद्यालय निदेशक डॉ. रमेश सिंह व शुभम सिंह के अलावे निशा सिंह, प्राचार्य साक्षी सिंह, शबनम खातून, मनीषा साह, संजोग थापा, वाइचुंग थापा, वानचुंग तमांग आदि शिक्षक मौजूद थे।

सोमवार को पांच प्रत्याशियों ने किया नामांकन

♦ बक्सर लोकसभा सीट से अब तक 15 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन, आज नामांकन का अंतिम दिन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोकसभा संसदीय सीट से अब तक कुल 15 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन का पर्चा भरा गया है। जबकि, नामांकन का अंतिम एक दिन शेष बचा हुआ है। कुल 23 लोगों द्वारा नामांकन पर्चा खरीदा था। इस तरह आठ अभ्यर्थी और नामांकन कर सकते है। सोमवार को कुल चार निर्दलीय व एक समता पार्टी के उम्मीदवार ने नामांकन किया। नामांकन के तिथि के तहत शनिवार और रविवार अवकाश रहने से नामांकन बन्द रहा। जनसूचना से मिली जानकारी के अनुसार राजू सिंह,धीरेंद्र कुमार सिंह, भीम कमकर व निर्भय यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी व रजनीश कुमार ने समता पार्टी उम्मीदवार के रूप में डीएम अंशुल अग्रवाल के समक्ष नामांकन का पर्चा भरा। इस तरह शुक्रवार तक कुल दस उम्मीदवार नामांकन किये थे। सोमवार को पांच लोगों द्वारा नामांकन दर्ज कराया इस तरह कुल 15 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। विदित हो कि निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन कर चुके ददन पहलवान के पुत्र निर्भय ने भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया।

हमरा के आपन बेटा-भाई समझ के आपन आशीर्वाद दिहीं जा : मिथिलेश तिवारी

केटी न्यूज/बक्सर

मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधि बन आपके बीच आया हूं। हमारा के आपन बेटा-भाई समझ के आपन आशीवार्द दिहीजा..., उक्त बातें सोमवार को बक्सर संसदीय क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी बनाए गए मिथिलेश तिवारी ने जनसंपर्क आशीवार्द यात्रा के दौरान सिमरी प्रखंड के डुमरी गांव में कही। वे प्रत्याशी आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को सिमरी अंचल के डुमरी, दुरासन, सिंहनपुरा, काजीपुर, एकौना, सहियार, आशापड़री चौक, आशापड़री ब्रह्मस्थान समेत करीब दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाए तथा कार्यकताओं व मतदाताओं द्वारा आयोजित चौपाल को संबोधित किए। उनके साथ संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने भी विभिन्न गांवों एवं पंचायतों में भ्रमण कर लोगों से रु-ब-रू हो एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि पार्टी हर बार एक नेता को टिकट देती थी, अबकी बार भारतीय जनता पार्टी ने बक्सर के लिए एक कार्यकर्ता को टिकट दिया है। मैं भी बक्सर के विकास के लिए मिथिलेश तिवारी का समर्थन करूंगा। वही मिथिलेश ने कहा कि मुझे कहनें में जरा सा भी हिचकिचाहट नहीं हो रही है।

लोकसभा चुनाव के दौरान नया भोजपुर ओपी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी

ई रिक्शा में बने तहखाने से पुलिस ने बरामद किया 460 पीस शराब, दो तस्कर धराये

♦ पुलिस ने तहखाने से 180 एमएल के 460 पीस ऐट पीएम शराब को बरामद किया

केटी न्यूज/डुमरांव

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व भयमुक्त माहौल में लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर पुलिस की टीम ने अपनी कमर कस ली है तो शराब तस्करों ने भी नये तरीके को ईजाद कर चुनाव के दौरान शराब को खपाने की योजना तैयार करने में लगे हैं। हालांकि पुलिस की सक्रियता बढ़ने से इन तस्करों के मंसूबे पर एक बार फिर पानी फिर गया। सोमवार को नया भोजपुर ओपी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ई रिक्शा में छिपाकर लायी जा रही शराब की खेप को पुलिस ने बरामद किया। इस मामले में दो तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़े है। तस्कर ई रिक्शा में सीट के नीचे तहखाना निर्मित किये थे, जिसमें शराब की बोतलें छिपाकर रखी गयी थी। बताया जाता है कि ओपी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कुछ तस्कर शराब लेकर आ रहे है। पुलिस की टीम सड़क पर वाहन जांच करने लगी। इसी दौरान एक ई रिक्शा आते दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस का इशारा देख चालक वाहन को मोड भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धर दबोचा। पुलिस ने तहखाने से 180 एमएल के 460 पीस ऐट पीएम शराब को बरामद किया है। वाहन के साथ शराब को जब्त कर पुलिस थाने लायी। की टीम धंधेबाजों से कड़ी पूछताछ करने में जुटी है। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पकड़े गये धंधेबाजों की पहचान बक्सर सोहनीपट्टी मोहल्ला निवासी मुन्ना वर्मा के पुत्र गोलू वर्मा और जहानाबाद के सकुरवा थाना निवासी जहेद प्रसाद के पुत्र राजू कुमार के रूप में हुई है।

वाहन जांच अभियान में वसूला एक लाख जुर्माना

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने एनएच 120 स्थित विष्णु मंदिर के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने करीब 50 वाहनों से एक लाख चार हजार 500 रुपये का जुमार्ना वसूला हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों के बीच हड़कंप मचा रहा। कई चालक अपने वाहनों को मोड़ दूसरी तरफ जाने लगे। इस अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी व थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीषा राणा ने किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में लोकसभा चुनाव कराने को लेकर पुलिस की टीम जुटी है। चेकिंग के दौरान अपराधी, शराब तस्कर, फरार वारंटियों पर पुलिस की विशेष नजर है। इसके अलावे वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट के अलावे ट्रिपल लोडिंग पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। पुलिस के इस अभियान से बगैर कागजातों के चलने वाले वाहन चालकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। एसडीपीओ ने बताया कि डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों को वाहन जांच अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि कोई भी व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक राशि ले जाता है। तो उसे जब्त करें।

बसपा प्रत्याशी अनिल चौधरी आज करेंगे नामांकन, किला मैदान में होगी सभा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोकसभा से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनिल चौधरी आज नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन को लेकर जिला कार्यालय में सोमवार को जिला अध्यक्ष सुभाष गौतम की अध्यक्षता में बसपा कार्यकताओं की बैठक हुई। इस दौरान मंगलवार को बसपा के प्रत्याशी के नामांकन को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लेकर नामांकन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने की अपील की गई। वहीं प्रखंड क्षेत्र के गावों के लोगों को नामांकन में शामिल होने की लेकर विधानसभा अध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में अलग अलग टीम बनाई गई। जो हर गांव में जाकर नामांकन में चलने के लिए लोगों से आग्रह की साथ हीं जाने वाले लोगों के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की सहमति बनाई। बैठक में बसपा कार्यकर्ता के साथ अन्य लोग मौजूद थे। जिलाध्यक्ष ने बताया की नामांकन सभा में लगभग पचास हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और लोगों के आने की उम्मीद है। सभी किला मैदान पहुंचेंगे जहां सभा होगी। सभा के बाद बसपा प्रत्याशी व कार्यकर्ता किला मैदान से नामांकन करने जाएंगे।

लव अफेयर में की गयी डीजे संचालक की हत्या, बेटे-संग माशूका गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

मुफस्सिल थाने की पुलिस द्वारा 24 घंटे में शोभी डुमरा गांव निवासी डीजे संचालक नीरज कुमार हत्या कांड की गुत्थी पुलिस द्वारा सुलझा दी गयी है। नीरज कुमार की हत्या लव अफेयर में उसकी माशूका द्वारा की गयी है। घर बुलाकर माशूका और उसके बेटे द्वारा पहले लकड़ी के बट से नीरज की हत्या की गयी थी। उसके बाद शव को बोरे में भर कर घर से दूर बैंगन लगे एक खेत में फेंक दिया गया था। इस मामले में पुलिस द्वारा नीरज कुमार की माशूका अनिता देवी और उसके बेटे अंकित पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों शोभी डुमरा गांव के ही रहने वाले हैं। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लकड़ी का बोटा और शव फेंकने में प्रयुक्त प्लास्टिक का बोरा भी बरामद कर लिया गया है। हत्या करने के दौरान अंकित पासवान द्वारा पहने गया कपड़ा भी जब्त कर लिया गया है दोनों मां-बेटे ने अपना जूर्म भी कबूल लिया है। पुलिस को अंकित पासवान के घर की छत से मिले खून के छींटें, वैज्ञानिक व तकनीकी जांच के जरिए हत्या कांड का खुलासा और कातिलों तक पहुंचने में सफलता हाथ लगी है।

एसपी नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात शोभी डुमरा गांव निवासी नीरज कुमार अपन डीजे लेकर दोस्त सोनू पासवान के बेटे के बरही में गया था। शनिवार की सुबह उसका शव गांव स्थित खेत से बरामद किया गया। उसके बाद हत्याकांड का खुलासा और आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी थी। हत्या कांड पूरी तरह ब्लाइंड था। ऐसे में वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से तफ्तीश शुरू की गयी। उसके लिए एफएसएल और डीआईयू की टीम को लगाया गया था। छानबीन में जुटी टीम की ओर से घटनास्थल से कुछ साक्ष्य संकलन किया गया। आसपास के कुछ घरों का मुआयना भी किया गया। वहीं तकनीकी सूत्र के जरिए कुछ संदिग्धों की पहचान भी की गयी। उसी क्रम में अंकित पासवान के घर का मुआयना किया गया। उस दौरान उसके घर की छत पर खून के कुछ छींटें मिले। जांच में खून के छींटें इंसान के होने की बात आयी। उसके बाद रविवार की दोपहर अंकित पासवान और उसकी मां को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों द्वारा हत्या करने की रात स्वीकार कर ली गयी।

एक नजर

लोकसभा चुनाव को लेकर बिक्रमगंज सीओ ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, मचा हड़कंप

बिक्रमगंज। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अनुमंडल प्रशासन काफी सक्रिय है। बिक्रमगंज सीओ रजत कुमार वर्णवाल व स्थानीय थाने की पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान आरा-सासाराम मुख्य पथ पर मोहनी चेकपोस्ट पर चलाया गया । जिसमें दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों की सघन जांच की गई। उक्त दौरान वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। सीओ श्री वर्णवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मतदान से पहले ही मादक पदार्थों, हथियारों की तस्करी व अवैध कारोबार को रोकने के लिए जांच अभियान चलाया गया। साथ ही साथ वाहन जांच की प्रक्रिया निरंतर चलते रहेगा । मौके पर सीओ रजत कुमार वर्णवाल, पुलिस अधिकारी अविनाश कुमार सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे ।

मातृ दिवस के अवसर पर टोला के बच्चों में वितरण किए गए वस्त्र

तिलौथू। भारत समेत कई देशों में हर साल मई के दूसरे रविवार को मदर डे मनाया जाता है। इस साल भारत में 12 मई को मदर डे मनाया गया। इस अवसर पर तिलौथू के सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार सत्यानंद कुमार ने तिलौथू प्रखंड के सबसे पिछड़ा क्षेत्र रामडिह्रारा जागोडिह टोला पर सैकड़ो बच्चो और उनकी माताओं बहनों के बीच वस्त्र का वितरण किए। सन 2016 से संचालित तिलौथू का कपड़ा बैंक गरीबों के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ है। इसी बैनर तले समाजसेवियों के द्वारा प्रत्येक माह कपड़ा वितरण का कार्यक्रम चलते रहता है। तिलौथू प्रखंड के विभिन्न गांव में निःशुल्क पाठशाला के माध्यम से बच्चों का चयन कर, उन्हें निःशुल्क शिक्षा के साथ कपड़ा भोजन एवं पाठ्य सामग्री भी दिया जाते हैं। सत्यानंद कुमार ने बताया कि तिलौथू प्रखंड के सभी पंचायत में एक-एक निःशुल्क पाठशाला केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है। जहां से शिक्षा का प्रसार अनवरत जारी रहेगा। कार्यक्रम में प्रिंस कुमार एवम विंग कमांडर अभय यादव का विशेष सहयोग रहा।

डीएवी पब्लिक स्कूल सेमरा बिक्रमगंज का दसवीं का रिजल्ट शत प्रतिशत

बिक्रमगंज। डीएवी पब्लिक स्कूल सेमरा बिक्रमगंज ने सीबीएससी दसवीं की परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट दिया है । बिक्रमगंज सेमरा डीएवी स्कूल के प्राचार्य श्रीकांत पांडेय ने बताया कि विद्यालय से दसवीं की परीक्षा में 245 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसमें शत प्रतिशत छात्र- छात्राओं ने सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम रौशन किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 30 विद्यार्थी 90 फीसदी और 65 विद्यार्थी 81 से 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लाकर पास हुए हैं । जिसमें से 49 विद्यार्थी 71 से 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। तो वहीं मेघा सिंह 97 प्रतिशत अंक लाकर अनुमंडल टॉपर बनी हैं। दूसरे स्थान पर मोहित राज 96.4 प्रतिशत , तीसरे स्थान पर तेजस्वी चौहान 96 प्रतिशत तथा इमृदुला 94.8 प्रतिशत, वैष्णवी राय 94.6, सोनी कुमारी 94.4, रौशन कुमार, वैभव राज, यश गुप्ता व रिया कुमारी ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के प्राचार्य श्रीकांत पांडेय ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

खबरें फटाफट

ट्रेन से गिरकर सब्जी विक्रेता की मौत

जहानाबाद। जहानाबाद-गया पटना रेल खंड पर एरकी गांव के समीप ट्रेन से गिरने से सब्जी व्यवसाई की मौत हो गई। बताया जाता है कि सोमवार की सुबह मनीष यादव सब्जी लाने के लिए गया जा रहा था। जैसे ही ट्रेन पर चढ़ना चाहा कि अचानक उसका पैर फिसल गया, जिसके कारण ट्रेन से नीचे गिर गया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। जब गांव के कुछ लोग रेलवे ट्रैक के किनारे गए तो देखा कि एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। इस घटना की सूचना उसके परिवार जनों को दिया गया। घटना स्थल पर परिवार पहुंचकर इस घटना की सूचना नगर थाने की पुलिस को दिया। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया परिवार जनों के रोते-रोते बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यक्ति सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। प्रतिदिन सब्जी लाने के लिए गया जाता था आज भी गया ही जा रहा था तभी यह घटना घट गई।

पूर्व शराब कांड के फरार आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

संझौली। संझौली पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर संझौली दलित टोला से छापेमारी कर पूर्व शराब कांड के मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि पूर्व शराब कांड के मामले में अभियुक्त संझौली निवासी अनिल मुसहर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, जो काफी दिनों से फरार चल रहे थे ।

अंग्रेजी शराब साथ दो लोग गिरफ्तार

दिनारा। दिनारा पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि दिनारा निवासी छोटेलाल साह एवं गोविंद प्रसाद केसरी के पॉकेट से एक-एक पैक 180 एमएल का एट पीएम अंग्रेजी शराब बरामद किया गया । साथ ही साथ पुलिस ने दोनों आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के केवटियां गंगा घाट के दूसरे तट के दियारा इलाके से मिला शव

बिहिया से अगवा प्रॉपर्टी डीलर की निर्मम तरीके से हत्या, धड़ से अलग मिला हाथ

- धड़ से अलग मिला हाथ, मारपीट कर हत्या करने के बाद हाथ काटे जाने की आशंका
- परिजन की ओर से दोस्तों पर अपहरण कर हत्या करने और शव को फेंकने का लगाया जा रहा आरोप
- शव का डीएनए टेस्ट करायेगी पुलिस, पोस्टमार्टम के दौरान लिया गया सैंपल

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के झौंवा गांव निवासी अगवा प्रॉपर्टी डॉलर की काफी बेरहमी से हत्या कर दी गयी है। उनका फेंका शव सोमवार की सुबह कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के केवटिया गंगा घाट की दूसरे छोर पर स्थित तट के दियारा से बरामद किया गया। उनका बायां हाथ कटा हुआ और धड़ से अलग था। दाहिने पैर के घुटने के नीचे और बायीं पंजरी पर नोचे जाने (खरोंच) का निशान मिला है। दाहिने हाथ पर भी लाल रंग का चकता जैसा निशान पाया गया है। मृत प्रॉपर्टी डीलर झौंवा गांव निवासी स्व. रास बिहारी सिंह के 27 वर्षीय पुत्र रवि शंकर सिंह थे। वह शुक्रवार की शाम घर से निकले थे। उसके बाद से ही वह लापता थे। रविवार को उनको अगवा किये जाने का केस दर्ज कराया गया था। जमीन रजिस्ट्री कराने के विवाद में तीन लोगों पर अगवा कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। तीनों मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिरौंटा पिपरा गांव के रहने वाले बताये जा रहे हैं। इधर, शनिवार की सुबह शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई। सूचना मिलने पर कृष्णगढ़ थानाध्यक्ष पवन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस डीएनए टेस्ट कराने में भी जुटी है। उसके लिए सैंपल भी लिया गया है। बहरहाल पुलिस हत्या के कारणों की छानबीन और आरोपितों की धरपकड़ में जुटी है। वैज्ञानिक जांच और तकनीकी सूत्र भी मदद ली जा रही है।

एसपी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि अपहरण की प्राथमिक दर्ज होने के बाद जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में बिहिया थानाध्यक्ष राजेश मालाकार और डीआईयू टीम की ओर से लगातार खोजबीन कर रही थी। बदकिस्मती से सोमवार की सुबह शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि हत्या कैसे की गयी है। इस मामले में तकनीकी और वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान किया जा रहा है। जल्द ही इस मामले की उद्भेदन कर दिया जाएगा।

जमीन रजिस्ट्री को लेकर 15 दिन पूर्व मिली थी उठा लेने की धमकी

झौंवा गांव निवासी रिशु कुमार ने बताया कि उनका भाई रविशंकर सिंह जमीन खरीद-बिक्री का काम करता था। वह जिस कंपनी के जरिए काम करता, उसके द्वारा दो लोगों का पैसा लिया गया था। लेकिन अबतक जमीन की रजिस्ट्री नहीं करायी गयी थी। उसे लेकर पंद्रह दिन पूर्व दो व्यक्ति उसके घर पर आए थे और उसके भाई को धमकी दी गयी थी। तब कहा गया था कि अगर जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई, तो अच्छा नहीं होगा। उस दौरान उसके भाई को उठा लेने की धमकी भी दी गयी थी। बड़े भाई रिशु कुमार द्वारा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिरौंटा पिपरा गांव निवासी अनिल, गौतम सिंह और सुमित श्रीवास्तव नामक व्यक्ति पर जमीन रजिस्ट्री नहीं होने के कारण छोटे भाई का अपहरण करने और हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए उसके शव गंगा तट के किनारे फेंकने का आरोप लगाया गया है।

तीन भाई और एक बहन में मांझिल थे, हत्या से घर में कोहराम

इधर, प्रॉपर्टी डीलर रविशंकर की हत्या से उनके घर में रोना-धोना और कोहराम मच है। बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी डीलर तीन भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर थे। उसके परिवार में मां उषा देवी, भाई रिशु, राहुल और बहन काजल है। घटना के बाद मां उषा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बालू की बात करने जाने की बात कह निकले थे घर से

बताया जा रहा है कि रविशंकर सिंह बिहटा की एक कंपनी में प्रापर्टी डीलर का काम करते थे। तबीयत खराब होने के कारण वह पांच दिनों से छुट्टी पर थे। शुक्रवार की शाम वह बालू के लिए बात करने बरजा जाने की बात कह घर से निकले थे। रात में मां से कहा था कि आप का लेना। वह एक पार्टी में जा रहे हैं, वहां खा लेंगे। उसके बाद वह घर नहीं लौटे सके। इधर, उनके भाई रिशू कुमार ने बताया कि शुक्रवार की शाम करीब पांच बजे रविशंकर मां से पार्टी में जाने की बात कह घर से गया था। लेकिन वह रात में घर नहीं लौटा ।शनिवार की सुबह मां उसकी कमरे में गई, तो वह वहां नहीं था। उसके बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया। उसके बाद शनिवार की दोपहर बिहिया थाना में अपहरण करने की प्राथमिक की दर्ज करायी गयी था।

एक रोज पहले परिजनों ने एसपी से लगाई थी गुहार

प्रॉपर्टी डीलर के परिजन अपहरण के बाद उनकी बरामदगी के लिए पुलिस से गुहार लगाते रहे। उधर, अपराधियों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई। परिजनों की ओर से एसपी से लगाई गई गुहार भी उनके काम नहीं आ सकी। बताया जा रहा है कि एसपी नीरज कुमार सिंह रविवार को चुनाव को लेकर इलाके का जायजा लेने के उद्देश्य से जगदीशपुर अनुमंडल इलाके में गये थे। उस क्रम में एसपी बिहिया थाना भी गये थे। वहां उन्होंने कुछ कांडों की समीक्षा भी की थी। तब प्रॉपर्टी डीलर के परिजनों की ओर से एसपी से बरामदगी की गुहार लगाई गयी थी। अगले दिन ही उनका शव बरामद कर लिया गया।

दहेज लोभियों ने विवाहिता की ले ली जान

केटी न्यूज/दावथ

सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कवई गांव में ससुराल वालों ने दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रविवार की देर शाम विवाहिता की हत्या कर दी गई। छोटी बहन की हत्या को लेकर बड़े भाई ने पति सहित चार के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। मृतिका के भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सासाराम सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया।

पुलिस के अनुसार कवई निवासी कृष्णा सिंह की पत्नी सुशीला देवी की मृत्यु की खबर सुन काराकाट थाना क्षेत्र के किशुनदासडीह निवासी मृतिका के बड़े भाई अरविंद कुमार ने अपनी बहन के ससुराल पहुंच देखा तो शव आंगन में पड़ा है और सभी फरार है । जिस पर थाना को सूचना दिया तो पुलिस शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा । मृतिका के बड़े भाई अरविंद कुमार ने आवेदन में लिखा है कि अपनी छोटी बहन सुशीला की शादी मई 2023 में हिन्दू- रीति रिवाज एवं उपहार स्वरूप दान दहेज सामर्थ्य के अनुसार देकर कवई निवासी गोरख सिंह के पुत्र कृष्णा के साथ शादी की गई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराल वालों द्वारा मवेशी व बाईक की मांग कर रहे थे। बीच में बहनोई एवं उसके माता-पिता को समझाया भी गया था। परंतु रविवार की देर शाम सूचना मिली कि आपकी बहन की मौत हो गई है। मौत की सूचना मिलते ही बहन के घर जैसे ही पहुंचा तो देखा कि मेरे बहन का शव आंगन में पड़ा था, जबकि घरवाले फरार थे। मृतिका के बड़े भाई अरविंद के बयान पर पति कृष्णा कुमार, देवर गोलू कुमार, ससुर गोरख सिंह एवं सास सहित चार पर प्राथमिकी हुई है। थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

पूर्व के विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो जख्मी, केस दर्ज

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के कस्तर में पूर्व के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो अनिल सिंह, रामचन्द्र सिंह पिता स्वर्गीय अम्बिका सिंह जख्मी हो गए हैं। इस मामले में अनिल सिंह द्वारा बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि कस्तर निवासी हेमंत कुमार उर्फ अभिषेक, जितेन्द्र सिंह दोनों पिता श्रीभगवान सिंह, श्रीमगवान सिह पिता रामविलास सिहं, निर्मला देवी पति जितेन्द्र कुमार सिंह गेहूं की कटाई के विवाद को लेकर मेरे घर आकर गाली गलौज करने लगे। विरोध किया तो मारपीट करने लगे। इसे देख भाई रामचंद्र सिंह और घर की महिलाएं वहां पहुंची तो उनके साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार किया गया।

डेहरी जंक्शन पर चलाया गया रेल यात्री सुरक्षा जागरूकता अभियान

भीड़ भाड़ वाले स्थान पर बच्चों का रखें विशेष ध्यान

केटी न्यूज/डेहरी

यात्रियों की भीड़ के देखते हुए पूर्व मध्य रेल के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक रामविलास राम व मानवाधिकार सामाजिक सुरक्षा जन कल्याण संघ के अध्यक्ष संजीत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में रेल यात्री सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें रेलवे की सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु यात्रियों को सुझाव दिया गया तथा सुरक्षित व सुखद यात्रा को लेकर रेल प्लेटफार्म पर यात्रियों के बीच टिप्स दिए गए। वहीं आए दिन हो रहे रेल दुर्घटनाओं से बचने के लिए रेल पुल का उपयोग करने तथा अनाधिकृत रेलवे ट्रैक पार नहीं करने एवं चलती रेलगाड़ियों के ऊपर पत्थर नहीं चलाने की सलाह दी गई।

वही,संस्था के सूचना एवं तकनीक प्रभारी प्रताप कुमार गुप्ता ने बताया कि सुरक्षित यात्रा के लिए बिना टिकट के यात्रा न करें तथा भीड़ को देखते हुए कम से कम सामान लेकर ही यात्रा करें। रेलगाड़ी व रेल परिसर को साफ सुथरा व स्वच्छ रखने की बात कही तथा रेलवे के किसी भी सहायता के लिए टॉल फ्री नंबर 139 पर कॉल करने तथा उसके बारे में स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को जानकारी दी गई।

संस्था के मीडिया प्रभारी ऋतुराज उपाध्याय ने बताया कि भीड़भाड़ वाले स्थान पर अपने परिवार का विशेष ध्यान रखें क्योंकि मौके की तलाश में मानव तस्कर गिरोह सक्रिय हो जाते हैं और हम अपनी थोड़ी सी लापरवाही के कारण अपने परिवार के सदस्य को खो देते हैं। इस अभियान में संस्था के सुदर्शन सिंह,विकास कुमार,एजाज अहमद, रोहित कुमार, सुनीता देवी रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक मनोज कुमार,शिवराज साह,सहायक उपनिरीक्षक मनोज कुमार चौधरी,प्रधान आरक्षी एस के सिद्दीकी, संतोष कुमार पासवान, आरक्षी मुकेश कुमार दुबे व अन्य यात्री उपस्थित थे।

सीबीएसई के 10वीं में 95 व 12वी में 82 फीसदी रहा बलिया जिले का रिजल्ट

- जिले की लड़कियों ने इस बार भी अपना दबदबा कायम रखा
- एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का किया इजहार

तिलक कुमार/ बलिया

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को 10 वीं और 12वीं का परीक्षाफल घोषित कर दिया। दसवीं में जिले के करीब 95 फीसदी छात्रों ने सफलता पाई है। जबकि इंटरमीडिएट का रिजल्ट करीब 82 प्रतिशत रहा। सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने परिणाम घोषित होने और सफलता मिलने पर जमकर जश्न मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी। नौनिहालों की सफलता से अभिभावकों में भी हर्ष का माहौल है। वहीं, जो छात्र परीक्षा पास नहीं कर सके उनमें मायूसी दिखी।

जिले की लड़कियों ने इस बार भी अपना दबदबा कायम रखा और लड़कों को पछाड़ते हुए अपनी काबिलियत साबित की। दसवीं में करीब नौ हजार चार सौ छात्र पंजीकृत थे। इनमें 4500 छात्राएं शामिल थी, जबकि चार हजार नौ सौ छात्र पंजीकृत थे। इसमें करीब 95 फीसद छात्रों ने सफलता हासिल की। दसवीं में छात्राओं की सफलता का प्रतिशत 98 फीसदी रहा। इसके सापेक्ष 95 प्रतिशत लड़के परीक्षा में सफल हो सके। उधर, 12वीं का परीक्षा में करीब 8100 छात्रों ने प्रतिभाग किया था। इनमें 82 प्रतिशत छात्र

सफल रहे। इसमें छात्रों की सफलता का प्रतिशत 88 फीसदी और 92 प्रतिशत छात्राओं ने परीक्षा पास कर अपने हुनर का लोहा मनवाया। सीबीएसई बोर्ड के जिला समन्वयक डॉ.पीसी श्रीवास्तव ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध जिले के सभी स्कूलों का 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम बोर्ड द्वारा घोषित कर दिया गया है। बताया कि इस बार जिले में 12वीं का परिणाम परिणाम अपेक्षा अनुरुप नहीं रहा, जिससे करीब दो हजार से अधिक छात्र विभिन्न कारणों से परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। उन्होंने अनुत्तीर्ण छात्रों को हताश होने की बजाए नए सिरे से तैयारी करने की सलाह दी।

एक नजर

ट्रक की चपेट में आन से मजदूर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गड़वार। ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने जा रहे एक मजदूर की हनुमान तिराहे के समीप ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गड़वार थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी बादशाह सिंह (58 वर्ष) पुत्र स्व.सौदागर सिंह लारपुर स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी का कार्य करते थे। रोज की भांति सोमवार की भोर में साइकिल से ईंट भट्ठे पर कार्य करने के लिए जा रहे थे। अभी हनुमान तिराहे के समीप पहुंचे थे कि फेफना की तरफ से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। बुरी तरह से घायल बादशाह सिंह वहीं गिरकर तड़फड़ाने लगे, अभी कोई मौके पर पहुंचकर उन्हें अस्पताल पहुंचाते, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया। आस पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा थाने में तहरीर दी गई है। थाना प्रभारी संजय शुक्ल ने बताया कि आस पास में लगे सीसीटीवी कैमरा देखा जा रहा है जल्द ही ट्रक को कब्जे में ले लिया जाएगा।

10 किलो गांजा के साथ पुराना भोजपुर निवासी तस्कर को पुलिस ने दबोचा

पीडीडीयू नगर। राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने सोमवार को पीडीडीयू जंक्शन से तस्करी कर ले जा रहे 9.35 किलो गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गांजा के साथ गिरफ्तार बदमाश पहले भी चार बार नशीले पदार्थों की तस्करी में और दो बार अन्य वस्तुओं की तस्करी में जेल जा चुका है। वहीं संयुक्त टीम ने चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। दोनों का चालान किया गया है। जीआरपी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पीडीडीयू जंक्शन, सर्कलेटिंग एरिया और ट्रेनों में लगातार जांच पड़ताल की जा रही है। इसी क्रम में जीआरपी और आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व में आरपीएफ की संयुक्त टीम रविवार की भोर में संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इसी बीच चार बजे भोर में प्लेटफार्म संख्या सात और आठ पर एक संदिग्ध हालत में दो बैग लिए दिखा। जांच करने पर बैग में 9.354 किलो गांजा बरामद हुआ। बैग के साथ पकड़े गए अधेड़ ने अपना नाम राम नरेश पांडेय निवासी पुराना भोजपुर, डुमराव, बक्सर, बिहार बताया। उसने स्वीकार किया वह झारखंड से गांजा ट्रेनों से दिल्ली और पंजाब ले जाता था और ऊंचे दाम पर बेचता था। बरामद गांजा की कीमत ढाई लाख रुपये है। इसके पूर्व रविवार की रात साढ़े 11 बजे प्लेटफार्म संख्या एक और दो के पूर्वी दोर से युवक को चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तबरेज शाह निवासी पखनारी थाना शिवसागर, रोहतास बिहार है। बरामद मोबाइल की कीमत तीस हजार रुपये है।

रोडवेज बस स्टैंड, गुलाब देवी स्कूल के पास नालों की हो रही साफ सफाई

बलिया। प्रमुख सचिव नगर विकास मंत्रालय उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी रवींद्र कुमार के मार्गदर्शन में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बलिया सुभाष कुमार ने इन भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान में स्वयं अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार कार्यों को कराया जा रहा है। जिसमें अहमद नदीम सफाई निरीक्षक के साथ पूरी सफाई टीम मेहनत से कार्य कर रही है। रोडवेज बस स्टैंड के पास नल की सफाई इसके अलावा गुलाब देवी स्कूल के पास नालों की सफाई और सभी नालियों की सफाई किया जा रहा है। जिसमें कीटनाशक दवा का भी छिड़काव किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार ने सभी नगरवासियों से अपील किया है कि साफ सफाई में सहयोग करें, तभी साफ सुथरा दिखेगा और नगर सफाई हो जाने के बाद अपने दुकानों के सामने गलियों में कूड़ा न फेके कूड़ा उचित स्थान पर ही फेके। हमारे सफाई कर्मचारी आपके यहां जाएगा कूड़ा ले लेगा, लेकिन सफाई होने के बाद कूड़ा न फेके यह नगर आपका है आपसे हमें पूरा सहयोग मिलेगा तभी शहर साफ सुथरा दिखेगा। इस अवसर पर सफाई नायक अरविंद गुप्ता, शंकर जी गुप्ता, कमलेश यादव आदि मौजूद रहे।

पद्मा किन्नर समेत आठ प्रत्याशियों ने किया नामांकन

चंदौली। लोकसभा संसदीय क्षेत्र 76 के नामांकन की प्रक्रिया के दौरान सोमवार को कलेक्ट स्थित नामांकन कक्ष से लेकर स्थल पर प्रत्याशियों

और समर्थकों में लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने को लेकर उत्साहित नजर आए। जहां नामांकन कक्ष पहुंचकर 8 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे को सौपा। वहीं पांच प्रत्याशियों ने नामांकन करने के लिए पर्चा भी लिया। जनपद में लोकसभा चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को भी जारी रही। कलेक्ट्रेट स्थित निर्वाचन कक्षा में पहुंचकर विभिन्न दलों के आठ प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे को सौंपा। इसमें सबसे पहले निर्दलीय प्रत्याशी मृत्युंजय पांडेय ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।जय हिंद नेशनल पार्टी से संजय कुमार सिंहा, इंडियन नेशनल समाज पार्टी से पदमा किन्नर, निर्दल रवि शंकर, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी श्रीमती उर्मिला, लोकतांत्रिक जनवादी पार्टी से मुरलीधर श्रीवास्तव, निर्दल गोपाल और युग तुलसी पार्टी से शेर सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया।वहीं लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का निर्णय लिया।वहीं नामांकन का कार्य सोमवार को सांयकाल तक हुआ। वहीं पांच ने इस महा पर्व में शामिल होने के लिए नामांकन पत्र लिया, ताकि नामांकन पत्र दाखिल कर इस पर्व में शमिल हो सके। इसमें प्रवीण कुमार श्रीवास्तव (निर्दल) शेर सिंह (युग तुलसी पार्टी), जयेंद्र (राईट टू रिकॉल) त्रिभुवन चौहान (जन जन वादी पार्टी) आरती (समाज विकास क्रांति पार्टी) शामिल रहे।

जनता ने भरी हुंकार, अंडरपास नहीं तो वोट नहीं

मऊ। परदहां ब्लाक क्षेत्र के पिपरीडीह गांव, हासपुर, मड़ईयां, नई बस्ती फुलवरिया सहित विभिन्न गांवो के लोगो ने वाराणसी भटनी रेलखंड पर स्थित पिपरीडीह रेलवे फाटक 6 सी पर रेलवे क्रासिंग या अंडरपास की मांग को लेकर विगत 17 मार्च से चल रहा अनवरत रूप से विरोध प्रदर्शन अब उग्र रूप लेता जा रहा है। दो वर्ष पूर्व में रेलवे द्वारा पिपरीडीह गांव के.पास फाटक बंद कर देने से आवागमन में हो रही असुविधा से क्षुब्ध ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार करने का फैसला लिया है। जिसको लेकर प्रतिदिन सैकड़ो ग्रामीण बैठक कर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। विरोध में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि जब तक अंडरपास नही मिलेगा, जब तक हम लोग वोट नहीं देंगे। बैठक को संबोधित करते हुए डाक्टर हीरा राम प्रजापति ने कहा कि जब तक हमारी बातों को उच्चाधिकारियों के द्वारा मान नहीं लिया जाएगा। तब तक हम लोग यह प्रदर्शन जारी रखेंगे। प्रदर्शन में प्रेमनाथ गोंड ,महेंद्र सिंह ,लालबहादुर यादव, सुभागी देवी ,सुमित्रा देवी ,तारा देवी, मनोरमा देवी, अशोक सिंह, मिंटू सिंह, आदि उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

बलात्कार के आरोपी को मिली आठ वर्ष के कारावास की सजा

बलिया। बलात्कार व पॉक्सो एक्ट के मामले में सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने सोमवार की दोपहर आरोपी को आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 25 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने की दशा में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी का नाम श्रवण गोंड पुत्र सुरेन्द्र प्रसाद सीसोटार का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2018 में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत किया गया। साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करते हुए सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 25 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

दो हत्यारोपियों को मिली आजीवन कारावास की सजा

बलिया। हत्या के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सोमवार की शाम दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। आरोपियों का नाम संजीव यादव पुत्र भोला यादव निवासी हरिहरपुर थाना हल्दी व ममता यादव पत्नी स्वर्गीय बेचू यादव निवासी ब्रह्माइन थाना सुखपुरा है। दोनों के खिलाफ वर्ष 2020 में सुखपुरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था।

कड़ी मेहनत और लगन से बच्चों ने हासिल की सफलता, परिजनों में खुशी का माहौल

सीबीएसई रिजल्ट: 12वीं में तनुश्री यादव बनीं गाजीपुर की टॉपर छात्रा

- जनपद में सनबीम महराजगंज का रहा दबदबा

केटी न्यूज/गाजीपुर

सीबीएसई 12वीं का परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित हुआ। जिसमें विद्यालय के तनुश्री यादव 96.4% ने जिले में प्रथम स्थान बनाते हुए नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय सनबीम महाराजगंज के वर्चस्व को शिखर पर पहुचाया। साथ ही शिवांशु पटेल 94.2%, अभिजीत सिंह 92.2%, तहसीन खान 91.8%, अली अमन 91.6%, निवेदिता राय 91%, मुस्कान पांडेय 91%, अक्षित जोशी 91%, अथर्व गर्ग 90%, अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं जनपद को गौरवान्वित किया। इससे विद्यालय परिवार व छात्रों के परिवार अत्यन्त प्रसन्नचित दिखे।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक नवीन सिंह ने कहा कि बच्चों द्वारा उनके मेहनत और लगन के चलते जिले में विद्यालय व माता- पिता का नाम ऊँचा हुआ उन्होनें ब्लाक इंचार्ज शिक्षकों एवं छात्रों का धन्यवाद प्रकट किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अर्चना कुमारी ने बच्चों की कड़ी मेहनत के लिए उन्हे प्रोत्साहित किया और अध्यापकों को इस अच्छे परिणाम के लिए बधाई देते हुए धन्यवाद प्रकट

किया। इस मौके पर विद्यालय के चेयरमैन केपी सिंह, डिप्यूटी डायरेक्टर श्रीमती शोभा सिंह, डायरेक्टर नवीन सिंह, प्रवीन सिंह व स्मिता सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाए प्रदान किए। इस मौके पर विद्यालय की एडमिनिस्ट्रेटर उपप्रधानाचार्या समस्त को-आर्डिनेटर व विद्यालय के समस्त कर्मचारी ने अत्यन्त प्रसन्नता जाहिर करते हुए इस परीक्षा परिणाम पर शिक्षकों की मेहनत व विद्यालय प्रशासन के योगदान को सराहा व विद्यालय परिवार व अभिभावकों को धन्यवाद दिया।

एमजेआरपी पब्लिक स्कूल में श्रेया बनीं स्कूल टॉपर

गाजीपुर। सीबीएसई बोर्ड अंतर्गत कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। जिसमें एमजेआरपी पब्लिक स्कूल जगदीशपुरम गाजीपुर का परीक्षाफल 96% रहा। इसमें श्रेया चतुवेर्दी 95.4% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही। प्रिया सिंह व कृष्णा यादव 92.2% प्राप्त कर द्वितीय स्थान, रौनक सिंह 91.6% प्राप्त कर तृतीय, यश मिश्रा 91.4% प्राप्त कर चतुर्थ व पिंकी यादव 91% प्राप्त कर पांचवें स्थान, अंजली गुप्ता व मनीष सिंह 90.8% प्राप्त कर छठे, मनीष सिंह 90.4% प्राप्त कर सातवें तथा त्रिपुरारी यादव 90.4 प्राप्त कर आठवें स्थान पर रहा। विद्यालय में 90% या उससे अधिक अंक पाने वाले छात्रों की संख्या 9 रही। 12वीं की परीक्षा के विषयवार सबसे ज्यादा अंक पाने वाले छात्र छात्राओं में अंग्रेजी तथा रसायन विज्ञान में 99, भौतिक विज्ञान में 95 बिजनेस स्टडीज व अर्थशास्त्र में 96 तथा आई०पी० में 98 है। विद्यालय के संस्थापक जगदीश सिंह कुशवाहा व प्रबंधक राजेश कुशवाहा एवं विद्यालय परिवार सभी छात्र-छात्राओं ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

माउंट लिट्रा जी स्कूल : 12वीं परीक्षा में छात्रों का शत- प्रतिशत परिणाम

केटी न्यूज / गाजीपुर। शिक्षा की सार्वभौमिकता को बढ़ावा देने के लिए, शिक्षा की उत्कृष्ट प्रणाली प्रस्तुत करने में अग्रसर, हमेशा नवीन शैक्षिक पद्धति प्रस्तुत करने में प्रयासरत शहर के बंधवा पीर नगर स्थित माउंट लिट्रा जी स्कूल के मेधावी छात्रों द्वारा सीबीएसई बोर्ड 2024 बैच के इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ एक बार पुनः अपना वर्चस्व कायम रखा। इंटर 2024 की परिक्षा में सम्मिलित छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम दिए। मेधावियों की सूची में मो० अब्बास रिजवी पुत्र सैय्यद जावेद हुसैन ने 94.10 फीसदी अंक, निधी चौहान पुत्री नरेंद्र सिंह चौहान ने 92.8 फीसदी अंक, कुँवर आदित्य प्रताप पुत्र संजय कुमार भारती ने 92.6 फीसदी अंक, उत्कर्ष कुमार सिंह पुत्र प्रकाश चन्द्र सिंह ने 92.4 फीसदी अंक और अक्षय सिंह पुत्र मनीष कुमार सिंह ने 92 फीसदी अंक प्राप्त कर अपना परचम लहराया। अधिकतर विद्यार्थियों का प्रदर्शन 80% 90% के बीच रहा। इस गौरवपूर्ण व अविस्मरणीय उपलब्धि के लिए डायरेक्टर मोहित श्रीवास्तव ने सभी मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए स्नेहाशीष प्रदान किया साथ ही साथ उन्होंने आने वाले समय में होने वाले बोर्ड की परीक्षा में और भी बेहतर परिणाम देने के प्रयास की घोषणा भी की। विद्यालय के डायरेक्टर मोहित श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉ राजेश कारकुन व शिक्षकों ने आने वाले समय में मेहनत और लगन के साथ अच्छे परिणाम की ओर जागृत करते हुए मेधावी छात्र-छात्राओं का मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर स्कूल के प्रांगण में हर्षोल्लास का माहौल दिखा। स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ- साथ अभिभावक भी काफी खुश नजर आए और उन्होंने अपना अनुभव साझा किया।

भाजपा महिला मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

केटी न्यूज/गाजीपुर

75- लोकसभा गाजीपुर में महिला मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन आज आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष साधना राय की अध्यक्षता में नगर के अवैध पैराडाइज में संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद साधना सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और बिना किसी भेद भाव नेतृत्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसा राजनैतिक दल है, जहां छोटे से छोटे कार्यकर्ता को कब कहां स्थापित कर दिया जाएगा, यह किसी को नहीं पता। महिलाओं के सम्मान के साथ-साथ उन्हें लखपति दीदी बनाने को लेकर सरकार ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है, जो महिलाओं के समृद्धि को प्रशस्त करते हुए उनके जीवन में नई रोशनी पैदा करेगी। कहा कि पूर्व की सरकारों में अपराधियों को संरक्षण प्राप्त था, बहन बेटियों का घर से निकलना दुभर था। जब तक बेटियां सुरक्षित घर नहीं आ जाती माता-पिता के माथे पर बल साफ दिखाई देता था। लेकिन धन्य हैं मोदी और योगी की सरकार जिसने सुरक्षा मजबूत किया। गुंडे बदमाशों का सफाया कर महिला समाज को सुरक्षित किया। एक बार पुनःमोदी प्रधानमंत्री बने हमें उसके लिए अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा।

पिछड़ा वर्ग सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न

केटी न्यूज/ जौनपुर

मुंगरा बादशाहपुर में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के तत्वावधान में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि रहे धर्मवीर प्रजापति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड विभाग एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, विशिष्ट अतिथि रहे प्रतापगढ़ सदर विधायक माननीय राजेंद्र कुमार मौर्य एवं सम्मेलन की अध्यक्षता ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने किया। सम्मेलन का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजकुमार जायसवाल और जिला महामंत्री अमर जौहरी ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछड़े वर्ग को मूलभूत सुविधाएं प्रदान की निर्बल गरीबों वंचितों को भाजपा सरकार ने रहने का आवास हर महीने फ्री राशन, फ्री शौचालय, फ्री आयुष्मान कार्ड, हर घर नल हर घर जल निशुल्क कनेक्शन प्रदान किया।

ट्रक मालिक एसोसिएशन ने ओवरलोड ट्रकों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की

गाजीपुर। सेवराई तहसील मुख्यालय के कैंप कार्यालय पर ट्रक मालिक एसोसिएशन ने एकमत होकर सहमति जताते हुए ओवरलोड ट्रकों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की। ट्रक मालिक एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुश सिंह के नेतृत्व में दर्जनों ट्रक मालिकों ने उप जिलाधिकारी सेवराई संजय यादव को मांग पत्र देते हुए ओवरलोड ट्रकों के संचालक पर रोक लगाने की अपील की।

उप जिलाधिकारी संजय यादव को दिए गए पत्र में बताया कि कुछ वाहन स्वामियों के द्वारा ओवरलोड ट्रकों का बेरोकटोक संचालन किया जा रहा है। इससे न सिर्फ राजस्व को हानि पहुंच रही है, बल्कि बारा कर्मनाशा पुल पर भी खतरा मंडरा रहा है। आशंका जताया कि अगर ओवरलोड वाहनों के संचालक पर जल्द ही लगाम नहीं लगाई गई तो पुल पर भी संकट बढ़ सकता है। इससे ट्रकों के अलावा अन्य वाहनों का संचालन पूर्ण रूप से बंद हो जाएगा।

गौरतलब हो कि कुछ माह पूर्व ही बारा कर्मनाशा पुल जर्जर होने के कारण उस पर वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया था। इसे मरम्मत के बाद हल्के और अंडरलोड वाहनों के प्रवेश की अनुमति दी गई थी। लेकिन संबंधित विभागीय अधिकारियों और स्थानीय पुलिस की मिली भगत से कई वाहन स्वामी बेखौफ होकर ओवरलोड वाहनों का संचालन कर रहे हैं। जिस पर एसडीएम सेवराई संजय यादव ने ओवरलोड ट्रकों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

71-सलेमपुर और 72- बलिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए भरा गया पर्चा, आज अंतिम दिन

लोस चुनाव: आठ प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

- शान्तिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण में संचालित हो रहा है नामांकन कार्यहोना आवश्यक : जान्हवी

केटी न्यूज/बलिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु लोकतंत्र के महापर्व में 71-सलेमपुर और 72- बलिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र लेने और दाखिल करने का कार्य शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हुआ।दो दिनों के सार्वजनिक अवकाश के बाद आज सातवें दिन बलिया संसदीय क्षेत्र के लिए 02 और सलेमपुर के 01 निर्दलीय या राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों/प्रतिनिधियों ने नामांकन पत्र लिया। बलिया लोकसभा क्षेत्र से 06 और सलेमपुर से 02 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

बलिया लोकसभा क्षेत्र के लिए आल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक से डॉक्टर अवधेश कुमार चौधरी, राष्ट्रीय उदय पार्टी से राजकुमार राजभर, राष्ट्रीय जननायक पार्टी से कैप्टन वैभव सिंह, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से रविकांत सिंह, बहुजन मुक्ति पार्टी से अवधेश वर्मा और अशोक कुमार गुप्ता निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर रवींद्र कुमार और सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए अमरेश एवं सद्दाम निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में प्रभारी/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर रवि कुमार के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था व बैरीकेडिंग के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। मुख्य गेट पर मेटल डिटेक्टर लगाये गये हैं, जहां चेकिंग के पश्चात अन्दर के लिये प्रवेश दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट के अन्दर नामांकन स्थल पर जाने के लिये बैरिकेडिंग सीसीटीवी कैमरा एवं बाहर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं।पूरे दिन बैरिकेडिंग पर पुलिस प्रशासन द्वारा सघन चेकिंग आदि का क्रम जारी रहा। अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहा। पर्चा लेने और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई 2024 हैं । नाम निर्देशनों की जांच 15 मई तक पूर्ण की जाएगी। प्रत्याशी अपने नाम की वापसी 17 मई को कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को सातवें दिन कुल आठ प्रत्याशियों ने कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसमें बलिया लोकसभा क्षेत्र से 6 और सलेमपुर से दो प्रत्याशी शामिल है। बलिया लोकसभा क्षेत्र के लिए आल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक से डॉक्टर अवधेश कुमार चौधरी, राष्ट्रीय उदय पार्टी से राजकुमार राजभर, राष्ट्रीय जननायक पार्टी से कैप्टन वैभव सिंह, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से रविकांत सिंह, बहुजन मुक्ति पार्टी से अवधेश वर्मा और अशोक कुमार गुप्ता निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर रवींद्र कुमार और सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए अमरेश एवं सद्दाम निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में प्रभारी/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर रवि कुमार के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था व बैरीकेडिंग के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। मुख्य गेट पर मेटल डिटेक्टर लगाये गये हैं, जहां चेकिंग के पश्चात अन्दर के लिये प्रवेश दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट के अन्दर नामांकन स्थल पर जाने के लिये बैरिकेडिंग सीसीटीवी कैमरा एवं बाहर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं।पूरे दिन बैरिकेडिंग पर पुलिस प्रशासन द्वारा सघन चेकिंग आदि का क्रम जारी रहा। अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहा। पर्चा लेने और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई 2024 हैं । नाम निर्देशनों की जांच 15 मई तक पूर्ण की जाएगी। प्रत्याशी अपने नाम की वापसी 17 मई को कर सकते हैं।

काशी कोतवाल बाबा काल भैरव से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे नरेंद्र मोदी

- योगी आदित्यनाथ समेत करीब 12 मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना
- भाजपा शासित-गठबंधन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पदाधिकारी भी होंगे शामिल

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री व काशी के सांसद नरेंद्र मोदी मंगलवार को काशी के कोतवाल काल भैरव से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे। मंगलवार को गंगा सप्तमी के साथ ही पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। प्रधानमंत्री के नामांकन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा शासित और गठबंधन वाले 12 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पदाधिकारियों की भी मौजूदगी रहेगी। नामांकन के पहले सुबह करीब 9 बजे पीएम दशास्वमेध घाट पर माँ गंगा को नमन कर सकते हैं। उनका क्रूज से नमो घाट तक जाना भी प्रस्तावित है। यहां से प्रधानमंत्री काल भैरव मंदिर, वहां से फिर नामांकन करने कलेक्ट्रेट

जाएंगे। नामांकन के बाद रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कार्यकताओं के साथ बैठक भी करेंगे।

सोमवार को रोड शो और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद लेने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी कोतवाल से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे। प्रधानमंत्री मंगलवार को पड़ने वाली गंगा सप्तमी के दिन स्नान कर मां गंगा को नमन भी कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी की मानें तो शास्त्र के अनुसार गंगा सप्तमी और नक्षत्र राज पुष्य नक्षत्र का संयोग साथ रवि योग ग्रहों की अच्छी स्थितियों का निर्माण कर रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन कोई भी कार्य करने से अभिष्ट की सिद्धि होती है। पुष्य नक्षत्र में यदि किसी काम को किया जाए तो उसमें कार्य सिद्धि तय मानी जाती है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विशेष संयोग में ही अपना नामांकन करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन में आज योगी आदित्यनाथ समेत देश के करीब 12 मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें भाजपा शासित और गठबंधन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा नेताओं के मुताबिक नामांकन में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा शामिल होंगे। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी नामांकन में शामिल होंगे। इसके अलावा एनडीए के प्रमुख घटक लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर आदि मौजूद रहेंगे।

एक नजर

बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े पत्रकार की गोली मारकर की हत्या, क्षेत्र में तनाव

जौनपुर। थाना शाहगंज क्षेत्र के सबरहद बाजार में सोमवार की सुबह दिनदहाड़े अज्ञात बाइक सवार बदमाशो ने स्थानीय पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव को ताबड़तोड़ गोलियों से भून डाला। उपचार के दौरान पत्रकार की मौत हो गयी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। घटना को सूचना के बाद जिला अस्पताल पहंचे शाहगंज विधयक व भाजपा लोकसभा प्रत्यासी कृपा शंकर सिंह ने परिजनों को ढांढस बंधाया और बदमाशो के जल्द पकड़ने के लिए पुलिस अधिकारियों से बात की। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। जानकारी ले अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के गांव सबरहद बाजार में स्थानीय पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव को गोलियों से छलनी कर मौत के घाट उतार दिया।आनन फानन में जीवन की आस में परिजन अस्पताल ले गए जहां उपचार के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।घटना से क्षेत्र में तनाव बना हुआ है।परिजनों को ढांढस बधाने के लिए तमाम नेता मौके पर पहुंचे।पुलिस ने शव को कब्जे के लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया और बदमाशो की तलाश में जुट गई है।इधर पत्रकार को के साथ हुई घटना से जिले के पत्रकारों के रोष व्याप्त है।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट की किया अपील

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव जी द्वारा भाजपा प्रत्याशी की समर्थन घोषणा के बाद

लखनऊ ट्रांस गोमती इकाई द्वारा लोकसभा भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह व विधानसभा उप चुनाव लखनऊ पूर्व से प्रत्याशी ओपी श्रीवास्तव के समर्थन में होटल जयति इन इन्दिरा नगर में सभा आयोजित कर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने की अपील की गई इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री विश्वविमोहन कुलश्रेष्ठ , केपी ट्रस्ट प्रयागराज के अध्यक्ष व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ऋतु खरे,मध्यसंभाग प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष सन्तोष निगम,प्रख्यात कवि सर्वेश अष्ठाना सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव ने समाज से शत प्रतिशत मतदान का आवाहन करते हुए कहा कि भाजपा ही देश को प्रगति के रास्ते पर ले जा सकती है।विपक्षी गठबंधन के सत्ता में आने पर देश का नुकसान होगा। हमारे साथ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के आईटी सेल प्रदेश प्रभारी सुबीर सेन,प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष आमोद श्रीवास्तव लखनऊ जिला अध्यक्ष मोहित श्रीवास्तव, महिला जिला अध्यक्ष मिथिलेश श्रीवास्तव , बी के श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

नदी में डूबने से दो-सगे भाईयों की मौत

मिजार्पुर । मिजार्पुर में ड्रमंडगंज में नदी में डूबने से दो सगे भाईयों की मौत हो गई। दोनों सुबह सेवटी नदी के दुर्गा घाट पर स्नान करने गये थे। बच्चों को डूबता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाना शुरू किया और परिजनों को सूचना दी। लोग नदी में कूदे और बच्चों को बाहर निकाला। परिजन इलाज के लिए बच्चों को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। महोगढी ग्राम निवासी लवकुश केशरी के दो बेटे लक्ष्य(12), रुद्र (7) दोनों सगे भाई रविवार सुबह लगभग नौ बजे समीपस्थ स्थिति सेवटी नदी के दुर्गा घाट पर स्नान करने गये थे। स्नान करते समय गहरे पानी में पहुंच गए। घटना के समय पिता लवकुश केशरी रतेह चौराहा बाजार में दुकान पर थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए। दो बेटे व एक बेटी थी। लक्ष्य कक्षा तीन और रुद्र कक्षा एक में पढ़ रहा था। बच्ची सबसे छोटी थी?। दो बेटों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

चालू कुलर में पानी भरने वक्त करंट की चपेट में आया युवक, मौत

सोनभद्र । सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र के रेहटा वार्ड में सोमवार को करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। कूलर में पानी भरने के दौरान युवक करंट की चपेट में आ गया। घटना से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। नगर के वार्ड नंबर एक रेहटा निवासी देवेंद्र कुमार (40) सोमवार को चालू कूलर में पानी भर रहा था। अचानक कूलर में करंट आ गया। उसकी चपेट में आने से देवेंद्र कुमार अचेत होकर गिर पड़ा। परिजनों ने जब उसे अचेत अवस्था में देखा तो तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में ले गए। वहां चिकित्सकों ने उसे अन्यत्र रेफर कर दिया। परिजन उसे नेहरू अस्पताल लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। देवेंद्र कोल खदान की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में नौकरी करता था। उससे एक आठ साल की बेटी है। वह छह भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत के बाद पत्नी और मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीएम योगी ने बाराबंकी में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है : योगी

- बोले योगी, श्रीराम की इच्छा है कि उनका भक्त फिर बने देश का प्रधानमंत्री
- कांग्रेस और सपा का इतिहास घोटालों का है : योगी
- हमने बिना चेहरा और जाति देखे सबको दिया योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/बाराबंकी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका इतिहास घोटालों का रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना चेहरा और जाति देखे सबको विकास की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सीएम योगी सोमवार को यहां हैदरगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजरानी रावत के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम भी यही चाहते हैं कि उनका परम भक्त एक बार फिर देश की सत्ता संभाले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हैदरगढ़ भाजपा के हृदय में बसता है। लोकसभा चुनाव का चौथा चरण चल रहा है। देश के 10 राज्यों में 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। लोगों में इसे लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तीसरे चरण में मोदी लहर अब चौथे चरण में सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि 'फिर एक बार मोदी सरकार' का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है। आज का नया भारत देश और दुनिया में हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़े हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग बड़े बड़े दावे कर रहे हैं मगर सच्चाई यही है कि इनके समय लोग भूख से मरते थे, किसान आत्महत्या करता था और नौजवान पलायन करता था। मगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल मे जो परिवर्तन देखने को मिला है, हम सब उसके साक्षी हैं। पिछले 4 साल से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है, उज्ज्वला योजना, हर घर नल योजना, शौचालय, 4 करोड़ लोगों को मकान देने का कार्य हुआ है। इतना कुछ मोदी जी ने बिना चेहरा और जाति देखे दिया है। बिना भेदभाव के शासन का लाभ कैसे दिया जाता है ये उदाहरण मोदी जी ने सबके सामने रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के घोटालों का लंबा इतिहास है। इनके कारनामे जगजाहिर हैं। इन लोगों ने कोई जगह नहीं छोड़ी थी लूट खसोट करने की। हर जगह लूट-खसोट के नये कीर्तिमान स्थापित किये। मगर भाजपा आज देश विकास के साथ विरासत को संजोने का काम कर रही है। सपा और कांग्रेस राममंदिर का विरोध करते थे। कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि राममंदिर का निर्माण बेकार हुआ है। हिन्दू आस्था के साथा खिलवाड़ करना कांग्रेस और सपा का व्यवहार रहा है। ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने वाले लोग हैं। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ चुका है। हमने राम को राष्ट्र का पर्याय माना है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो के आधार पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डाला डालने की कोशिश कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, सांसद उपेंद्र सिंह रावत, विधायक बृजेश रावत, सांसद प्रत्याशी राजरानी रावत, बीजेपी जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

रिटायर्ड फौजी को बदमाशों ने मारी गोली

- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मधुबन शाखा में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं रिटायर्ड फौजी

केटी न्यूज/ मऊ

जनपद के मधुबन थाना क्षेत्र के मधुबन-दोहरीघाट मार्ग पर कटघरा महलू के समीप बाइक सवार बदमाशों ने एक रिटायर्ड फौजी को गोली मार दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर मंडाव भेजवाया, जहां इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल मऊ के लिए रेफर कर दिया गया । घायल फौजी मधुबन स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं। घटना सोमवार सुबह लगभग 9.30 बजे की है। रिटायर्ड फौजी सुबह मोटरसाइकिल से बैंक को जा रहे थे तभी पीछे से आ रहे एक ही बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गये।

मिली जानकारी के मुताबिक सूर्यनाथ यादव 54 पुत्र राम किशुन यादव निवासी रसूलपुर थाना दोहरीघाट अपनी बाइक से अपने घर से ड्यूटी हेतु जनपद मऊ के मधुबन को जा रहे थे। कटघरा महलू के पास पीछे से आ रहे बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी और फरार हो गये। सूर्यनाथ यादव अपनी बाइक से जमीन पर गिर पड़े। सड़क से गुजर रहे लोगों ने घायल को देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी फतेहपुर मंडाव भेजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल का इलाज के लिए जिला अस्पताल मऊ के लिए रेफर कर दिया गया । बताया जा रहा है कि रिटायर्ड फौजी ने तीन शादियां की थी। उनका अपने एक पत्नी से विवाद भी चल रहा था। ऐसे में माना जा रहा है की घटना का कारण घरेलू विवाद भी हो सकता है। वैसे पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी बदमाशों का पता लगाया जा रहा है।

घटना के संबंध में सीओ मधुबन अभय कुमार सिंह का कहना है कि तीन बाइक सवार बदमाशों द्वारा एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की सूचना मिली है। घायल को इलाज के लिए भेजवाया गया है। आरोपी बदमाशों के धर पकड़ के लिए कवायद तेज कर दी गई है।सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस मामले में कड़ी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत, चार घायल

सोनभद। सोनभद्र के अलग-अलग क्षेत्रों में सोमवार को हुए सड़क हादसों में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दुद्धी के मनबसा में पर सड़क पर अचानक सामने कुत्ता आ जाने से बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई तो करमा के भरकवाह गांव में बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों घटनाओं में बाइक पर तीन-तीन लोग सवार थे। पहली घटना दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झारोकला गांव में बीती रात बभनी से बरात आई थी। बरात में शामिल होने के बाद बभनी निवासी कौशल किशोर (23) पुत्र धनुक प्रसाद, उसका साथी हीरालाल व जयपाल एक बाइक से सोमवार की सुबह घर लौट रहे थे। मनबसा गांव के पास सड़क पर अचानक कुत्ता आ जाने से बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हुए। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें म्योरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कौशल किशोर को मृत घोषित कर दिया। अन्य दोनों घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया।

विंध्यवासिनी दरबार में मत्था टेकने के बाद अनुप्रिया पटेल ने किया नामांकन

मिजार्पुर । केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद अनुप्रिया पटेल मिजार्पुर लोकसभा से तीसरी बार नामांकन किया। इसके पूर्व उन्होंने आदि शक्ति जगत जननी मां विंध्यवासिनी देवी के दरबार में मत्था टेका। मंदिर में पहुंच कर देवी का दर्शन-पूजन करने के उपरांत नामांकन दाखिल करने के लिए रवाना हुईं थी। मिजार्पुर लोकसभा चुनाव में

तीसरी बार उन्होंने मां से जीत का आशीर्वाद मांगा। अनुप्रिया, मिजार्पुर सीट से दो बार सांसद बन चुकी हैं। मिजार्पुर लोकसभा चुनाव में अभी तक कोई भी प्रत्याशी तीसरी बार सांसद नहीं बन सका है। केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद अनुप्रिया पटेल को दर्शन पूजन नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने कराया। इस दौरान उनकी बहन अमन पटेल, सिद्धार्थनगर से अपना दल एस के विधायक विनय वर्मा और जिलाध्यक्ष भाजपा पिछड़ा मोर्चा राम कुमार विश्वकर्मा मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर अफरा-तफरी मच गई बंद करना पड़ा गेट

वाराणसी में सौ से अधिक लोग पहुंचे मोदी के खिलाफ नामांकन करने

- राजस्थान से आए श्याम रंगीला भी नहीं कर पाए नामांकन
- प्रत्याशियों की सख्या 384 के पार हुई तो तो बैलेट पेपर से होगा चुनाव

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़कर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने की होड़ सी मची हुई है। वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ नामांकन करने देशभर से 100 से ज्यादा लोग पहुंच गए। इससे कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस कर्मियों को कलेक्ट्रेट ऑफिस का गेट बंद करना पड़ा। इस दौरान पुलिस से झड़प और धक्का-मुक्की हो गई। लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर अफसर मौके पर पहुंचे। सभी को समझाकर शांत कराया। अब सभी लाइन में लगकर बारी-बारी से नॉमिनेशन दाखिल कर रहे हैं। दोपहर तक करीब 70 लोग पर्चा दाखिल कर चुके हैं। राजस्थान के मिमिक्री आर्टिस्ट श्याम रंगीला भी नामांकन करने वाराणसी पहुंचे हैं। नामांकन दाखिल आए कई लोग तो सिर्फ पीएम मोदी के खिलाफ लड़कर रिकॉर्ड में शामिल होना चाहते हैं। इन्हें हार-जीत से कोई मतलब नहीं है। यहां नामांकन की

नॉमिनेशन के लिए सिर्फ एक दिन बचे

वाराणसी में 7वें चरण यानी 1 जून को चुनाव है। 7 से 14 मई तक प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर सकते हैं। यानी नॉमिनेशन के लिए सिर्फ एक दिन बचा है। 15 मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 17 मई तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले।

आखिरी तारीख 14 मई है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को नामांकन दाखिल करेंगे। राजस्थान के रहने मिमिक्री आर्टिस्ट श्याम रंगीला भी वाराणसी में नामांकन के लिए पहुंचे, लेकिन वह नामांकन नहीं कर पाए। उन्होंने कहा- एक बार नामांकन हो जाए। इसके बाद

अगर 384 पार हुए प्रत्याशी तो बैलेट पेपर से होगा चुनाव

वाराणसी सीट पर अब तक 100 से ज्यादा उम्मीदवार नामांकन के लिए पहुंच चुके हैं। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक, अगर किसी सीट पर प्रत्याशियों की संख्या 384 का आंकड़ा पार कर जाती है तो वहां ईवीएम से वोटिंग नहीं हो सकती है। बैलेट पेपर से वोटिंग करानी पड़ती है।

मीडिया से बात करूंगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि मुझे डर है कि मैं नामांकन कर भी पाऊंगा या नहीं। एक दिन पहले भी यही बात कहीं थी। उन्होंने कहा था कि इतनी रोक-टोक है। मैं किसी से मिल नहीं पा रहा।

सुभाषितम्

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

केजरीवाल की 10 गारंटियाँ बनाएंगी उन्हें राष्ट्रीय स्तर का नेता?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद धुआंधार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। केजरीवाल शैली मे उन्होंने 10 गारंटी राष्ट्रीय स्तर पर मतदाताओं को दी है। आम आदमी पार्टी 22 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली, पंजाब और गुजरात में उनके उम्मीदवार खड़े हैं। उन्होंने जिस तरह से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी गारंटी दी है। इंडिया गठबंधन से वह जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसा देने की कोशिश सभी राज्यों के मतदाताओं के बीच में की है। दिल्ली और पंजाब में उन्होंने जो काम सफलतापूर्वक करके दिखाए हैं। वही काम अब राष्ट्रीय स्तर पर करने का भरोसा दिलाने का प्रयास अरविंद केजरीवाल ने किया है। इंडिया गठबंधन का अभी तक संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं हुआ है। जिस तरह से मध्य और निम्न वर्ग के लिए कांग्रेस के घोषणा पत्र और न्याय पत्र मे गारंटी दी गई है। केजरीवाल की 10 गारंटीयों में काफी समानता देखने को मिल रही है। केजरीवाल ने कहा वह इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगियों से चर्चा करके इन गारंटीयों को पूरा करने का वीड़ा उठा रहे हैं। केजरीवाल ने राष्ट्रीय स्तर पर 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, 200 यूनिट तक फ्री बिजली, सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने, शिक्षा का स्तर प्राइवेट स्कूलों की तुलना में और बेहतर बनाने, निशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की गारंटी देते हुए कहा, हम दिल्ली में यह सभी काम करके दिखा चुके हैं। जो गारंटी वह दे रहे हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा होने की गारंटी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के बारे में बोलते हुए कहा, जो-जो गारंटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 सालों में दी है। किसी एक भी गारंटी को उन्होंने पूरा नहीं किया है। मैं जो गारंटी दे रहा हूं,उसे दिल्ली और पंजाब में पूरा करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की गारंटी, हवा हवाई गारंटी नहीं है। इसके लिए किस तरह से धन जुटाया जाएगा। इसका प्लान भी तैयार किया जा चुका है। जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल बड़ी आक्रामक मुद्रा में दिख रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में अपने प्रत्याशियों के लिए रोड शो भी किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी के विधायकों की बैठक ली। इंडिया गठबंधन के नेताओं से चर्चा करके उत्तर प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के लिए जाने की बात कही। अरविंद केजरीवाल ने अग्नि वीर योजना बंद करने, 2 करोड़ नौकरियां को सृजित करने,फसलों का समर्थन मूल्य पर बिक्री की गारंटी देने, चीन ने भारत की भूमि में जो कब्जा किया है। उसे वापस हासिल करने, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देना, उनकी 10 गारंटीयों में शामिल है। अरविंद केजरीवाल ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और विशेष रूप से व्यापारियों और गरीबों को लुभाने का हर संभव प्रयास किया है। अरविंद केजरीवाल ने 10 गारंटी के तहत राष्ट्रीय स्तर पर एक संदेश देने की कोशिश की है, वह राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं। राष्ट्रीय स्तर की उनकी सोच है। इसमें वह कितने सफल होते हैं। यह तो आने वाला समय ही बताएगा। बहरहाल इंडिया गठबंधन में शामिल होने के कारण केजरीवाल की गारंटियों प्रभाव 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों में पडना तय माना जा रहा है।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे। उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

तमाम रास्ते हैं डुमना एयरपोर्ट से पैसे कमाने के...

- चैतन्य भट्ट

अपने जबलपुर का डुमना एयरपोर्ट बड़ा पुराना माना जाता है कुछ समय पहले उसको नया, भव्य और विस्तृत रूप देने के लिए काफी बड़ी राशि स्वीकृत की गई थी लंबे अरसे तक उसमें काम चलता रहा और लगभग 450 करोड़ रूपया खर्च करके उसे एक नया लुक दे दिया गया, लेकिन किस्मत तो देखो डुमना एयरपोर्ट ने सजावट तो ढेर सारी कर ली, पाउडर लगा लिया, स्नो भी रगड़ लिया , इतर भी छिड़क लिया लेकिन जिन हवाई जहाजों का वो रास्ता देख रहा था वे सब उसे कट मार कर और कहीं निकल गए , जैसे तैसे कभी कभार एक दो प्लेन उसकी गोद में आ बैठते थे उन्होंने भी उससे मुंह मोड़ लिया और उसकी तरफ देखना भी बंद कर दिया । अपने एयरपोर्ट वाले भारी परेशान है कि सजावट तो ढेर सारी हो गई लेकिन इस सजावट का खर्चा निकले तो निकले कैसे? क्योंकि प्लेन तो है नहीं ,जबलपुर के लोग ट्रेन से, अपनी गाड़ी से, बसों से यहां वहां जाते रहते हैं तो अपनी एयरपोर्ट अथॉरिटी को एक सलाह है कि जब वहां हवाई जहाजों ने आना ही छोड़ दिया है तो उसके पैसे वसूल करने के लिए बहुत सारे उपाय किए जा सकते हैं मसलन,उस इलाके में प्रदर्शनी नहीं लगती है इलाके के लोगों को शहीद स्मारक में आकर प्रदर्शनी देखना पड़ती है एक परमानेंट प्रदर्शनी उधर लगा दी जाए, बड़े-बड़े झूले लगा दिए जाएं, खाने पीने के स्टाइल लग जाए, छोटे बच्चों के लिए टॉय ट्रेन चला दी जाए, इसके अलावा जो लोग साइकिल सीखना चाहते हैं, स्कूटी सीखना चाहते हैं या फिर कार सीखना चाहते हैं उनके लिए भी वहां भारी जगह है अच्छी खासी फीस दो और जो चाहो सीखो,शादी ब्याह के लिए भी ये जगह मुफीद है पार्किंग के लिए भी ढेर सारी जगह मिल जाएगी और टेंट जितना बड़ा लगाना चाहे लग जाएगा, अच्छी खासी इनकम भी होगी शादी ब्याह में, वैसे भी आजकल तो आउट में जाकर शादी करने का फैशन चल गया है क्योंकि शहर में ना तो इतने बड़े होटल है और ना पार्किंग की जगह है ,उधर तो ढेर पार्किंग ही पार्किंग है जहां चाहे अपनी कार खड़ी कर लो इसके अलावा खेल के मैदान के रूप में भी उसका उपयोग किया जा सकता है । क्रिकेट हो ,बैडमिंटन हो, वॉलीबॉल हो इन सबके लिए भी ये जगह बहुत मुफीद है इसके अलावा राइट टाउन स्टेडियम की तर्ज पर मॉर्निंग वाक करने वालों से भी फीस लेने लगो,इन तमाम व्यवस्थाओं से भी काफी पैसा इकट्ठा हो सकता है और उससे वहां के जो कर्मचारी हैं उनका वेतन तो निकल ही जाएगा साथ ही साथ जो पैसा उसके निर्माण कार्य में लगा है वह भी काफी हद तक वसूल हो जाएगा । वैसे भी हफ्ते में एकाध प्लेन आने जाने की उम्मीद रहती है तो जिस दिन वो प्लेन आने वाला हो उस दिन तमाम लोगों को रोक दिया जाए या फिर इतना बड़ा एयरपोर्ट जब ही बन गया है तो कहीं भी कोने में उस प्लेन को उतार दिया जाए एक प्लेन के लिए इतनी बड़े एयरपोर्ट की जरूरत ही क्या है? अपन ने तो लाख टके की सलाह दे दी और इस पर गंभीरता के विचार करना बहुत जरूरी है। बरसों हो गए जब से लोगों ने टेंपो के दर्शन नहीं किए हैं ।अपने जबलपुर में समोसा कट टेंपो जब चला करते थे उसमें ठूंस ठूंस कर सवारियां भरी जाती थी फट फट की आवाज करता हुआ जब टेंपो निकलता था तो लोगों के चेहरे पर नूर आ जाता था कि भले ही ये ढ़चर पचर करते हुए, काला स्याह धुआं फेकते हुए चले लेकिन गंतव्य तक पहुंचा देगा, लेकिन न जाने क्या हुआ टेंपो पर सरकार की नजर लग गई और देखते ही देखते ये टेंपो सड़कों से विलीन हो गए ,पर हाल ही में अपने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार फिर टेंपो की याद दिला दी ,जिन लोगों ने टेंपो में यात्राएं की उनके सबके घाव हरे हो गए, टेंपो का भी सम्मान बढ़ गया क्योंकि उसका नाम कोई छोटे-मोटे नेता ने नहीं बल्कि बीजेपी और देश के सबसे शक्तिशाली नेता ने लिया था, कितनी ही नई-नई गाड़ियां निकल आए लेकिन आज भी टेंपो का क्या जलवा है यह प्रधानमंत्री जी ने बता दिया उनका कहना था कि राहुल गांधी आजकल अडानी अंबानी का नाम नहीं लेते ,लगता है टेंपो में नोट भर भर कर उनके पास पहुंच रहे हैं बड़ी-बड़ी लग्जरी कारें , चारों तरफ से बंद ट्रक, ऑटो के बावजूद यदि माल टेंपो में जा रहा है तो इससे टेंपो की क्या अहमियत है इससे पता लगता है। जब से टेंपो की बात चली है तब से साइकिल, रिक्शा, ऑटो, साइकिल, तांगा और ई-रिक्शा की उम्मीदें भी लहरा कर उठने लगी हैं उन्हें लगता है की मृत हो चुके टेंपो को जब इतना सम्मान मिल सकता है तो वे तो अभी भी सड़क पर अपना वजूद बनाए हुए हैं, हो सकता है कल के दिन यह बात कही जाने लगे कि कांग्रेस को तांगे में, साइकिल, में रिक्शा में, ऑटो में या फिर साइकिल के करियर में नोटों के बंडल पहुंचाए जा रहा हैं कहते हैं ना कि सबका अपना एक टाइम आता है जिन टेंपो को लोग भूल चुके थे उनकी यादें फिर से ताजा हो गई लेकिन एक बात समझ में नहीं आई कि आजकल के इस युग में जब पान गुटखा और चाय के पैसे आदमी ऑनलाइन चुका रहा है तब ऐसे में इतने बड़े लोग टेंपो में नोट भला क्यों भेजेंगे और फिर उस कांग्रेस को जिसकी सरकार आने की अभी दूर-दूर तक कोई उम्मीद दिखाई नहीं देती ऐसा भाजपा के नेता कहते हैं । बहरहाल टेंपो अपनी किस्मत पर मुस्कुराकर कॉलर खड़ी करके यही कह रहा है देख मेरा जलवा ,तमाम वाहनों के बावजूद प्रधानमंत्री जी ने सिर्फ मेरा नाम लिया इससे समझ लो कि मेरी इंपोर्टेंस आज भी उतनी ही है जितनी बरसों पहले थी इसलिए भी तो यही कहा जाता है ओल्ड इज गोल्ड यानी पुरानी चीज आज भी सोने के बराबर होती है। जिन लोगों ने टेंपो चलाई है या उसमें यात्रा की है उनकी निगाहों के सामने वे तमाम दृश्य उपस्थित हो गए जब वे टेंपो में यात्रा करते होंगे लेकिन एक बात आज तक समझ में नहीं आई कि सैकड़ो की संख्या में चलने वाले तिकोना टेंपो आखिर गए तो गए कहां वो तो अच्छा हुआ प्रधानमंत्री जी ने टेंपो की याद दिलाकर उसको जीवन दे दिया अब रिक्शा ,तांगा, साइकिल, ऑटो सब रास्ता देख रहे हैं कि कब प्रधानमंत्री जी या भाजपा के नेता उनका नाम लें और उनका भी जलवा बन जाए। कांग्रेस के नेताओं का साफ-साफ कहना है कि देखो भैया जब ऊपर वाले ने हमको मुंह दिया है तो फिर हम तो बोलेंगे, जिसको बुरा लगे तो लगता रहे, पार्टी की भद पिटती रहे तो पिटती रहे लेकिन हम अपने मुंह का भरपूर उपयोग करेंगे वरना जब ऊपर जाएंगे और भगवान पूछेंगे इतना बड़ा मुंह दिया था तुमने उसका क्या किया तो हम क्या जवाब देंगे, इसलिए हमें जो भी अच्छा लगता है वो हमारे मुंह से निकल जाता है वैसे भी मुंह हमारे बस में नहीं है हम लाख मना करें लेकिन वह जब बोलने पर उतारू होता है तो फिर हम भी कुछ नहीं कर पाते। कांग्रेस इन सब को लेकर भारी परेशान है क्योंकि इधर कांग्रेसी नेताओं के मुंह से कुछ निकला और उधर भाजपा ने उसको लपका और ऐसी भिनिष्ठा उसकी उन बयानों की करते हैं कि जनता को लगता है कि सचमुच में कांग्रेस उनकी दुश्मन बन गई है चाहे मणि शंकर हों, सैम पित्रोदा हों, जीतू पटवारी हों ,कांतिलाल भूरिया हों सबका मुंह एकदम आजाद है कोई रोक-टोक नहीं जो मर्जी आए बोल दो फिर बाद में उसका खंडन मंडल करते चलो, लेकिन कहते हैं ना कि जुबान से निकला शब्द और धनुष से निकला तीर कभी वापस नहीं होते , इस चक्कर इन सबके बयानों से पार्टी की कैसी लाइ लुटी जा रही है, भाजपा वाले इन नेताओं के बयानों का तरह-तरह का अर्थ निकाल कर जनता के सामने रख रहे हैं इससे उनका कोई लेना देना नहीं, कांग्रेसी कहते हैं की देखो हमारी पार्टी में कितना जबरदस्त लोकतंत्र है किसी के बोलने पर कोई रोक नहीं जो चाहे वो बोल सकता है लेकिन भैया इसको लोकतंत्र नहीं कहते बल्कि अराजकता कहते हैं और इन्हीं मुंह के चक्कर में आपके सबसे बड़े नेता को भी कोर्ट में माफी मांगना पड़ी थी।

शिव-भक्त श्री बसवेश्वर जी की 891 वीं जयंती

-संजय गोस्वामी

महान दार्शनिक, धर्म प्रसारक और समाज सुधारक थे जिन्होंने १२वीं शताब्दी में चालुक्य साम्राज्य के क्षेत्र में काम किया था` उनका जन्म उस समय के इंगलेश्वर-बागेवाड़ी और आज के कर्नाटक राज्य के बसवन्ना-बागेवाड़ी (जि. बीजापुर/ विजयपुर) में रहनेवाले एक कर्मठ शैव (शिव की पूजा करनेवाले) ब्राह्मण परिवार में ईसा वर्ष ११३१ में भारतीय/सनातन पंचांग के अनुसार वैशाख शुद्ध तृतीया के दिन हुआ था `श्री बसवेश्वर जी 12 वीं सदी के एक भारतीय दार्शनिक, राजनेता और एक समाज सुधारक थेआचार्य श्री बसवेश्वर जी शैव मत इतिहास की धारा में बारहवीं सदी का महान शैव संत आचार्य वर्षभेंद्र (बसवेश्वर) जी के जन्म कर्णाटक के इंगलेश्वर गांव में आराध्य ब्राह्मण (लिंगी ब्राह्मण) माता मादलाम्बिका पिता मादरस से वैशाख शुक्ल रोहिणी नक्षत्र अक्षय तृतीया ११३४ में हुआ है। बसवेश्वर जी के जीवनकाल धार्मिक -युग सच्चे अर्थों में ह्यस्वर्ण-युगह्व कहलाता है। इस कालखंड में विशेष था शैव मत के कवि-कवियित्रियों ने जो शिवशरण और शिवशरणियाँ कहलाते हैं, कविता की रचना सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक एवं शैव दर्शन को सहज मात्र भाषा कन्नड़ में जनसामन्य लोगो को पहुँचाने के लिए की है।काव्यकर्म इनके लिए साधन मात्र था, न कि साध्य। लगभग सैकड़ों शरण (संत) कवि-कवयित्रियों ने समकालीन काल संदर्भ में, व्यष्टि और समष्टि हित को समान रूप से महत्व देते हुए, वचन साहित्य की रचना की थी। आज भी

लगभग सैकड़ों शिवशरण और ७७ से बढ़कर शिवशरणियों का वचन साहित्य उपलब्ध होना आश्चर्य का कारण बन सकता है। उन्होंने हमेशा सनातन (हिन्दू) धर्म की जाति व्यवस्था और अनुष्ठान के साथ-साथ सामाजिक भेदभाव का विरोध किया` उनका विश्वास केवल एक ईश्वर में था जो निर्गुण और निराकार है` सही मायनों में उन्होंने लिंगायत संप्रदाय/धर्म के अनुयायियों में एकेश्वरवाद (टङ्कल्लङ्कश्रे२) का बीजा बोया`स्त्री मुक्ति, जातिवाद का नाश, धर्म के क्षेत्र में शैवतंत्र (लोकमत) की स्थापना, श्रम संस्कृति की श्रेष्ठता एवं सब प्रकार की समानता, कथनी करनी का सुन्दर समन्वय, मनुष्य केन्द्रित जीवन चिंतन इनके काव्य की प्रमुख आवाज थी। समानता ही इनके लिए योग था।इसलिए विश्वास भरी एवं ऊँची आवाज में यह कहा जा सकता है कि विश्व साहित्य पंक्ति में वीरशैव के वचन साहित्य को खुले दिल से रखा जा सकता है। आचार्य वर्षभेंद्र (बसवेश्वर) जी के जीवन और लेखन एवं कृति और कार्य में सुन्दर समन्वय देखा जा सकता है। इसीलिए इनके काव्य में जीवन को देखने की प्रामाणिकता थी और काव्यदृष्टि स्वस्थ थी। इन्होंने जो भी अनुभव किया, उसे वाणी में अभिव्यक्त किया, जो भी अभिव्यक्त किया वही जीवन दर्शन बन गया, उनका जीवन दर्शन ही काव्य दर्शन था और वही उनकी जीवन शैली भी थी। श्री बसवेश्वर जी काल के लगभग सभी शरण निम्न जाति और निम्न वर्ग के थे। सब वृत्तियों के लोगों ने इस काव्य कर्म में भाग लिया था, जैसे मोची ढोर, धोबी, हज्जाम, हरिजन लकड़ी बेचने वाला, रस्सी बनाने वाला किसान, नट, गायक, चावल कूटने वाला आदि। यहाँ तक कि वेश्या सूले (वेस्या) संकव्वे जैसी महिला भी मनपरिवर्तन से शिवशरणी बनी थी और उसने भी वचन की रचना की थी। इतनी बड़ी संख्या में और विशाल आयामों से आये हुए लोग एक स्थान में, एक समय में, एक ही सामाजिक हित के लिए मिलकर आत्मशुद्धि एवं समाजशुद्धि के लिए साहित्य की रचना की है, जो दुनिया के सांस्कृतिक और साहित्यिक लोक में दुर्लभ है।विश्व चिंतन लोक के लिए अनुभव मंटप की परिकल्पना आचार्य वर्षभेंद्र जि के है बारहवी सदी के बसवण्णा (आचार्य वर्षभेंद्र) जी और शिवशरणों की इस अनुभव मंटप की महान देन है . इसे सक्रोटीस की चर्चा समिति और आधुनिक समानताओं की स्थापना के लिए निर्मित पार्लियामेंट से श्रेष्टतम अनुभव मंच कहा जा सकता है समसंस्कृतिक की श्रेष्ठता , दासोह भाव की उपयोगिता एवं अध्यातम जीवन की स्थापना के लिए स्थापित शिवशरणों का अनुभव मंटप अनुपम विद्वानों का केंद्र रहा ,इस धरती की मिट्टी से समन्वित विद्वानों की मंडली था अध्यात्म और धर्म को यथार्थ में रूपांतरित करने के लिए शिवशरणों ने अनुभव मंटप की स्थापना की शिवशरणों में प्रमुख बसवेश्वर , (आराध्य शैव) अक्का महादेवी (बनाजिग और (स्त्री)) निलंभिका (ब्राहमण और (स्त्री), , अक्क नागम्मा, (ब्राहमण और (स्त्री), चन्न बसवण (ब्राह्मण) , सिद्धराम (शिल्पकार) , अलम प्रभु (पत्रिका) और माडीवळ माचिदेव (धोभी) नूलागी चंदय्या (कपडे सिने) अंभिगार चौड़य्या (नाविक) हरलय्या (चमार) ऐसे विविद प्रकार के वर्ती और वर्ण के शिव शरणों ने कन्नड़ भाषा में पांच वर्षो के साहित्यिक अध्यात्मिक और धार्मिक इतिहास में पहली बार निम्न जाती , निम्न वर्ग के नाम जीवी साहित्य की रचना कर रहे थे अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य भोग रहे थे शुद्र वर्ग और स्त्री वर्ग अभेद भाव से लेखेनी चलाराहे थे आश्चर्य य है की ५३० शरण और १०० अधिक शरणीओं उस अनुभव मंटप में भाग लेते थे कहा जाता है की इस अनुभव मंटप में भारत के कोने कोने से शिव भक्त लोग आते थे अपने अध्यात्म अनुभव को व्यक्त करते थे उस समय जो अध्यात्म गोष्टी की गयी है वो आज भी ग्रंथ रूप में उपलब्ध है लेकिन भारतीय/सनातन पंचांग के अनुसार उनकी जयंती हर वर्ष अक्षय तृतीया के दिन पर ही मनाई जाती है` उनका देहांत ईसा वर्ष ११९६ में उनकी ६५ वर्ष की आयु में हुआ और भारत के कुडल संगम में ही उनकी एक समाधी बनाई गयी है।

मोदी के आत्मविश्वास को हल्के में न ले विपक्ष

-राकेश अचल

`तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने से श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी को जनता जनार्दन के अलावा कोई दूसरा नहीं रोक सकत। अठारहवीं लोकसभा के लिए अभी मतदान के चार चरण ही पूरे हुए हैं किन्तु मोदी जी का आत्मविश्वास देखते हुए विपक्ष को सावधान हो जाना चाहिए ,क्योंकि मोदी जी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले सौ दिनों का एजेंडा बना कर रख लिया है। किसी भी राजनेता को मोदी की ही तरह काम करना चाहिए ,ये मै मोदी जी की रीति-नीति का प्रबल विरोधी होते भी कह रहा हूँ। पूरी भाजपा अपने चुनाव घोषणा पत्र को भूल चुकी है और तीसरी बार भी चुनाव भावनात्मक,भ्रामक तथा झूठ के आधार पर लड़ रही है। चौथे चरण की पूर्व संध्या पर भी भाजपा की पूरी टीम और माननीय मोदी जी ने हिन्दुओं के तुष्टिकरण के लिए मुसलमानों का हौवा खड़ा किया है। भाजपा के पक्ष में कोई हवा नहीं है फिर भी मोदी जी अपने सपने में रंग भरने पर आमादा हैं। निश्चित ही उनके हाथ कोई जादू की छड़ी लग गयी है जो जनमत को यकायक उनके पक्ष में खड़ा कर देगी। इंदिरा गांधी भी 1977 के आम चुनाव में उस तरह विपक्ष के निशाने पर नहीं थीं जिस तरह की आज मोदी जी विपक्ष के निशाने पर हैं। लेकिन मोदी जी किशोर कुंजर की तरह झूमते हुए चल रहे हैं। उन्हें आम चुनाव गले में पड़ी माला जैसा लग रहा है। विपक्ष का आत्मविश्वास अपनी जगह है ,लेकिन विपक्ष की और से सत्तापक्ष की तरफ से उछाले गए अबकी 400 पार जैसा कोई नारा नहीं उछाला गया है । लगता है कि विपक्ष केवल और केवल मोदी को रोकने के लिए कोशिश कर रहा है ,भाजपा को रोकने के लिए नहीं ,अन्यथा विपक्ष भी चार सौ पार जैसा कोई नारा उछालता ? भाजपा की सरकार ने अपने दस साल की उपलब्धियों को बलाए ताक रख दिया है। भाजपा और मोदी केवल और केवल हिन्दू-मुसलमान के आधार पर चुनाव लड़ रहे हैं और बेशर्मी के साथ हिन्दू मुसलमान कर रहे हैं। चुनाव के चलते भी भाजपा लगातार अपने भय को छिपाने के लिए दल-बदल के अभियान को जारी रखे हुए है। भाजपा के दूसरे बड़े नेता केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खुद दल-बदल अभियान की कमान सम्हाले हुए हैं। मतदान का चौथा चरण बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि इसी चरण के मतदान के बाद तय हो जाएगा की सत्ता की सीता किसका वरण करेगी वरमाला बूढ़े हो चले जिद्दी नरेंद्र दामोदर दास मोदी के गले में या साठा सो पाठा होने जा रहे राहुल गांधी के गले में। दोनों में भेद ये है कि मोदी स्वयंभू प्रधानमंत्री बन चुके हैं लेकिन राहुल गांधी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। आईएनडीआईए लोकतान्त्रिक तरीके से अपना नेता चुनेगा । भाजपा की तरह वहां कोई भी अपने हाथ से अपने गले में माला डालकर अपने आपको नेता घोषित नहीं कर सकता। भाजपा ने तो मतदान के सभी चरण पूरे होने से पहले ही ,यानि जनादेश आने के पहले ही माननीय मोदी जी को अपना नेता मान लिया है। भाजपा के तमाम प्रत्याशियों को शायद टिकिट ही इसी शर्त पर दिए गए हैं कि वे मोदी जी के लिए ही अपना हाथ खड़ा करेंगे। मै माननीय मोदी जी के आत्मविश्वास की बात कर रहा था । आपको बता दूँ कि 24 में से 36 घंटे काम करने वाले मोदी फिलहाल चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, लेकिन उन्होंने अपनी सरकार के 100 दिन के एजेंडे को लागू करने के लिए अपने शीर्ष सचिवों की 10 समितियां नियुक्त की है।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक मामलों में समय लाभपूर्ण होगा और किस्मत आपका साथ देगी।	**तुला** आज आपके लिए बिजनस और कारोबार के मामले में एक नया दौर शुरू होने वाला है।
वृषभ आपको स्थापित कारोबार में लाभ होगा। आज आपको साझेदारी के सौदे में लाभ होगा।	**वृश्चिक** छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। व्यावसायिक मामले में खुद को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे।
मिथुन धन में वृद्धि के योग हैं। निजी संबंधों के मामले में आपको मतभेद का सामना करना पड़ सकता है।	**धनु** आज धन के मामले में आपको रुके कार्य पूर्ण होंगे और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।
कर्क काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आप युवाओं प्रोत्साहित कर पाने में सफल होंगे।	**मकर** बदलाव के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर हैं। अपने काम पर फोकस करें तो आपको लाभ होगा।
सिंह आज का दिन सफलता से भरा होगा। बेहतर होगा कि आज किसी से कोई उम्मीद न करें।	**कुंभ** दिन आर्थिक मामलों में काफी शानदार होगा। रुपये-पैसों के मामले में आप सचेत नहीं रहें।
कन्या आज आर्थिक मामलों में बदलाव का दिन है। तो फैसले लेंगे वो सही साबित होंगे।	**मीन** रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन सफलता से भरा होगा।

विशेष

भाजपा के नहले पर केजरीवाल का दहला

भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से विपक्ष के राजनीतिक दलों में सेंध लगाती है। विपक्ष में फूट डालकर राजनीतिक फायदा उठाती है। जेल से छूटने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वही रास्ता अख्तियार किया है। उन्होंने भाजपा से पूछा है,उनका अगला प्रधानमंत्री कौन है। 75 साल की उम्र में नरेंद्र मोदी सेवानिवृत्ति होंगे। वह अपनी विरासत अमित शाह को सौंपेंगे? मोदी की गारंटी कौन पूरा करेगा। भाजपा बताए अगला प्रधानमंत्री कौन होगा। इसी तरह से उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निशाने पर लिया है। जिस तरह से भाजपा अपने विपक्षी दलों को घेरती है। उनमें फूट डालने का प्रयास करती है। वैसा ही केजरीवाल ने भाजपा को घेरने का प्रयास किया है। अब भाजपा को जवाब देना पड़ रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने बोल दिया है, कि 75 साल की उम्र सीमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लागू नहीं होगी। 2029 का कार्यकाल मोदी पूरा करेंगे। आगे भी वही प्रधानमंत्री बने रहेंगे। संविधान में प्रधानमंत्री पद के लिए उम्र की सीमा की कोई व्यवस्था नहीं है। जेल में रहते हुए कोई मुख्यमंत्री सरकार नहीं चला सकता है। ऐसी कोई व्यवस्था संविधान में नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के जरिए उन्होंने भाजपा की दूसरी पीढ़ी को यह बता दिया है कि भाजपा में उनके लिए कोई स्थान नहीं है। नहले पर दहला मारना केजरीवाल ने जेल में सीख लिया है। यही कहा जा सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1702: स्वीडन नरेश चार्ल्स की हत्या हुई. 1924: इटली के चुनावों में फासिस्टों को भारी सफलता मिली. 1948: इजरायल की स्थापना हुई. 1960: एयर इंडिया ने पहली बार न्यूयार्क तक उड़ान भरी. 1963: कुबवैत राष्ट्र संघ का 41 वाँ सदस्य बना. 1973: अमेरीका ने अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब प्रथम का प्रक्षेपण किया. 1976: भारत पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध पुनः स्थापित करने के लिए सहमति. 1982: ऑल इंडिया रेडियो का नाम आकाशवाणी रखा गया. 1989: अर्जन्टीना में पोरोवादी नेता कार्लोस मेनेम को राष्ट्रपति चुनावों में भारी सफलता मिली. 1995: चरारे शरीफ में उग्रवादियों का सफाया करने के बाद सेना ने अपना नियंत्रण स्थापित किया. 1997: सीबीआई ने बोफोर्स तोप सौदे में दलाली की जांच रिपोर्ट सौंपी.

दैनिक पंचांग

13 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2024 वर्ष का 134 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि षष्ठी 02.51 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 11.24 बजे को समाप्त।
योग शूल 07.41 बजे को समाप्त।
करण कौलव 14.22 बजे तदनन्तर तैतिल 02.51 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति [illegible] 18° 27'
सूर्य [illegible]
कलि अहर्गण 1871978
जूलियन दिन 2460443.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना [illegible]
तारीख 04
विशेष [illegible] जयंती, स्कंद षष्ठी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.29 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	07.27 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.40 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.56 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.08 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	16.19 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.34 बजे से
राहु	मीन में	धनु	20.50 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.55 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.41 बजे से
		मीन	02.14 बजे से
		मेष	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.45 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2[illegible] बजे तक
अमृत	04.14 से	05.45 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ शुभफल श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय [illegible] [illegible] के आधार पर हैं [illegible] अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। [illegible] Bangalore

अटलू बड़े दिन बाद आए हो?

जब बुआ के पूछने पर अटलजी ने बताई थी सड़कों की ऐसी हालत

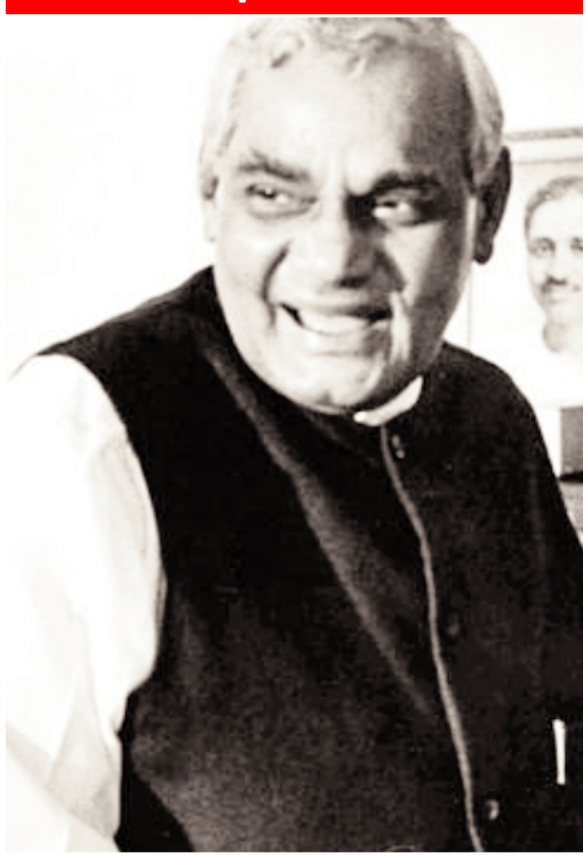

अटल कानपुर देहात में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे अटल जी अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच समय निकालकर अपनी बुआ इंद्रवासिनी के घर भी गए थे। वाजपेयी उनको प्यार से लालू बुआ कहते थे। वहीं लालू बुआ उनको अटलू कहकर बुलाती थी। शायद की लोगों को पता हो कि अटल बिहारी वाजपेयी की बुआ इंद्रवासिनी की शादी कानपुर देहात के गहलो रूरा गांव में हुई थी।

देश में चुनावी मौसम परवान पर है। सियासी बायनबाजी के बीच लोकसभा चुनाव से जुड़े उस किस्से पर बात होगी, जब चुनाव प्रचार के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी अपनी बुआ के घर पहुंचे थे। और खराब सड़कों को लेकर ऐसी बात कही, जो बाद में बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया। दरअसल, यह वाक्या उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात का है, जब मई 1995 में लोकसभा चुनाव से पहले अटल बिहारी वाजपेयी गांव-गांव और शहर-शहर चुनावी दौरे पर थे। इसी दौरान वो कानपुर देहात पहुंचे और उन्होंने वहां भाजपा कार्यकर्ताओं से अपनी बुआ से मिलने की इच्छा जाहिर की।

अटल कानपुर देहात में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे अटल जी अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच समय निकालकर अपनी बुआ इंद्रवासिनी के घर भी गए थे। वाजपेयी उनको प्यार से लालू बुआ कहते थे। वहीं लालू बुआ उनको अटलू कहकर बुलाती थी। शायद की लोगों को पता हो कि अटल बिहारी वाजपेयी की बुआ इंद्रवासिनी की शादी कानपुर देहात के गहलो रूरा गांव में हुई थी। उनके पति का नाम गंगा नारायण मिश्रा था।

शादी के एक साल बाद ही अटल जी के फूफा गंगा नारायण का निधन हो गया। इसके बाद उनकी बुआ अपने परिवार के साथ रहती थी। ऐसे में कानपुर देहात पहुंचे अटल जी वहां कई सभाएं की। फिर अचानक गहलो रूरा गांव जाने की इच्छा कार्यकर्ताओं से जताई। इसके बाद अटल जी के अपने कुछ साथियों के साथ बुआ के घर पहुंचे। भतीजे को देख भावुक हो गई थी बुआ उस दिन जब अटल जी ने जैसे ही लालू बुआ को देखा तो सबसे पहले पैर छुए। और इसके बाद बुआ ने उनको गले लगा लिया। फिर अटलजी ने पूछा कि कैसी हो लालू बुआ? अपने भतीजे को देखकर बुआ भावुक हो उठीं और बोलीं कि अब उम्र बढ़ रही है, बाकी सब बढ़िया है। इसके बाद बुआ ने कहा कि अटलू बड़े दिन बाद आए हो? जिस पर फौरन जवाब देते हुए अटलजी ने कहा, हां, आपके यहां सड़कें ही इतनी खराब हैं। समझ में नहीं आता कि सड़क पर गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। बस इसीलिए मुझे आने में देर हो गई। बताया जाता है कि अटलजी और उनकी बुआ में काफी देर तक बातें हुईं। फिर जब अटलजी ने चलने को हुए तो लालू बुआ ने अपने पल्लू की गांठ खोलकर पैसे देने लगी, जिस पर उन्होंने कहा कि पैसा नहीं बस आपका आशीर्वाद चाहिए। अटल जी को आशीर्वाद स्वरूप दिए पैसे लेकिन बुआ तो बुआ होती है। उन्होंने पैसे पकड़ाते हुए कहा कि अटलू यह भी आशीर्वाद ही है। तुम अब बहुत बड़े हो गए हो, इन्हें रख लो। तुम्हें रास्ते में काम आएंगे। इसके बाद सहज भाव से अटलजी अपनी बुआ की बात सिर आंखों पर रखते हुए पैसे रख लिए। इतना ही नहीं बुआ ने अटल जी को पीएम बनने का आशीर्वाद भी दिया। इसके बाद अटलजी का काफिला गांव से आगे बढ़ गया। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी और तमाम भाजपा नेताओं का काफिला रूरा स्कूल पहुंचा। जहां अटलजी ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान अपने भाषण में उन्होंने बुआ से कही सड़क और गड्ढे वाली बात फिर से दोहराया।

अटल जी ने अपने भाषण में कहा था कि समझ में नहीं पा रहा कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढे। क्या ऐसे ही लोग चलेंगे, उन्हें अच्छी सड़कों का हक है। इसके बाद चुनाव का बड़ा मुद्दा खराब और गड्ढे वाली बन गया। यहां तक की बाकी नेताओं ने भी इस मुद्दे पर जमकर घेरा।

पहले दो चरणों की तरह, तीसरे दौर में भी 2019 की तुलना में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया हालांकि अंतर काफी कम हो गया है। पहले चरण में 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि तीनों चरणों में यूपी और बिहार में मतदान प्रतिशत सबसे कम रहा। खास बात है कि चुनाव आयोग की तरफ से किए गए कई प्रयासों के बावजूद कम वोटिंग प्रतिशत चिंता का विषय है। हालांकि, तीसरे चरण में छत्तीसगढ़, कर्नाटक और गोवा में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई। अब सवाल उठता है कि कम वोटिंग प्रतिशत के सत्ताधारी बीजेपी नीत एनडीए और कांग्रेस के लिए क्या मायने हैं। कई चुनाव विश्लेषक कम वोटिंग प्रतिशत को बीजेपी के लिए झटका बता रहे हैं। हालांकि, अभी चार चरण की वोटिंग बची हुई है। अभी भी घटनाओं और आश्चर्यों की गुंजाइश है जो चुनाव का रुख बदल सकते हैं। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि संभावना का संतुलन बीजेपी के पक्ष में झुका हुआ है, लेकिन शायद उतनी मजबूती से नहीं जितनी उन्हें उम्मीद होगी। जानते हैं कि आखिर कम वोटिंग प्रतिशत का किस पर क्या और कैसे असर पड़ सकता है।

तीसरे चरण में भी कम वोटिंग...

बीजेपी और कांग्रेस के लिए क्या हैं मायने

लोकसभा चुनाव में तीन चरणों के लिए वोटिंग खत्म हो चुकी है। इसके साथ ही देश में आधी लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। हालांकि, इस बार भी पिछले दो चरणों की तरह वोटिंग प्रतिशत 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम रहा। इसका असर किस रूप में दिखेगा।

लोकसभा चुनाव के तीन चरणों के लिए वोटिंग हो चुकी है। मंगलवार को 93 लोकसभा सीटों के लिए तीसरे चरण के मतदान में 64.5 प्रतिशत वोटिंग हुई। यह 2019 के लोकसभा चुनाव में हुए 66प्रतिशत वोटिंग से कुछ कम है। पहले दो चरणों की तरह, तीसरे दौर में भी 2019 की तुलना में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया हालांकि अंतर काफी कम हो गया है। पहले चरण में 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि तीनों चरणों में यूपी और बिहार में मतदान प्रतिशत सबसे कम रहा। खास बात है कि चुनाव आयोग की तरफ से किए गए कई प्रयासों के बावजूद कम वोटिंग प्रतिशत चिंता का विषय है। हालांकि, तीसरे चरण में छत्तीसगढ़, कर्नाटक और गोवा में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई। अब सवाल उठता है कि कम वोटिंग प्रतिशत के सत्ताधारी बीजेपी नीत एनडीए और कांग्रेस के लिए क्या मायने हैं। कई चुनाव विश्लेषक कम वोटिंग प्रतिशत को बीजेपी के लिए झटका बता रहे हैं। हालांकि, अभी चार चरण की वोटिंग बची हुई है। अभी भी घटनाओं और आश्चर्यों की गुंजाइश है जो चुनाव का रुख बदल सकते हैं। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि संभावना का संतुलन बीजेपी के पक्ष में झुका हुआ है, लेकिन शायद उतनी मजबूती से नहीं जितनी उन्हें उम्मीद होगी। जानते हैं कि आखिर कम वोटिंग प्रतिशत का किस पर क्या और कैसे असर पड़ सकता है।

बीजेपी को है टेंशन?

भारत में हो रहे 7 चरण के चुनाव में से तीन चरण के चुनाव हो चुके हैं। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अब तक कम मतदान ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कैंपेन मैनजरों को परेशान कर दिया है। अब यह सवाल उठ रहा है कि बीजेपी नीत एनडीए एक महीने पहले जनमत सर्वेक्षणों में भविष्यवाणी की गई भारी जीत हासिल कर सकते हैं। माना जा रहा है कि कम वोटिंग को आंशिक रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं की उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को लग रहा है कि जीत निश्चित है। दूसरी तरफ पीएम मोदी ने अपने प्रचार अभियान में हिंदू बहुमत, पार्टी के समर्थन आधार को जगाने और उन्हें मतदान केंद्रों तक लाने के लिए रणनीति बदलने के लिए प्रेरित किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के अनुसार वोटिंग प्रतिशत उम्मीद से कम रहा है लेकिन अंतिम नतीजों पर इसका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई मतदाता सुस्त हो गए हैं क्योंकि वे पार्टी की जीत के बारे में आश्वस्त हैं। इस बदलाव का बीजेपी के मतदाताओं पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कम हो सकती हैं एनडीए की सीटें

2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में, बीजेपी ने 303 सीटें जीतीं। वहीं, एनडीए के सहयोगी दलों ने लगभग 50 सीटें जीतीं। इस साल का चुनाव शुरू होने से पहले इसका बीजेपी का नारा था अब की बार, 400 पार। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी नेताओं के साथ ही राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सात चरण के चुनाव के तीन शुरुआती चरणों में कम वोटिंग प्रतिशत ने बीजेपी के लिए भारी बहुमत की उम्मीदें कम कर दी हैं। हालांकि इन लोगों का कहना है कि अभी भी बीजेपी का बहुमत बरकरार रहने की संभावना है। हरियाणा में बीजेपी की प्रचार समिति के सदस्यों में से एक संजय शर्मा ने कहा कि मतदान प्रतिशत में गिरावट मुख्य रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच उदासीनता के कारण है। उन्होंने कहा कि कुछ उम्मीदवार सत्ता विरोधी लहर से प्रभावित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्टी को राज्य में 'कड़ी लड़ाई' का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी ने हरियाणा में 2019 में सभी दस सीटें जीतीं थी।

मतदाताओं के लिहाज से देखें तो कम मतदान प्रतिशत अच्छी खबर नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि लोकसभा चुनाव को लेकर वोटरों में कुछ उदासीनता है। अगर हम 2019 के लोकसभा चुनावों से तुलना करें, तो उदासीनता साफ दिखाई देती है। कम मतदान से किसे चुनावी फायदा होगा और किसको घाटा, वास्तव में इसका कोई हिसाब नहीं होता है। कई बार मतदान प्रतिशत गिरता है फिर भी सरकार जीत कर केंद्र में वापसी करती हैं। कई बार मतदान प्रतिशत कम होने से सरकारों को हार का भी सामना करना पड़ता है।

पीएम मोदी के प्रचार में बदल रहे मुद्दे

दूसरी तरफ पीएम मोदी के चुनाव प्रचार में मुद्दा बदल गया है। मोदी ने खुद अपने प्रचार भाषणों में अपने 10 साल के कार्यकाल में प्रशासन की सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अल्पसंख्यकों, मुस्लिमों और कांग्रेस पर अधिक निशाना साधना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी मंगलसूत्र, पाकिस्तान, मुस्लिमों को आरक्षण जैसे मुद्दे पर विपक्ष को घेर रहे हैं। इतना ही नहीं वे बाटला हाउस एनकाउंटर के मुद्दे पर सोनिया गांधी पर भी निशाना साध रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पीएम मोदी ने पहले चरण के मतदान के बाद से ही अपना शुरू बदल लिया है। यूपी में बीजेपी के जिला चुनाव प्रचार से जुड़े अनिरुद्ध सिंह का मानना है कि अगर चुनाव फरवरी-मार्च के दौरान होता, तो पार्टी को भरपूर चुनावी लाभ मिलता। उस समय राम मंदिर निर्माण को लेकर उत्साह अपने चरम पर था। कैंपेन मैनेजरों का कहना है कि पार्टी मंदिर के उद्घाटन के बाद मोदी के लिए जनता का समर्थन भुनाने में विफल रही है। सिंह ने कहा, यह देखते हुए कि धार्मिक फील-गुड मूड की जगह बड़े पैमाने पर नौकरियों और महंगाई जैसे मुद्दों ने ले ली है। केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों संग बैठक की। बैठक में मतदान के प्रतिशत और वोटिंग पैटर्न के अनुमान के साथ ही बचे हुए चार चरणों के लोकसभा चुनाव की चुनावी रणनीति, एजेंडे, मुद्दे और तैयारियों को लेकर अहम चर्चा की गई।

कांग्रेस का कितना फायदा?

पिछले दो आम चुनावों में मोदी से परास्त होने के बाद, विपक्षी दलों को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी के चुनाव प्रचार अभियान की भाषा और शैली में बदलाव से घबराहट की भावना झलकती है। मतदान के रुझान दिखाते हैं कि उन राज्यों में कोई मोदी लहर नहीं है जहां 2019 में हमारा सफाया हो गया था, इस बार रुझान उत्साहजनक हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को दावा किया कि देश में तीन चरणों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुर्सी डगमगा रही है। खरगे ने कहा कि उन्होंने अपने ही 'मित्रों' पर हमला शुरू कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि यह चुनाव परिणामों के 'असली रुझान' को दर्शाता है। राजस्थान की बात करें तो यहां कम वोटिंग प्रतिशत से राज्य सरकार को नुकसान होता है। वहीं, लोकसभा में वोटिंग प्रतिशत बढ़ता है तो बीजेपी को फायदा होता है। इस बार राजस्थान में वोटिंग प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले कम रहा है।

दूसरी तरफ कांग्रेस अपने प्रचार अभियान में लगातार महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे को उठा रही है। कांग्रेस लगातार यह संदेश दे रही है कि अगर इस बार केंद्र में मोदी सरकार आई तो उनकी वास्तविक मंशा संविधान को बदलना तथा आरक्षण खत्म करना है। कांग्रेस लगातार यह कह रही है कि यही वजह है कि उनकी पार्टी के नेता लोकसभा चुनाव में जनता से '400 से अधिक' सीट जिताने के लिए कह रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का कहना है कि लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों पर भरोसा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह भरोसा अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के कारण अर्जित किया है। देश में अब 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवे, छठे और सातवें चरण के लिए वोट डाले जाएंगे।

81 साल की उम्र में मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के चुनाव प्रचार की धुरी बने हुए हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक खरगे ने पार्टी के लिए प्रचार की जिम्मेदारी संभाली है। पार्टी के प्रचार कार्यक्रम से खरगे की व्यस्तता अंदाजा लगाया जा सकता है। खरगे राहुल गांधी के साथ मिलकर दक्षिण के राज्यों में चुनाव प्रचार पर खास फोकस किया है। वहीं प्रियंका गांधी के साथ मिलकर उत्तर के राज्यों में भी उतने ही एक्टिव नजर आते हैं। खरगे एक दिन में एक राज्य में दो से तीन रैलियां या दो राज्यों में दो रैलियां कर रहे हैं। खरगे ने पिछले तीन सप्ताह में महाराष्ट्र के अलावा अपने गृह नगर कलबुर्गी, बेंगलुरू, कोलार में भी रैलियां की हैं। उन्होंने तमिलनाडु के अलावा राजस्थान में जयपुर के अलावा चितौड़गढ़, बांसवाड़ा में भी पार्टी के लिए प्रचार किया। इतना ही नहीं खरगे बिहार के किशनगंज और कटिहार में भी रैली की है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि राहुल-प्रियंका अलावा चुनाव में प्रचार में खरगे की डिमांड सबसे अधिक है। खरगे ने पार्टी के लिए दक्षिण में चेहरा तो हैं ही उन्होंने छत्तीसढ़ से लेकर देहरादून में कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की। खरगे ने दिल्ली में चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया है। उन्होंने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में तो रोड शो भी किया। इतना ही नहीं खरगे इस उम्र में घर-घर जाकर पार्टी का मेनिफेस्टो भी बांट रहे हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के सीएम रह चुके शरद पवार ने इस चुनाव में जी-जान झोंक दी है। महाराष्ट्र में बारामती, सतारा से लेकर बीड तक पवार ने अपनी पार्टी के लिए मोर्चा संभाला हुआ है। वे अपनी पार्टी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 83 वर्षीय शरद पवार ने बारामती में अपनी बेटी सुप्रिया सुले के लिए प्रचार किया था। पार्टी के लिए रणनीति बनाने से लेकर उनके लिए प्रचार बैठक आयोजित करने में शरद पवार की अहम भूमिका रही है। चुनाव प्रचार में शरद पवार लोगों से एनसीपी (शरद गुट) के पक्ष में ऐतिहासिक जनादेश की अपील कर रहे हैं। विधायक और शरद पवार के पोते रोहित का कहना है कि पिछले 20 दिन में सिर्फ 4 से 5 घंटे की ही नींद ले रहे हैं। हालांकि, इसका असर उनकी सेहत पर भी कुछ दिखा। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है लेकिन सीनियर पवार हैं कि वे थमने-रुकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। शरद पवार की सेहत को लेकर बीड से पार्टी उम्मीदवार बजरंग सोनवने ने लिखा, आप आराम करें, जीत आपके चरणों में है। आप बस अपनी सेहत का ध्यान रखे। इस उम्र में शरद पवार की सक्रियता और एनर्जी का अंदाजा 5 महीने पहले उस कार्यक्रम से लगाया जा सकता है कि जहां वह बारिश के दौरान भीगते हुए भाषण देते रहे थे। नवी मुंबई के उस भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

कम मतदान की बात मिथक

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में कम मतदान से जुड़ी चिंताओं को 'मिथक' बताया है। उन्होंने कहा कि डाले गये मतों की कुल संख्या की तुलना करना मतदान के विश्लेषण का एक बेहतर तरीका है। भारतीय स्टेट बैंक में समूह मुख्य अर्थशास्त्री घोष ने कहा कि वास्तव में पहले दो चरणों में डाले गये वोटों की कुल संख्या में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सोलहवें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य घोष ने कहा कि मतदान 2019 के आम चुनावों के रुख से लगभग 3.1 प्रतिशत कम है। हालांकि उन्होंने कहा कि चुनाव के बाकी चरणों में संख्या 'बढ़ सकती' है और इसमें 'जे-आकार' यानी स्थिर रुख के बाद तेज वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, %2019 के दौरान मतदान प्रतिरूप में सात चरणों में गिरावट देखी गई थी। यह शुरू में 69.4 प्रतिशत रहा और अंत में 61.7 प्रतिशत पर आ गया। हमारा मानना है कि 2024 में स्थिति इसके उलट हो सकती है। पहले दो चरणों में किए मतदान की पूरी संख्या को देखते हुए मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

ऐसी आदतें और बातें जिनकी मदद से समझें कि बच्चा जीनियस है

कुछ बच्चे जीनियस होते हैं और उनमें ऐसी कई आदतें और बातें होती हैं जिनकी मदद से आप समझ सकते हैं कि वो बच्चा जीनियस है।

ये तो हम सभी जानते और समझते हैं कि हर बच्चा अलग होता है और जो खास बातें एक बच्चे में होती हैं, वो दूसरे में नहीं हो सकती हैं। कुछ बच्चे पढ़ाई में बहुत होशियार होते हैं, तो कुछ खेल-कूद में आगे रहते हैं। इस तरह हर बच्चा एक-दूसरे से अलग होता है। इसी तरह कुछ बच्चे जीनियस भी होते हैं और इनमें कुछ बातें या आदतें अलग होती हैं जिनकी मदद से आप ये जान और समझ सकते हैं कि ये बच्चे जीनियस हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस बच्चों में क्या गुण और आदतें होती हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण

आपको बता दें कि इन बच्चों का जीवन के हर पहलू को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रहता है। बात समाज की हो या फिर व्यक्तिगत पहलुओं की, ये हर चीज और मुश्किल के सामने सकारात्मक नजरिया रखते हैं और चुनौतियों से घबराते नहीं हैं बल्कि उनका डटकर सामना करते हैं।

फैसला लेना

जीनियस बच्चों के बारे में ये कहा जाता है कि ये फैसले लेने में निपुण होते हैं। इनमें सही और गलत के बीच फर्क समझने का कौशल और क्षमता होती है और ये अपने हर निर्णय के फायदे और नुकसानों का आंकलन करने की भी क्षमता रखते हैं। कहा जा सकता है कि जीनियस बच्चे अपने फैसले खुद ले सकते हैं।

आत्म-नियंत्रण की भावना

इन बच्चों को अपनी भावनाओं और गुस्से को कंट्रोल करना आता है। आप सोच रहे होंगे कि बच्चे तो इन सभी चीजों के लिए बहुत छोटे होते हैं फिर वो कैसे इतना सब कर सकते हैं। आपको बता दें कि यहां बात जीनियस बच्चों की हो रही है और ये बच्चे खुद पर कंट्रोल रखना जानते हैं।

रचनात्मक होते हैं

जीनियस बच्चों में रचनात्मकता का गुण भी देखा जाता है। इनके कामों ही नहीं बल्कि इनकी सोच और विचारों में भी रचनात्मकता देखी जा सकती है। अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो अपने बच्चे में इस गुण के तलाशकर देखें और अगर उसमें ये गुण नहीं है, तो आप कुछ तरीकों से इसे विकसित भी कर सकते हैं।

जिज्ञासु होते हैं

सबसे महत्वपूर्ण बात कि जीनियस बच्चे जिज्ञासु होते हैं। ये हर चीज के बारे में जानने की उत्सुकता रखते हैं और नए अनुभवों के लिए तैयार रहते हैं। आप ये कह सकते हैं कि इनके सामने जो कुछ भी आता है, ये उसके बारे में जानना चाहते हैं और नई चीजों को समझने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

इसके अलावा अगर आपका बच्चा आपसे बहुत सवाल करता है, तो उसे रोके या डांटे नहीं बल्कि उसके जिज्ञासु मन को शांत करें। इससे बच्चों के ज्ञान का दायरा बढ़ता है और वो बुद्धिमान बनते हैं। ये बच्चे ज्ञानी और बुद्धिमान बन सकते हैं इसलिए आप अपने बच्चे के हर सवाल का जवाब देने की कोशिश करें।

रिश्ते में कड़वाहट को बढ़ने से इस तरह रोकें

पति-पत्नी के रिश्ते में गुस्सा, नाराजगी, प्यार, मोहब्बत सब धूप-छांव की तरह होते हैं। लेकिन यदि गुस्से और नाराजगी का अनुपात ज्यादा हो जाए तो रिश्ता बिगड़ने लगता है। यदि आप भी किसी ऐसे आदमी के साथ रिश्ते में बंधी हैं, जिसे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रहता है तो जान लें इन्हें कैसे हैंडल करना चाहिए।

आज कल लोगों की मनोदशा बहुत तरीके से प्रभावित हो रही है, जिसके कारण वह अपने इमोशन को सही तरह से कंट्रोल करने में समर्थ नहीं है। इससे बहुत ज्यादा गुस्सा आना, मानसिक दबाव महसूस होने जैसी समस्याएं लोगों में बहुत ही बढ़ गई है। ऐसे में रिश्तों को कैसे बचा कर रखा जा सकता है, आप इस लेख में प्रिडिक्शन्स फॉर सक्सेस के संस्थापक और रिलेशनशिप कोच विशाल भारद्वाज से जान सकते हैं। खासतौर पर यदि आप एक गुस्सैल पति या पत्नी के साथ बंधन में बंधे हुए हैं, तो यह टिप्स आपके लिए बहुत काम आ सकते हैं।

धीरज रखें

जब आपके पति क्रोध में हों तो ऐसी स्थिति में आपका गुस्सा करना चीजों को और भी खराब कर सकता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें पूरे तरीके से शांत होने दें। ध्यान रखें कि जब भी पति गुस्से में हो तो पति का शांत रहना बहुत जरूरी है वरना छोटी सी बात भी लड़ाई में बदल जाती है।

पति से उनके गुस्से के बारे में बात करें

अपने पति के एंगर इश्यू के बारे में उनसे खुलकर बात करें। अपने पति से बात करते हुए उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि किस तरह से उनका गुस्सा आपके रिश्ते को खोखला कर रही है। ध्यान रखें कि उन्हें ऐसा महसूस न हो कि आप उन पर कोई आरोप लगा रही हैं या उनमें कमी निकाल रहीं हैं।

उचित समय का चयन करें

किसी भी विषय पर उनसे चर्चा करने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि उनका मूड अच्छा हो। यदि वह पहले से थके या चिड़चिड़े होंगे तो उनके क्रोधित होने की संभावनाएँ ज्यादा होंगी। जिससे आपको एक बार फिर बिना किसी बात के उनका सामना करना पड़ जाएगा। इस समस्या का कारण खोजें बैठ कर आत्म चिंतन करें कि ऐसी कौन सी बातें हैं जो आपके पति को क्रोध दिलाती है। और ऐसी कौन सी बातें हैं या फिर परिस्थिती है जिनके कारण वे क्रोधित होते हैं जब आपको एक बार इसका सही-सही अनुमान हो जाएगा तब आप इसका समाधान बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

एक्सपर्ट की मदद लें

यदि आप और आपके पति स्वयं अपनी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो ऐसे में आप किसी पेशावर से मदद ले सकते हैं। ये तरीका आपके लिए काफी असरदार साबित हो सकती है। ध्यान रखें प्यार और शादी के रिश्ते में इस तरह की चुनौतियां आना आम बात है। ऐसी स्थिति में आप अपने जीवन साथी की समस्याओं से निकलने में सबसे अधिक सहायता कर सकते हैं।

सुविधाओं से ज्यादा सही उत्पाद महत्व रखता है

ऑनलाइन शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल जाता है और घर बैठे सामान भी आ जाता है। लेकिन बड़े सामानों में इन सुविधाओं से ज्यादा सही उत्पाद महत्व रखता है।

केवल लुक पर ना जाएं

कुछ अच्छा दिख रहा है, बस, इसीलिए उसे खरीदने की तैयारी ना कर लें। ऑनलाइन फर्नीचर की प्रस्तुति में कमरे की सज्जा अलग होती है, वैसी आपके घर की नहीं होगी। साथ ही माप का भी ध्यान रखें।

कुछ बातें साफ हों

फर्नीचर को बार-बार बदलना संभव नहीं होगा। इसलिए बेहद सोचकर चुनिए। किस कमरे के लिए लेना है या कमरे की बाकी चीजों के अनुसार लेना है, जूतों के लिए रैक ले रहे हैं या बालकनी के लिए मुड्ढे, जब सब कुछ दिमाग में साफ होगा तो चुनने में आसानी होगी।

मेल का ख्याल रखें

घर में सारा लकड़ी का फर्नीचर है और आपको मेटल या केन फर्नीचर पसंद आ जाता है। इसलिए जो भी फर्नीचर चुनें तो पहले जगह निर्धारित कर लें कि उसे कहां रखेंगे, ताकि वो बाकी फर्नीचर के साथ बेमेल ना लगे। हां, कुछ बदलाव चाहते हैं तो ऐसे फर्नीचर का भी चुनाव कर सकते हैं जो एक दूसरे के पूरक हों।

ये पहले पता करें

फर्नीचर बुक करते समय यह भी जानकारी लें कि फर्नीचर को असेंबल करने की सुविधा दी जा रही है या नहीं। यदि हां तो किस समय तक असेंबल होगा। साथ ही डिसमेंटल करने के बारे में भी कंपनी की सुविधाओं को जान लें। क्योंकि अगर आपको घर बदलना पड़ा और आपका फर्नीचर लिफ्ट के जरिए या सीढ़ियों से जाना पड़ा, तो क्या संभव होगा। इन सभी बातों पर गौर करें।

यह भी समझें

मटेरियल पर भी ध्यान दें। किस तरह की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है, फर्नीचर पर यदि कपड़ा चढ़ा है तो वह किस गुणवत्ता का है। इन सभी बातों को नजरअंदाज ना करें। वेबसाइट पर उत्पाद के नीचे फर्नीचर के मटेरियल की सारी जानकारी होती है, उसे ध्यान से पढ़ें। इसके अलावा कस्टमर के रिव्यू भी देख लें, ताकि पता चल सके कि फर्नीचर में क्या खराबी आ सकती है या किन बातों का ख्याल आपको रखना पड़ेगा।

खास मौके के लिए

यदि किसी खास मौके (त्योहार, फंक्शन आदि) के लिए फर्नीचर बुक कर रहे हैं, ताकि उस खास दिन घर अलग लगे, तो आखिरी समय का इंतजार ना करें। ये भी हो सकता है कि फर्नीचर डिलीवरी के दौरान किसी तरह की टूट-फूट हो जाए। ऐसे में उसे बदलना होगा जिसमें वक्त लग सकता है। इसलिए पहले ही मंगा लें और बदलने के लिए भी कुछ दिनों की गुंजाइश रखें।

गुणवत्ता की परख

ऑनलाइन खरीदारी में गुणवत्ता पता करना जरा मुश्किल होता है। इसलिए किसी भी वेबसाइट पर अच्छी डील या डिस्काउंट के कारण ना जाएं, बल्कि फर्नीचर के लिए जानी-मानी कंपनी की वेबसाइट से ही खरीदारी करें।

कई बार हम पुराने दिनों को याद करते हैं और उन्हीं दिनों में वापिस लौट जाना चाहते हैं। लेकिन वो कहते हैं ना कि बीता हुआ समय वापिस लौटकर नहीं आता। ऐसे में आप पुराने दिनों को तो वापिस नहीं ला सकते, लेकिन पुराने जमाने के लुक्स को रिक्रिएट करके पुरानी यादों को ताजा अवश्य किया जा सकता है। खासतौर से, एक विंटेज लुक के लिए सबसे जरूरी है हेयरस्टाइल पर फोकस करना।

विंटेज लुक के लिए फोकस करें जरूरी हेयरस्टाइल पर

अगर आपने ध्यान दिया हो तो आपने अवश्य पाया होगा कि पुराने समय में कुछ खास हेयरस्टाइल्स को बेहद पसंद किया जाता था। लेकिन अब उन हेयरस्टाइल्स को कोई नहीं बनाता। ऐसे में अगर आप अपने लुक में एक बदलाव चाहती हैं और कुछ अलग करना चाहती हैं तो ऐसे में इन हेयरस्टाइल्स को बना सकती हैं। इन्हें बनाना इतना भी मुश्किल नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही विंटेज हेयरस्टाइल्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके बालों में भी बेहद अच्छे लगेंगे-

वेव्स हेयरस्टाइल्स

जब विंटेज लुक की बात होती है तो ऐसे में बालों को कर्ल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप पहले बालों को कर्ल करें। इसके बाद, आप फ्रंट से भी बालों को अंदर की तरफ कर्ल करें। यह आपके बालों को एक डिफरेंट लुक मिलेगा। इसके बाद, आप बालों में हेडबैंड लगाएं। बस आपका हेयरस्टाइल रेडी है।

बंडाना विंटेज हेयरस्टाइल

यह हेयरस्टाइल ना केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि आपके बालों को एक डिफरेंट लुक देता है। इसके लिए, आप फ्रंट से थोड़े बालों को साइड पार्टिंग करके उसे रोल करें। अब आप बचे हुए बालों को पीछे ले जाएं और बन बनाएं। आप इसे पिन की मदद से फिक्स करें। आखिरी में, अपने हेयरस्टाइल को बंडाना की मदद से और भी अधिक खूबसूरत बनाएं।

साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल

यह साइड स्वेप्ट विंटेज हेयरस्टाइल आपके लुक को केजुअल्स में भी खास बनाता है। इसके लिए आप फ्रंट से थोड़े हेयर लेकर उसे रोल करें और फिर पिन की मदद सिक्योर करें। इसके बाद आप फ्रंट के दोनों साइड्स के हेयर्स को भी रोल करें और पिन की मदद से सिक्योर करें। अब आप अपनी हेयर लेंथ को लाइट कर्ल लुक दें।

विंटेज रोल बन हेयरस्टाइल

अगर आप वेडिंग सीजन में या फिर किसी खास अवसर के लिए एक विंटेज लुक क्रिएट कर रही हैं तो ऐसे में आप अपने बालों में पीछे ले जाकर चिग्नॉन हेयरस्टाइल बनाएं और अपने बालों को एक विंटेज लुक देने के लिए आप साइड में रोल बनाकर उसे पिन की मदद से फिक्स करें। यह हेयरस्टाइल बेहद ही एलीगेंट और ब्यूटीफुल लुक देता है।

कर्ल हाफ अप विंटेज हेयरस्टाइल

इसके लिए आपको बालों को कॉम्ब करने के बाद साइड पार्टिंग करनी है। अब आप बालों को बैक में हल्का पफ लुक दें और बालों को पिनअप करें। इसके बाद, बालों को अधिक वॉल्यूम और विंटेज लुक देने के लिए हेयर लेंथ को कर्ल करें। आप कर्ल हेयर को अपने शोल्डर पर फ्लॉन्ट करें। यह विंटेज हेयरस्टाइल हाउस पार्टीज आदि के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

बॉब कट विंटेज हेयरस्टाइल

अगर आपके बालों को बॉब कट लुक दिया है तो ऐसे में आप बालों को बेहद आसानी से विंटेज लुक दे सकती हैं। इसके लिए आप फ्रंट से बालों को रोल करके सेट करती जाएं। इसके अलावा, आप साइड व पीछे के हेयर्स को भी लूज कर्ल लुक दें।

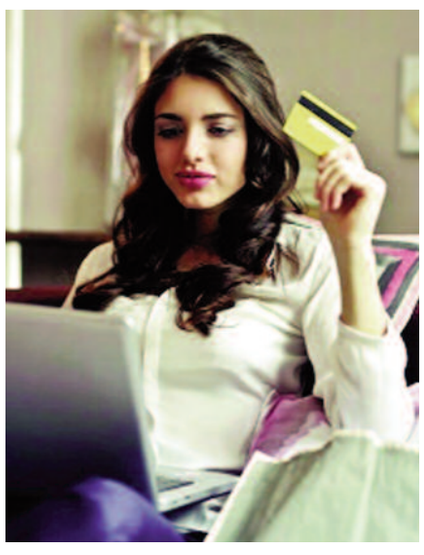

संक्षिप्त समाचार

अर्थशास्त्री पार्क बोले– भारत को 10 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के लिए बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 10 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भूमि और श्रम जैसे कारक बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि भारत में बेरोजगारी के औपचारिक क्षेत्र में भूमि और श्रम जैसे बुनियादी कारक बाजार का आकार अब भी छोटा है। कारक बाजार सुधारों में भूमि, श्रम, ऊर्जा व ऋण तक पहुंच आदि शामिल हैं, जो उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। पार्क ने कहा कि दोहरे अंक की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भारत विभिन्न मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन, 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र व वैश्विक अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारी निवेश की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, नियामकीय व कारोबारी सुगमता के साथशुल्क को आसान और कम कर भारत वैश्विक मूल्य शृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। इसके अलावा, मानव पूंजी में अधिक निवेश करने की जरूरत है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा जैसे सघन विनिर्माण वाले क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जो अब भी बहुत सीमित हैं।साथ ही, यह एशिया के अन्य अधिक गतिशील हिस्सों की तरह तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। हाल ही में एडीबी में चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिएभारत के विकास दर अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। साथ ही, 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद जताईहै।

अब ब्लिंकिट पर खरीद सकते हैं मोकोबारा बैग

नई दिल्ली, एजेंसी। अब ब्लिंकिट पर आपको 10 मिनट में मोकोबारा बैग मिल जाएगा। मोकोबारा बैग इन दिनों काफी चर्चा में बने हुए हैं। लोगों को यह काफी पसंद आ रहे हैं। अब इन्हें ब्लिंकिट से भी खरीदा जा सकता है। ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि कस्टमर अब 10 मिनट में ब्लिंकिट पर मोकोबोरा बैग खरीद सकते हैं। इसे कंपनी ने कई शहरों में लॉन्च किया है। इसके बाद इसका अन्य शहरों में विस्तार किया जाएगा। अभी कंपनी ने जिन शहरों में इसे लॉन्च किया है, उनमें लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, कोलकाता, गुरुग्राम, पुणे, कानपुर, फरीदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर और मुंबई में चुनिंदा स्थान शामिल हैं। इन शहरों में रहने वाले लोग ब्लिंकिट पर इसे खरीद सकते हैं। वहीं कस्टमर को 10 मिनट में मोकोबारा बैग की डिलीवरी कर दी जाएगी। मोकोबोरा बैग्स को कंपनी ने ऑफिस, ट्रेवलिंग, कॉलेज आदि के लिए खासतौर पर डिजाइन किया है। इसमें लैपटॉप के अलावा, पानी की बोतल के लिए अलग स्पेस, छाता रखने के अलग स्पेस, अपने लुक के अनुसार कई कलर ऑप्शन उपलब्ध हैं। मोकोबारा बैग इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। कंपनी की ओर से इसका जमकर प्रचार भी किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, इसे भारत के अलावा कई दूसरे देशों में भी पसंद किया जा रहा है। मोकोबारा एक मेड इन इंडिया ष्ठ2ष्ट स्टार्टअप है। अब कंपनी अपने प्रीमियम ट्रैवल बैग को किफायती बना रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोकोबारा की शुरुआत जनवरी साल 2020 में हुई थी। कंपनी का रेवेन्यू अभी करीब 200 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। कंपनी की बिक्री में लगातार ग्रोथ देखने को मिल रही है।

850 सैलरी से 55,000 करोड़ का साम्राज्य, जिद्दी कारोबारी जिसने बदल डालीं भाग्य की रेखाएं !

नई दिल्ली, एजेंसी। एस्ट्रल पाइप्स किसी पहचान की मोहताज नहीं है। यह अलग-अलग तरह के पाइप और फिटिंग की मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली दिग्गज कंपनी है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इस सफल कंपनी को खड़ा करने में किसका हाथ है आज हम आपको उन्हीं से मिलाते हैं। उनका नाम है संदीप इंजीनियर। वह एस्ट्रल पाइप्स के संस्थापक हैं। संदीप इंजीनियर देश के चुनिंदा उद्योगपतियों में से एक हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बूते करोड़ों का कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया है। वह बिना किसी पारिवारिक पृष्ठभूमि के उद्योग जगत में सफलता हासिल करने वालों में शुमार हैं। एक ऐसा भी समय था जब उन्होंने 850 रुपये की मामूली नौकरी की।

केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री

संदीप इंजीनियर का जन्म 1961 में गुजरात के अहमदाबाद में हुआ था। उन्हें कारोबारी सफलता की राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अपनी केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद उन्होंने कैडिला लैबोरेटरीज (अब जाइडस लाइफसाइंसेज) में एक प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में काम करना शुरू किया। यहां उन्हें सिर्फ 850 रुपये महीने का मामूली वेतन मिलता था। संदीप ने कंपनी के साथ करीब दो साल तक काम किया।

नौकरी छोड़ने का लिया साहसिक फैसला

फिर नौकरी छोड़ने के बाद संदीप ने 1981 में अपना पहला व्यवसाय शुरू करने का साहसिक फैसला लिया। उन्होंने फ्लेवर्ड ईसबगोल का डिस्ट्रीब्यूटर बनने का विकल्प चुना। लेकिन, कारोबारी दुनिया में उनका यह पहला कदम असफल रहा। दुकानदार उधार माल चाहते थे। बिक्री न होने पर पेमेंट फंसाते थे। संदीप के लिए यह नुकसानदेह साबित हुआ। 5,000 रुपये के नुकसान के साथ उन्हें अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा।

झटकों से निराश नहीं हुए

संदीप इंजीनियर इस शुरुआती झटके से निराश नहीं हुए और उन्होंने नए अवसरों की तलाश जारी रखने का फैसला किया। कैडिला हेल्थकेयर के चेयरमैन पंकज पटेल के मार्गदर्शन में उन्होंने श्री केमिकल्स नाम की कंपनी के जरिये ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के निर्माण में कदम रखा। दुर्भाग्य से इस व्यवसाय में उनके सामने क्वालिटी संबंधी समस्याएं सामने आईं। इसके कारण संदीप इंजीनियर को इस व्यवसाय से भी अलग हटना पड़ा।

सीपीवीसी की क्षमता को पहचाना

संदीप इंजीनियर की कारोबारी यात्रा में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने अमेरिकी कंपनी लुब्रीजोल (तब बी.एफ.गुडरिच परफॉरमेंस मैटीरियल्स) में काम करते हुए सीपीवीसी (क्लोरीनेटेड पॉलीविनाइल क्लोराइड) पाइप की क्षमता के बारे में जाना। भारतीय बाजार में तब तक इसकी क्षमता को खोजा नहीं गया था। इसकी पोटेंशियल को महसूस करते हुए वह अपने देश वापस आ गए। साल 1998 में उन्होंने एस्ट्रल पॉली टेक्निक की स्थापना की। इससे यह देश में सीपीवीसी पाइप के निर्माण के लिए लाइसेंस प्राप्त करने वाली अग्रणी कंपनी बन गई।

करोड़ों की बन चुकी है कंपनी

एस्ट्रल पॉली टेक्निक ने 2011 में अपने सीपीवीसी पाइप व्यवसाय की सफलता के कारण एस्ट्रल पाइप्स के रूप में अपना नाम बदल लिया। संदीप इंजीनियर के सबसे बड़े बेटे कैरव का व्यवसाय में प्रवेश इसी बदलाव के साथ हुआ। 2014 में कैरव ने लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में लाकर ब्रांड की विजिबिलिटी को और बढ़ाया। कंपनी का सालाना राजस्व 2007 में 60 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 तक 5,100 करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

अडानी एंटरप्राइजेज का बड़ा प्लान, 80 हजार करोड़ रुपए के निवेश की बनाई योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी का अडानी ग्रुप लगातार नए प्रोजेक्ट्स में निवेश को बढ़ा रहा है। अब अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में 80,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है। अडानी एंटरप्राइजेज का बिजनेस रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर एयरपोर्ट और डाटा सेंटर्स जैसे सेक्टर में है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 के कैपिटल एक्सपेंडिचर का एक बड़ा हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस और एयरपोर्ट्स पर होगा। रिन्यूएबल एनर्जी और एयरपोर्ट सेगमेंट में करीब 50,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय होगा। इस ग्रुप की अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड सोलर मॉड्यूल बनाती है। यह सूर्य के प्रकाश को बिजली और ग्रीन हाइड्रोजन में बदलता है। सौरभ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे की वजह से हम सड़क क्षेत्र में भी 12,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। बाकी रकम कारोबारी क्षेत्रों में खर्च की जाएगी।

बनाया ये प्लान

अडानी एंटरप्राइजेज के डिप्टी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सौरभ शाह ने एक विश्लेषक कॉल में कहा कि कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 के पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार और हवाई अड्डों पर होगा। उन्होंने कहा, ''हम 2024-25 में लगभग 80,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय पर विचार कर रहे हैं। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा...एएनआईएल और हवाई अड्डा कारोबार में जाएगा। इन क्षेत्रों में लगभग 50,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय होगा।'' अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) सौर मॉड्यूल बनाती है जो सूर्य के प्रकाश को बिजली और हरित हाइड्रोजन में परिवर्तित करता है। उन्होंने कहा, ''फिर तीसरा हिस्सा सड़कों का होगा। गंगा एक्सप्रेसवे के कारण सड़क क्षेत्र में 12,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। शेष राशि अन्य कारोबार क्षेत्रों पर खर्च की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि हम अपनी पीवीसी परियोजना भी शुरू करने जा रहे हैं। ऐसे में पीवीसी कारोबार में 10,000 करोड़ रुपए लगाए जाएंगे। शेष 5,000 करोड़ रुपए डाटा केंद्रों पर खर्च होंगे। शाह ने कहा कि एएनआईएल 10 गीगावाट सौर मॉड्यूल के साथ-साथ तीन गीगावाट पवन टर्बाइन का उत्पादन करने के लिए कारखानों को लक्षित कर रही है। इधर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर में तेजी भी देखने को मिल रही है। अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर बीते शुक्रवार को 1.37 फीसदी के उछाल के साथ 2,803.90 रुपए पर बंद हुए थे। इसने पिछले 6 महीने में करीब 27 फीसदी का रिटर्न दिया है।

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़, चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं। इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

नई दिल्ली।गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुईहै।निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआथा।एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

क्रेडिट कार्ड: बकाया भुगतान के लिए मिलेंगे तीन दिन अतिरिक्त, जरूरत पर सात दिन में बंद करा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने पारदर्शिता बढ़ाने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। नएनियमों के तहत आप अपने हिसाब से कार्ड नेटवर्क का चुनाव कर सकते हैं।जरूरत पर क्रेडिट कार्ड को सात दिन में बंद करा सकते हैं। खास बात है कि क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव कर आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत दी है।वह राहत है...बकाया भुगतान के लिएदेय तिथि से तीन दिन का अतिरिक्त समय।इसका मतलब है किअगर आप देय तिथि के तीन दिन बाद भी क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाते हैं तो आपको किसी भी तरह का विलंब शुल्क नहीं भरना होगा।

...उपयोगकर्ताओं को मिलेगा मुआवजा

संशोधित नियमों के तहत कार्ड जारी करने वाले बैंकों को अनुरोध के सात कार्यदिवसों के भीतर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वे कार्डधारक को विलंब शुल्क के रूप में प्रतिदिन 500 का भुगतान करेंगे। कार्ड जारीकर्ता अगर आपके अनुरोध तिथि से कार्ड बंद करने में 10 दिन लगाते हैं, तो इसे तीन दिन विलंब माना जाएगा। इस देरी के लिए वे क्रेडिट कार्डधारक को 1,500 रुपये का मुआवजा देंगे।

क्रेडिट स्कोर पर असर नहीं

क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के लिए देय तिथि के अतिरिक्त आपको तीन दिन मिलेंगे। इस अवधि के बाद ही कार्ड जारीकर्ता इस बकाये पर रिपोर्ट कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।खास बात है कि इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित नहीं होगा। उदाहरण के लिए, अगर बकाया भुगतान की देय तिथि एक मई है और आप 4 मई को भुगतान करते हैं, तो इस पर आपको विलंब शुल्क नहीं चुकाना पड़ेगा।

बिजनेस क्रेडिट कार्ड

कारोबारी संस्थाएं व एकमात्र प्रोपराइटर बिजनेस क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसे चार्ज कार्ड के रूप में जारी किया जाता है और इसमें ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। नए नियमों के तहत कारोबारी संस्थाएं व्यावसायिक खर्चों के लिए व्यक्तिगत कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। यह नियमों-शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

30 दिन के भीतर जरूर सक्रिय कर लें कार्ड

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि नए नियमों के तहत कार्डधारक अब अपना कार्ड नेटवर्क चुन सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार बकाया भुगतान के लिएबिलिंग साइकिल तय कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि क्रेडिट कार्ड को 30 दिनों के भीतर सक्रिय जरूर कर लें। साल में कम-से-कम एक बार अपने कार्ड का उपयोग जरूर करें। ऐसा नहीं करने पर आपका कार्ड निष्क्रिय हो सकता है।

बालों और कंप्यूटर सहित कई सामानों का निर्यात काफी बढ़ा

कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 170.9 फीसदी का उछाल आया

हीरे और कपड़े आदि सामानों का एक्सपोर्ट कम हुआ है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कई चीजों के निर्यात में काफी उछाल देखने को मिला है। भारत सरकार कई दूसरी कंपनियों को लाने की कोशिश कर रहा है, जिससे वो देश में ही चीजें बनाए और चीन पर निर्भरता कम हो सके। भारत ने एप्पल और सैमसंग जैसी कई कंपनियों को आकर्षित किया है। वहीं स्मार्टफोन और दूसरे महंगे सामानों के एक्सपोर्ट पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन, कुछ ऐसे सामान भी हैं जिनका एक्सपोर्ट बहुत तेजी से बढ़ा है, भले ही वो हाई-टेक न हों। इसके सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट बालों का बढ़ा है। बालों का निर्यात कोरोना काल से पहले साल 2018-19 में करीब 34.5 मिलियन डॉलर था। यह पिछले साल बढ़कर करीब 180 मिलियन डॉलर हो गया है। इसमें 5 गुना से ज्यादा उछाल आई है। टेलीकॉम, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 170.9 फीसदी का उछाल आ चुका है।

खूब बढ़ा निर्यात

इसी तरह, एक खास तरह के तांबे के तारों का एक्सपोर्ट 76 मिलियन से बढ़कर 867 मिलियन हो गया है। ये 11 गुना का इजाफा है। वहीं मूंगफली के तेल का एक्सपोर्ट तो 2018-19 में लगभग ना के बराबर था, जो पिछले साल 217 मिलियन हो गया है। स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट भी दस गुना बढ़ा है। साल 2019 वित्तीय वर्ष में यह 1.6 बिलियन था जो 2024 में 15.5 बिलियन हो गया है। सरकारी नीतियों की वजह से यह मुमकिन हुआ है।

तुर्की, अमेरिका और ब्रिटेन में पिछले साल इलेक्ट्रॉनिक सामानों का एक्सपोर्ट सबसे ज्यादा बढ़ा है। कुल मिलाकर पिछले वित्तीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक सामानों का एक्सपोर्ट 23.6 प्रतिशत बढ़कर 29 बिलियन से ज्यादा हो गया है। लोहे की धात का एक्सपोर्ट भी दोगुना से ज्यादा बढ़कर 3.9 बिलियन हो गया है। पिछले पांच सालों में उबले हुए चावल का एक्सपोर्ट भी दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। साल 2019 में यह 1.5 बिलियन था जो पिछले साल 3.3 बिलियन हो गया। वहीं कैंसर की दवाइयों का एक्सपोर्ट भी तीन गुना बढ़कर 1.5 बिलियन से ज्यादा हो गया है। गाड़ियों का एक्सपोर्ट भी 43 प्रतिशत बढ़कर 4.3 बिलियन हो गया है।

लेकिन, हीरे और कपड़े जैसे कुछ पारंपरिक चीजों का एक्सपोर्ट कम हुआ है। हीरों का एक्सपोर्ट पांच सालों में एक तिहाई घटकर 23.7 बिलियन हो गया है। कॉटन की टी-शर्ट का एक्सपोर्ट 15 प्रतिशत घटकर 1.6 बिलियन रह गया है। चमड़े का एक्सपोर्ट भी 11 प्रतिशत घटकर 2.5 बिलियन रह गया है।

अक्षय ऊर्जा की चमक बढ़ी, फिर भी जलेगा ज्यादा कोयला

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दशक देश में अक्षय ऊर्जा का स्वर्णिम युग रहा है। मार्च 2024 में हरित ईंधन के प्रमुख स्रोत जैसे सौर व पवन ऊर्जा की क्षमता बढ़कर 136 गीगावॉट हो गई जबकि यह मार्च 2014 में 35 गीगावॉट थी। अक्षय ऊर्जा की क्षमता में जबरदस्त मांग के बावजूद इस साल बिजली की मांग 12 फीसदी ही बढ़ी है।

बिजली ग्रिड में तकनीकी सीमा के कारण अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी सीमित है। इस साल देश में रिकॉर्ड तेज गर्मी पड़ने की आशंका के कारण भारत में ग्रिड फिर कोयले पर आश्रित हो गया है। प्लांट लोड फैक्टर में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 16-18 फीसदी और तापीय ऊर्जा की 70 फीसदी है। इक्रा लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ऐंड ग्रुप हेड गिरीश कुमार कदम ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में बिजली उत्पादन मिश्रण में अक्षय ऊर्जा का योगदान (पनबिजली को छोड़कर) करीब 14 फीसदी है जबकि मार्च 2024 तक अक्षय ऊर्जा की स्थापित क्षमता 32 फीसदी थी।

दरअसल पनबिजली का कम उत्पादन हो रहा है, गैस उपलब्ध नहीं है और नवीकरणीय या अक्षय ऊर्जा भंडारण की सुविधा के बिना भरोसेमंद नहीं हैं। ऐसे में बिजली की रोजाना की 80 फीसदी मांग कोयले वाले बिजली संयंत्रों से पूरी होती है। ग्रिड इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार सौर घंटों (दिन में) में अक्षय ऊर्जा औसतन बिजली मांग के 25-30 फीसदी को ही पूरा कर पा रही है और यह रात में शून्य है। लिहाजा कोयले से बनने वाली बिजली की 24 घंटे जरूरत है। दिल्ली में नैशनल लोड डिस्पैच सेंटर (एनएलडीसी) का कहना है, 'सौर और पवन बिजली से दिन में बिजली मिलती है और रात में अचानक इस बिजली की 40 गीगावॉट कमी हो जाती है।

अक्षय ऊर्जा से करीब 32 फीसदी तात्कालिक मांग को पूरा किया जा सकता है लेकिन कोयले से बनने वाली बिजली को घटाए जाने की जरूरत है। मगर कोयले से बनने वाली बिजली की हिस्सेदारी एक खास सीमा से नीचे नहीं लाई जा सकती है और यह दिन में पूरी क्षमता से कार्य करती है। लिहाजा पर्याप्त अक्षय ऊर्जा के बावजूद कोयला अहम भूमिका निभा रहा है।

सीन विलियम्स ने कहा टी20 क्रिकेट को अलविदा

वनडे और टेस्ट में खेलना रखेंगे जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सीन विलियम्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश में हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद यह फैसला लिया है। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सीन

विलियम्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश में हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद यह फैसला लिया है। बांग्लादेश ने शुरुआती चार मैचों में जीत दर्ज की जबकि आखिरी मुकाबला जिम्बाब्वे ने जीता। विलियम्स इस सीरीज के पहले और आखिरी मैच में खेलते नजर आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह वनडे और टेस्ट में खेलना जारी रखेंगे। जिम्बाब्वे के अधिकारी ने कहा, उन्होंने (विलियम्स) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया और खेल के बाद अपने टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में सूचित किया। विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए 81 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इनमें उन्होंने 126.38 की स्ट्राइक रेट से 1691 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 48 विकेट भी हासिल किए।

बांग्लादेश वर्सेस जिम्बाब्वे

जिम्बाब्वे ने आठ विकेट से जीता सीरीज का आखिरी मैच

बांग्लादेश को क्लीन स्वीप करने से रोका

ढाका, एजेंसी। कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट की शानदार पारियों की मदद से जिम्बाब्वे ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करके बांग्लादेश को पांच मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप नहीं करने दिया। बांग्लादेश ने

6 विकेट पर 157 रन बनाए। जिम्बाब्वे ने 18.3 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाकर जीत हासिल की। बांग्लादेश ने इस तरह से यह सीरीज 4-1 से जीत ली। जिम्बाब्वे की पारी का आकर्षण कप्तान रजा और बेनेट के अर्धशतक रहे। रजा ने नाबाद 72 रन बनाए जबकि बेनेट ने 70 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की जिससे जिंबाब्वे नौ गेंद शेष रहते ही जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। महमुदुल्लाह (54) और कप्तान नजमुल (36) की पारियों से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। बेनेट ने 20 रन देकर दो विकेट लिए।

चोटिल रमित टंडन स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के रमित टंडन को मिस्र के काहिरा में स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप में दुनिया के 7वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद अल शोरबागी के खिलाफ दूसरे दौर के मैच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा। दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी रमित टंडन ने पहले गेम में पूर्व विश्व चैंपियन मोहम्मद अलशोरबागी को कड़ी टक्कर दी और 11-8 से गेम हारे। इसी दौरान उन्हें पिंडली में चोट लग गई। इसके बावजूद वह दूसरा गेम खेलने उतरे, लेकिन दर्द बढ़ने पर बीच में ही मैच छोड़ना पड़ा। उस समय वह 3-4 से पीछे थे। यह पूर्व विश्व नंबर 1 मिस्री-इंग्लिश खिलाड़ी के साथ टंडन का पहला मुकाबला था। टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश पाने वाले विश्व नंबर 36 भारतीय ने पहले दौर में विश्व नंबर 57, अमेरिका के फ़राज खान पर 11-1, 11-3, 11-3 से आसान जीत दर्ज की थी।

आईपीएलः 2024

दिल्ली के खिलाफ जीत के बाद जश्न में डूबे आरसीबी के खिलाड़ी

बेंगलुरु, एजेंसी। आरसीबी ने इस सीजन की शुरुआत अच्छी तरह नहीं की थी और लगातार छह मैच हारे थे जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना धूमिल हो गई थी। हालांकि, आरसीबी ने लगातार हार के बाद अपने खेल के तरीके को बदला और जीत की पटरी पर लौटने में सफल रही। फाफ डुप्लेसिस की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने रविवार को होम ग्राउंड पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज कर प्लेऑफ में जाने की अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं। यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत है और उसने खराब शुरुआत के बाद जबरदस्त वापसी की है। आरसीबी ने इस सीजन की शुरुआत अच्छी तरह नहीं की थी और लगातार छह मैच हारे थे जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना धूमिल हो गई थी। हालांकि, आरसीबी ने लगातार हार के बाद अपने खेल के तरीके को बदला और जीत की पटरी पर लौटने में सफल रही।

मैच में क्या हुआ?

आईपीएल 2024 के 62वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हरा दिया। यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 187 रन बनाए थे। रजत पाटीदार ने 32 गेंद में 52 रन और विल जैक्स ने 29 गेंद में 41 रन की पारी खेली थी। विराट कोहली ने 27 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली की टीम 19.1 ओवर में 140 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत की जगह मैच में कप्तानी कर रहे अक्षर पटेल ने 39 गेंद में 57 रन बनाए। यश दयाल ने तीन और लोकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट झटके।

सूर्यकुमार को लेकर गंभीर को है इस बात का पछतावा, खुद किया खुलासा

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव लंबे समय से आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं और ना सिर्फ टीम के बल्लेबाजी क्रम मजबूती देते हैं बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखते हैं। मुंबई में अपने शानदार प्रदर्शन से सूर्यकुमार यादव भारत की सीमित ओवर टीम में शामिल हुए और अब आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। सूर्यकुमार मुंबई से पहले 2014 से 2017 तक कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए खेलते थे। उस वक्त केकेआर के कप्तान रहे गौतम गंभीर ने अब इस बात का खुलासा किया है कि उन्हें सूर्यकुमार की क्षमता ना पहचान पाने का मलाल है।

सूर्यकुमार ने मुंबई से शुरू किया था करियर

सूर्यकुमार ने 2012 से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उन्होंने उस सीजन मुंबई के लिए सिर्फ एक ही मैच खेला था। इसके बाद मुंबई ने सूर्यकुमार को रिलीज कर दिया था और 2014 में वह केकेआर के साथ जुड़े। सूर्यकुमार के पहले ही सीजन में केकेआर ने गंभीर की कप्तानी में आईपीएल का खिताब जीता। सूर्यकुमार चार साल तक केकेआर से जुड़े रहे और 54 मैचों में 608 रन बनाए, लेकिन उनके ज्यादातर स्कोर निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए आए।

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी लाइनअप तय नहीं कर पाने का मलाल- केकेआर को अपनी कप्तानी में दो बार आईपीएल का खिताब दिलाने वाले गंभीर ने इस बात को स्वीकार किया कि अपने कार्यकाल में सूर्यकुमार की क्षमता और बल्लेबाजी लाइनअप तय नहीं कर पाने का उन्हें आज भी मलाल है। गंभीर ने कहा, एक लीडर की भूमिका सर्वश्रेष्ठ क्षमता की पहचान करना और उसे दुनिया के सामने लाने की होती है। अपने सात साल के कप्तानी के कार्यकाल में कोई एक चीज जिसका मुझे मलाल है वो सूर्यकुमार की क्षमता का अच्छे से इस्तेमाल नहीं कर पाना है। इसी कारण हम उसे संयोजन में निचले क्रम पर उतारते थे। आप किसी एक खिलाड़ी को ही नंबर तीन पर उतार सकते हो और एक कप्तान के तौर पर आपको प्लेइंग-11 में शामिल अन्य 10 खिलाड़ियों के बारे में भी सोचना होता है। सूर्यकुमार नंबर तीन पर अच्छा खेलते, लेकिन वह सातवें नंबर पर भी उसी तरह बल्लेबाजी करते थे।

विराट कोहली की RCB ने कैसे जड़ा जीत का पंच, इस खिलाड़ी ने बताई इनसाइडस स्टोरी

बेंगलुरु एजेंसी। तेज गेंदबाज यश दयाल ने आईपीएल के दूसरे हाफ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जोरदार वापसी का श्रेय टीम के आक्रामक होकर खेलने को दिया। लगातार छह हार के बाद आरसीबी ने लगातार पांच जीत दर्ज की और टीम प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। आरसीबी ने अपने पिछले मैच में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हराया और 13 मैच में 12 अंक के साथ टीम तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

दिल्ली के खिलाफ 20 रन देकर तीन विकेट लेने वाले दयाल ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों में हमारे प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। मुझे लगता है कि हमने पिछले कुछ मैचों में आक्रामक होकर खेलना शुरू कर दिया है। यह हमारे लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष रहा है।' बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि जब आरसीबी को हार का सामना करना पड़ रहा था तब भी ड्रेसिंग रूम में टीम एकजुट थी। उन्होंने कहा, 'जब आप लगातार मैच हारते हैं, जैसा कि हमारे साथ हुआ, तो मनोबल थोड़ा कम हो जाता है। लेकिन हमने इसे स्वीकार किया और अच्छी वापसी की।' दयाल ने कहा, 'लेकिन जब हम हार रहे थे तब भी किसी पर अंगुलियां नहीं उठाई गईं। हम पूरे सत्र में सकारात्मक बने रहे।' दिल्ली के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने कहा कि उनकी टीम ने कैच छोड़कर आरसीबी को कुछ और रन जोड़ने दिए तथा प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाने दिए।

जडेजा आईपीएल में मैदान में बाधा डालने पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी

सैमसन ने इस तरह भेजा पवेलियन

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 61वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। चेपॉक में खेले गए इस मुकाबले को सीएसके ने पांच विकेट से अपने नाम किया। हालांकि, मैच में चेन्नई की पारी के दौरान एक दिलचस्प वाकया भी देखने को मिला। रवींद्र जडेजा मैदान में बाधा डालने या फिर यूं कहें क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने के लिए आउट करार दिए गए। आईपीएल में इस तरह से आउट होने वाले वह सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बने। हालांकि, जडेजा के आउट होने से सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की नाबाद 42 रन की पारी और समीर रिज्वी के नाबाद 15 रन की बदौलत चेन्नई ने पांच विकेट से जीत हासिल की।

क्या है पूरा मामला?

राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 141 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने धीमी बल्लेबाजी की और एक वक्त चार विकेट गंवाकर 121 रन बना लिए थे। 16वें ओवर में आवेश खान गेंदबाजी के लिए आए। तब ऋतुराज के साथ जडेजा क्रीज पर थे। ओवर की पांचवीं गेंद पर जडेजा ने थर्ड मैन पर शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े। एक रन लेने के बाद वह दूसरे रन के लिए दौड़े और आधे पिच तक दौड़ गए थे। हालांकि, ऋतुराज ने स्ट्राइक एंड से उन्हें वापस जाने के लिए कहा।

पाक वर्सेस ऑयरलैंड

पाकिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 16.5 ओवर में चेज किए 194 रन

बाबर सबसे कामयाब टी20 कप्तान

डबलिन, एजेंसी। पहला मैच आयरलैंड ने पांच विकेट से अपने नाम किया था। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला 14 मई को खेला जाएगा। पाकिस्तान के टी20 कप्तान रहते हुए बाबर की यह 45वीं जीत थी। वह पाकिस्तान के सबसे कामयाब टी20 कप्तान हैं। पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरा मैच सात विकेट से अपने नाम किया। डबलिन में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 193 रन बनाए थे। लोर्कन टकर ने 51 रन की पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान ने 16.5 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान बाबर आजम फेल रहे और खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 46 गेंद में 75 रन की नाबाद पारी खेली। फखर जमान ने 40 गेंद में 78 रन बनाए। आजम खान ने 10 गेंद में 30 रन की नाबाद पारी खेली। सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। पहला मैच आयरलैंड ने पांच विकेट से अपने नाम

किया था। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला 14 मई को खेला जाएगा। पाकिस्तान के टी20 कप्तान रहते हुए बाबर की यह 78 मैचों में 45वीं जीत थी। वह दुनिया के सबसे कामयाब टी20 कप्तान बन गए हैं। उनके रहते पाकिस्तान की टीम को 26 मैचों में हार मिली है। सात मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। बाबर ने युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा का रिकॉर्ड तोड़ा। ब्रायन की कप्तानी में युगांडा ने 44 मैच जीते थे।

बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले कप्तान

कप्तान	मैच	जीते	
बाबर आजम	78	45	
ब्रायन मसाबा	56	44	
असगर अफगान	52	42	
इयोन मोर्गन	72	42	
रोहित शर्मा	54	41	
एमएस धोनी	72	41	

आयरलैंड की पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के लिए लॉर्कन टकर ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली। दरअसल, सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान पॉल स्टर्लिंग सिर्फ 11 रन और एंडी बलबरिनी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा टकर और टेक्टर ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी हुई जिसे अब्बास ने तोड़ा। टेक्टर 28 गेंदों में 32 रनों की पारी खेलकर आउट हुए। इस मैच में कर्टिस कैम्फर ने 22, जॉर्ज डॉकरेल ने 15 और मार्क डेयर ने नौ रन बनाए। वहीं, गेरेथ डलेनी 28 और ग्राहम ह्यूम दो रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी ने तीन और अब्बास अफरीदी ने दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद आमिर और नसीम शाह को एक-एक सफलता मिली।

पाकिस्तान की पारी- 194 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और फखर जमान ने विस्फोटक प्रदर्शन किया।

टी20 विश्व कप से पहले टॉम मूडी ने टीम इंडिया पर उठाए सवाल!

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने सवाल उठाया है कि क्या भारत विश्व कप जीतने के लिए उस स्तर का क्रिकेट खेल पाएगा, जो वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए जरूरी है। टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में निर्धारित है, जबकि आईपीएल 26 मई को समाप्त होगा। आईपीएल 2024 के लिए आधिकारिक टीवी ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट विशेषज्ञ और कमेंटेटर टॉम मूडी ने आईएएनएस को बताया, ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से इन आईसीसी प्रतियोगिताओं में बहुत प्रदर्शन किया है क्योंकि वे बड़े टूर्नामेंट अच्छा खेलते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत को एक बहुत मजबूत टीम मिली है और उनके पास बहुत सारे मैच विनर हैं, लेकिन सवाल यह है

कि क्या वे इस टीम को इतने कम समय में स्टेबल बना सकते हैं। आईपीएल के तुरंत बाद वर्ल्ड कप का आगाज होना है और टीम के पास तैयारियों के लिए ज्यादा समय नहीं होगा।

आईपीएल के लीग चरण के समापन के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों का पहला बैच अमेरिका के लिए रवाना होगा। नॉकआउट चरण में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी आईपीएल 2024 फाइनल के बाद टीम में शामिल होंगे। इससे कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या खिलाड़ी नई परिस्थितियों के साथ इतने कम समय में तालमेल बिठा पाएंगे।

टॉम मूडी ने कहा, इस स्तर पर यह कहना बहुत मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह विश्व कप जैसा ही होगा। हमें अभी तक यह समझ में नहीं आया है कि अमेरिका में परिस्थितियां कैसी होंगी।

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले प्लेयर बने दिनेश कार्तिक, मैक्सवेल और रोहित छूटे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 62वें लीग मैच में आरसीबी ने दिल्ली को 47 रन से हरा दिया। इस मैच में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और फिर आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 187 रन बनाए। इसके बाद दिल्ली की टीम इस मैच में 19.1 ओवर में 140 रन पर आउट हो गई और इस टीम को 47 रन से हार मिली। इस मैच में आरसीबी के विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस मैच में वो पहली पारी में डक पर आउट हो गए और इस लीग में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए।

ऑरमैक्स ने जारी की अप्रैल की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों की सूची, आलिया ने मारी बाजी

हिन्दी सिने अभिनेत्रियों के लिए यह साल खास रहने वाला है। फीमेल सेंट्रिक फिल्मों के अलावा अभिनेत्रियाँ अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर रही हैं। अप्रैल के महीने में क्रू जैसी फिल्म ने धमाका किया था। आने वाले वक्त में जिगरा जैसी फीमेल सेंट्रिक फिल्म दस्तक देने वाली है। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारी ये हीरोइन किसी बड़े हीरो से कम है क्या। ऑरमैक्स ने अप्रैल की सबसे पॉपुलर अभिनेत्रियों की एक सूची जारी की है। इस सूची में इन अभिनेत्रियों ने अपनी जगह बनाने में सफलता प्राप्त की है।

आलिया भट्ट

ऑरमैक्स की लिस्ट में टॉप पर आलिया भट्ट हैं। अप्रैल का महीना एक्ट्रेस के लिए कई मायनों में खास है। शादी की सालगिरह के अलावा एक्ट्रेस को कई इवेंट में स्पॉट किया गया था। आलिया ने दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ जैसी एक्ट्रेसेज को पीछे छोड़ अपनी जगह बनाई।

दीपिका पादुकोण

सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस की लिस्ट में दूसरे नंबर पर दीपिका पादुकोण हैं। एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। हाल में उन्हें पति रणवीर सिंह के साथ बेबीमून के साथ भी देखा गया था।

कृति सेनन

इस लिस्ट में कैटरीना कैफ से पहले कृति सेनन के नाम ने सभी को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस अपनी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, क्रू जैसी फिल्मों की सफलता के लिए खबरों में बनी हुई हैं।

कैटरीना कैफ

कभी पहले नंबर पर रहने वाली कैटरीना कैफ को इस लिस्ट में चौथा नंबर मिला है। एक्ट्रेस स्क्रीन के साथ पैपराजी के कैमरों से भी गायब ही चल रही हैं। कैट को धमाका करते देखने का इंतजार हो रहा है।

कियारा अडवाणी

कियारा अडवाणी ने इस लिस्ट में पांचवे नंबर पर हैं। एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म डॉन 3, वॉर 2 जैसी फिल्मों के लिए खबरों में बनी हुई हैं।

करीना कपूर

इस लिस्ट में छठे नंबर पर करीना कपूर हैं। इस लिस्ट में कृति और कियारा ने बेबो को पीछे छोड़ दिया है। सांतवे नंबर पर श्रद्धा कपूर, आठवें पर प्रियंका चोपड़ा, नौवें नम्बर पर दिशा पाटनी और अंत में अनुष्का शर्मा का नाम शामिल है।

हीरामंडी के दूसरे सीजन का न सिर्फ बनना मुश्किल, विचार करना भी मुश्किल

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज धूम मचा रही है। दुनियाभर से मिली तारीफों के बाद आज मुंबई में सफलता का जश्न मनाया गया था। इस खास मौके पर सीरीज के सभी कलाकारों को एक बार फिर साथ देखा गया। तवायफ़ों पर बेस्ड ये कहानी सुपरहिट साबित हुई है। ऐसे में ऑडियंस अगर दूसरे सीजन की उम्मीद करती है तो ग़लत नहीं होगा। कहानी के दूसरे सीजन में क्या फ़रीदन और मल्लिकाजान हीरामंडी की कुर्सी के लिए लड़ना बंद कर देंगी या वहीदा होगी नई मल्लिकाजान। अगर दूसरा सीजन भविष्य में कभी बनता है तो ऑडियंस को इन किरदारों के बारे में जानने में मज़ा आने वाला है। हीरामंडी संजय लीला भंसाली का ड्रीम प्रोजेक्ट था। सालों से इसे स्क्रीन पर उतारने की कोशिश कर रहे थे। अब ये सीरीज दुनिया भर में अपने काम और ग्रैंड सेट के लिए तारीफें बटोर रही है। सीरीज में लाहौर के रेडलाइट एरिया को बड़ी ही इज्जत के साथ ऑडियंस के सामने परोसा गया है। सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, संजीदा शेख, अदिति राव हैदरी और ऋचा चड्ढा के किरदार जैसे सीरीज देखने वालों के जहन में उतर गए हैं। अब अगर इसका दूसरा सीजन बनता है तो ये ऑडियंस के लिए ट्रीट होगा। संजय लीला भंसाली एक प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए सालों ले लेते हैं। ग्रैंड सेट, एक्टर्स के पहनावे, ज्वेलरी, गीतों पर बारीकी से काम करते हैं। उनका कोई भी ऐसा प्रोजेक्ट नहीं है जिसमें साल भर से कम समय लगा हो। ऐसे में हीरामंडी का अगला पार्ट बनना मुश्किल भरा होगा। साथ ही दूसरे सीजन में पहले से ज़्यादा समय लगने की संभावना है। हीरामंडी 2 का विचार करना भी मुश्किल है।

पैपराजी से परेशान हुई प्रीति जिंटा भड़क गई, मुझे डरा रहे हो

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा (49) को लेकर फैंस में खासा क्रेज देखने को मिलता है। लोग आज भी उनकी खूबसूरती के दीवाने हैं। फिलहाल प्रीति फिल्मी दुनिया में कम ही एक्टिव नजर आती हैं। हालांकि वह इन दिनों आईपीएल-17 में मैच के दौरान अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम में पहुंचती हैं। तब तमाम कैमरे बार-बार उनकी झलक दिखाते रहते हैं। प्रीति हाल ही में पैपराजी के कैमरों से परेशान नजर आईं और भड़क गईं। वायरल हो रहे वीडियो में प्रीति स्लीव्लेस टीशर्ट, ब्लू जीन्स के साथ स्लीपर्स पहने कैजुअल लुक में दिखीं। उनके हाथ में एक ब्लैक हैंडबैग और ब्लू जैकेट था। प्रीति को देखते ही पैपराजी उनके पीछे-पीछे भागने लगे और उनका नाम पुकारते हुए उन्हें पोज देने के लिए कहने लगे।

इस पर प्रीति नाराज हो गईं और पैपराजी को डांट लगा दी। प्रीति ने पैप्स से कहा कि गाइज, आप लोग मुझे डरा रहे हो। हालांकि प्रीति के गुस्से के बावजूद पैपराजी उन्हें आवाज देकर पोज देने के लिए कहते रहे। आखिर में प्रीति कुछ क्षणों के लिए रुकीं और हल्की-सी स्माइल के साथ पोज भी दिया।

पैपराजी के ऐसे रवैये को देख फैंस सोशल मीडिया पर उनकी क्लास लगा रहे हैं। प्रीति के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म लाहौर 1947 से वापसी करने जा रही हैं। फिल्म में सनी देओल लीड एक्टर हैं। राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन और आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस तले बन रही फिल्म के अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है। प्रीति ने फिल्म 'दिल से' के साथ करिअर की शुरुआत की थी। प्रीति की शादी साल 2016 में अमेरिकी के फाइनेंस एनालिसिस्ट जीन गुडएनफ के साथ हुई है। वे साल 2021 में जुड़वा बच्चों जय और जिया के माता-पिता बने।

रेड 2 की रिलीज डेट में किया बदलाव!

सिंघम अगेन के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रहे अजय देवगन

अजय देवगन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे व्यस्त कलाकारों में से एक हैं। वे इन दिनों कई फिल्मों में काम कर रहे हैं। सिंघम अगेन और औरों में कहां दम था के अलावा इस लिस्ट में रेड 2 का नाम भी शामिल है। अब इस अजय की इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

रेड 2 की रिलीज डेट में बदलाव

राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बन रही इस क्राइम ड्रामा फिल्म में अभिनेता एक बार फिर आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसका निर्माण पैनोरमा स्टूडियो और टी-सीरीज की ओर से किया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है। पहले यह माना जा रहा था कि इसे 15 नवंबर 2024 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन हालिया मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि सिंघम 3 की वजह से यह फिल्म या तो तय समय से पहले या बाद में रिलीज की जाएगी।

सिंघम अगेन है वजह

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी सिंघम अगेन इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। इसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने के वाली थी, लेकिन नवीनतम रिपोर्ट्स की मानें तो अब इस फिल्म को दिवाली पर रिलीज करने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बार सिंघम अगेन की रिलीज की तारीख का आधिकारिक रूप से एलान हो जाने के बाद रेड 2 के मेकर्स अपनी फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करेंगे।

रेड 2 की एडिटिंग शुरू

बताया जा रहा है कि राज कुमार गुप्ता फिलहाल रेड 2 की एडिटिंग कर रहे हैं और जुलाई के अंत तक इसका फाइनल प्रिंट तैयार हो जाने की संभावना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म सिंघम अगेन से पहले रिलीज हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

किरण राव की लापता लेडीज़ देखने के बाद भावुक हुई जान्हवी कपूर

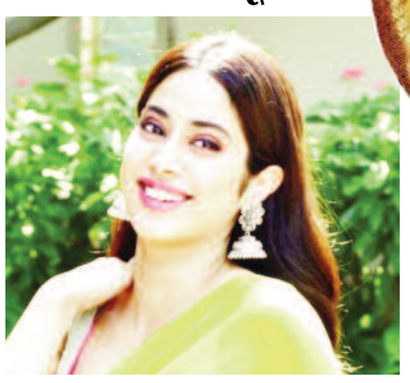

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने किरण राव की लापता लेडीज़ की अपनी समीक्षा साझा की, जो ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से व्यापक प्रशंसा प्राप्त कर रही है, और व्यंग्य नाटक की प्रशंसा की। उन्होंने फिल्म के कलाकारों और क्रू के लिए सराहना के शब्द भी साझा किए।

शनिवार को, जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया और लिखा, प्रतिभा सांता, आपकी मूक ताकत; नितांशी सिंह, आपकी मासूमियत और दिल छू लेने वाली मुस्कान; स्पर्श श्रीवास्तव, आपकी ईमानदारी और निश्छल हास्य!!! आप लोगों और किरण राव को सलाम, मॉम, इतनी सुंदर कलाकृति और इतनी विशेष प्रस्तुति बनाने के लिए। इससे पहले, प्रियंका चोपड़ा, राजकुमार राव और अनन्या पांडे के साथ, किरण राव की लापता लेडीज़ की समीक्षा करने वाले सितारों की लीग में शामिल हुईं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और लिखा, मनोरंजन और शिक्षा के लिए धन्यवाद

लापता लेडीज़ में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

लम्बे अंतराल के बाद जरा हटके जरा बचके को मिली ओटीटी रिलीज डेट

विक्की कौशल और सारा अली खान की वो सुपरहिट फिल्म याद है? जिसमें दोनों के बीच बेशुमार प्यार के साथ जबरदस्त तकरार भी दिखाई गई. इस फिल्म में प्यार, शादी और तलाक तक का प्रोसेस दिखाया गया है। फिल्म की कहानी इतनी जबरदस्त थी कि लोगों ने थिएटर्स में इसका खूब आनंद उठाया। फिल्म तो पिछले साल रिलीज हुई थी और तब से फैंस इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे।

अब फाइनली जरा हटके जरा बचके को ओटीटी रिलीज डेट मिल चुकी है। जरा हटके जरा बचके एक फैमिली फिल्म है और इसके गाने सुपरहिट हैं। साथ ही ये कहां और कब देखना है इसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

जरा हटके जरा बचके इस दिन होगी ओटीटी पर रिलीज

जियो सिनमा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर विक्की कौशल को टैग करते हुए फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा, सह परिवार शादी की थी, अब सह परिवार तलाक भी होगा। तो आप सब डिवॉर्स में जरूर आना। जरा हटके जरा बचके 17 मई से जियो सिनेमा प्रीमियम पर स्ट्रीम करेगी।

2 जून 2023 को फिल्म जरा हटके जरा बचके रिलीज हुई थी। पहले इसे दिसंबर 2023 ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा था लेकिन जियो सिनेमा पर इस फिल्म को स्ट्रीम के लिए डेट नहीं मिल पा रही थी लेकिन अब ये फिल्म 17 मई से जियो सिनेमा के प्रीमियम पर स्ट्रीम करने लगेगी।

अब तीसरी शादी करेंगी दलजीत!

दलजीत कौर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि दलजीत ने अपने दूसरे पति निखिल पटेल से तलाक ले लिया है। अभिनेत्री भारत वापस आ गई हैं और अपने प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी भी हो गई हैं। अब हाल ही में, दलजीत ने अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। लोगों का कहना है कि दलजीत ने तीसरी शादी कर ली है या फिर वह जल्द फिर से शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। हालांकि, दलजीत ने अभी तक अपने तलाक को लेकर फैंस से कोई भी अपडेट साझा नहीं किया है।

16 मई को प्रदर्शित होगी पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला

पृथ्वीराज सुकुमारन की पिछली फिल्म आदुजीविथम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने भारत के बाहर भी अच्छा कारोबार किया था। पृथ्वीराज ने हिंदी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में भी अभिनय किया था। उनके प्रशंसक अब अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को पता है कि पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही फिल्म गुरुवायूर अंबाला नदायिल को लेकर आ रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला नदायिल 16 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। फिल्म निर्माता इसका धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इसका निर्देशन विपिन दास ने किया हैं, जो इससे पहले फिल्म जया जया जया जया हे को निर्देशित कर चुके हैं। पिछले महीने की शुरुआत में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। फिल्म का निर्माण ई4 एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। गुरुवायूर अंबाला नदायिल की कहानी दीपू प्रदीप ने लिखी है। पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा बेसिल जोसेफ, निखिला विमल, अनस्वरा राजन और जगदीश भी अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी शादी पर केंद्रित है। यह एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। पृथ्वीराज को उम्मीद है कि उनकी यह फिल्म भी अच्छा प्रदर्शन करेगी और लोग इसे पसंद करेंगे।

- साभार एजेंसी